MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 12 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-12

सिकंदराबाद जिंदाबाद

आमरण अनशन को तैयार तलसानी

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने चेतावनी दी है कि सिकंदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के गठन तक उनका संघर्ष थमने वाला नहीं है और आवश्यकता पड़ी तो वे आमरण अनशन भी करेंगे। रविवार को बालमराई स्थित ली पैलेस में लष्कर जिला साधना समिति की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि समृद्ध इतिहास वाले सिकंदराबाद के नाम और अस्तित्व को खत्म करने की मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी साजिश कर रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि सरकार पर दबाव बनाने के लिए 17 जनवरी को 10,000 लोगों के साथ सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड स्थित गांधी प्रतिमा तक काले बैज और झंडों के साथ शांतिपूर्ण रैली निकाली जाएगी।

तलसानी ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय, राष्ट्रपति के अतिथि गृह, दक्षिण मध्य रेलवे कार्यालय, गांधी अस्पताल, मोंडा मार्केट और निजाम काल में बना 120 फीट का क्लाक टॉवर जैसे ऐतिहासिक स्थल सिकंदराबाद में ही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना लोगों की राय जाने और उनकी भावनाओं की परवाह किए सरकार अपनी मर्जी से फैसले कर रही है। उन्होंने कहा ''यह आपके पिता की जागीर नहीं है,''। यदि हमारे अस्तित्व को खत्म

करने और इतिहास को मिटाने की कोशिश की गई तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के दो वर्षों में कुछ नहीं किया और डी-लिमिटेशन में डिवीजनों का विभाजन अपनी इच्छा से किया है। बिना जनता, जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों की राय लिए गूगल मैप के आधार पर डिवीजन बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी काउंसिल की बैठक में जब मेयर और डिप्टी मेयर से डिवीजन विभाजन के बारे में पूछा गया तो उन्हें भी पता नहीं कहा था, यह बहुत शर्मनाक है।

सभी दलों और संगठनों का मिला समर्थन

तलसानी ने कहा कि कॉर्पोरेशन के गठन की घोषणा होने तक वे सभी दलों को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। इस संघर्ष को समर्थन देने के लिए विभिन्न व्यापार, वाणिज्य, श्रमिक संगठनों, पत्रकारों, जातीय संगठनों और सीनियर सिटीजंस एसोसिएशन ने बैठक में भाग लिया और अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस बैठक में सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधायक मुथा गोपाल, पूर्व निगम अध्यक्ष गज्जेल नागेश, बीआरएस पार्टी के प्रभारी तलसानी साई किरण यादव, पार्षद हेमलता, महेश्वरी, समाला हेमा, प्रसन्ना, सुनीता, शैलजा, पूर्व पार्षद नामन शेषुकुमारी, कैंटोनमेंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जक्कुला महेश्वर रेड्डी समेत कई नेता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

हिंदू राष्ट्र तय

मथुरा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आने वाले 20-30 वर्षों में भारत विश्वगुरु बनेगा और हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने यह बयान वृंदावन में सुदामा कुटी आश्रम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दिया। यह आयोजन रामानन्दी सम्प्रदाय के प्रवर्तक रामानन्दाचार्य की 726वीं जयंती एवं सुदामा कुटी के संस्थापक संत सुदामा दास के वृंदावन आगमन के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर किया गया था।

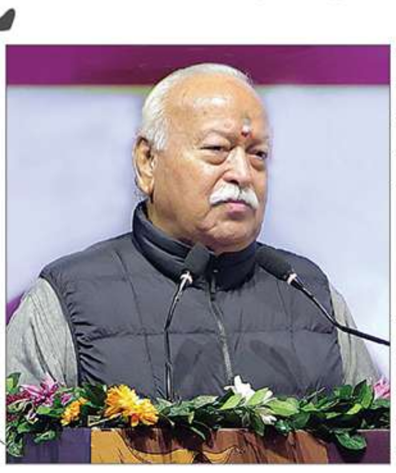

मोहन भागवत ने अपने संबोधन में हिंदू समाज की एकता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदुओं में आपसी फूट के कारण ही पराजय होती है। उन्होंने कहा कि भारत की भक्ति परंपरा से मिली अमृत की शक्ति के कारण कोई भी आसुरी या राजसत्ता भारत का कुछ नहीं बिगाड़ सकती, समस्याएं केवल हमारी तैयारी की कमी के कारण आती हैं।

संघ प्रमुख ने कहा कि जो शक्तियां हमारे खिलाफ काम कर रही हैं, वे हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकतीं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि हमें जिस स्तर की तैयारी करनी चाहिए, वह अब तक नहीं हो पाई है। इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आक्रमणकारियों और सुल्तानों के अत्याचारों के बावजूद भारत ने बलिदान देकर अपनी शक्ति को बचाए रखा। यह शक्ति हमें भक्ति से मिली है और वह शक्ति सदैव अपना कार्य करती रही है।

हिंदू समाज की एकता ही शक्ति का आधार

मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज जब भी पराजित हुआ, वह केवल आपसी फूट के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि शक्ति दुर्बलों को प्रताड़ित करती है, लेकिन भारत का इतिहास ऐसा नहीं रहा है। भारत के पास अमृत की शक्ति है, जो पूरी दुनिया को सुख और शांति देने वाली है। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे-जैसे हिंदू समाज एकजुट होगा, वैसे-वैसे आसुरी शक्तियां निष्प्रभावी होती जाएंगी।

किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रखना चाहिए

भागवत ने कहा कि समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जहां हम रहते हैं, उस पूरे समाज को एक मानना चाहिए। पूरा हिंदू समाज एक है, लेकिन दुनिया भाषा, जाति, पंथ और संप्रदाय के आधार पर विभाजन करती है।

उन्होंने दोहराया कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि भारत का जन्म ही इसी उद्देश्य से हुआ है। इसके लिए केवल हमारी तैयारी में देरी है और हमें इसके लिए एकजुट होना होगा।इस अवसर पर मंच पर साध्वी ऋतम्भरा, गीता मनीषी संत ज्ञानानन्द, नाभा पीठाधीश्वर महंत सुतीक्ष्ण दास, मणिराम छावनी अयोध्या के पीठाधीश्वर, पीपा पीठाधीश्वर बलराम दास, महंत राजेंद्र दास, कमल नयन दास, नेपाल से आए स्वामी रामकृष्ण दास, स्वामी सुदर्शन दास, स्वामी लाडली शरण दास, दिल्ली से आए कुमार स्वामी सहित अनेक संत उपस्थित रहे।

संघ प्रमुख ने कहा, हिंदू कभी दुश्मन के शौर्य, वीरता या बल के कारण पराजित नहीं हुआ। जब भी हार हुई, वह केवल आपसी फूट के कारण हुई। उन्होंने कहा कि मुगलों की चार-पांच सौ वर्षों की दासता और अत्याचार सहने के बावजूद सनातन धर्म कमजोर नहीं पड़ा, बल्कि हर बार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरा।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 26^0
न्यूनतम : 14^0

मंदिर में मूत्र त्यागने पर बवाल आरोपी की पिटाई, गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक 26 वर्षीय युवक को कथित तौर पर एक मंदिर परिसर में अवैध रूप से प्रवेश करने और पुलिस द्वारा ''अश्लील'' कार्य करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने पुलिस के हवाले से बताया की यह घटना शनिवार रात सफिलगुडा के कट्टा मैसम्मा मंदिर में हुई। आरोपी की पहचान कर्नाटक के बीदर जिले के निवासी अल्ताफ के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि नेरेडमेट पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिसमें पूजा स्थल में अवैध रूप से प्रवेश करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप शामिल हैं। आरोपी को रविवार को एक शहरी अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।मलकाजगिरी पुलिस आयुक्तालय की एक रिपोर्ट यह जानकारी दी गई।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल और प्रदर्शन

इस घटना ने भाजपा, हिंदू समर्थक संगठनों और भक्तों के प्रदर्शनों को जन्म दिया, ▶10 पर

लश्कर का आतंकी स्कूल में भाषण देते दिखा भारत के खिलाफ जमकर उगला जहर

इस्लामाबाद,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख और पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी का एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसने पाकिस्तान के राज्य प्रायोजित आतंकवाद के चेहरे को एक बार फिर बेनकाब कर दिया है। इस वीडियो में कसूरी पाकिस्तानी सेना के साथ अपने संगठन के गहरे और अटूट संबंधों का खुलासा करता नजर आ रहा है। कसूरी ने खुलेआम दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना उसे अपने सैनिकों की अंतिम यात्रा में जनाजे की नमाज पढ़ाने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित करती है। यह वीडियो किस तारीख का है, इसकी सटीक जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन इसमें कसूरी स्कूल के छोटे बच्चों को संबोधित करते हुए जहरीला भाषण दे रहा है। खुफिया स्रोतों ने इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि कर दी है। वीडियो में कसूरी को यह कहते सुना जा सकता है, पाकिस्तान की सेना मुझे जनाजे की नमाज पढ़ाने के लिए बुलाती है। क्या तुम्हें पता है कि भारत भी मुझसे डरता है यह बयान भारत के उन दावों को पुख्ता करता है कि पाकिस्तान की सेना और आतंकी संगठन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। किसी भी सभ्य समाज के लिए यह अकल्पनीय है कि एक खूंखार आतंकी संगठन का शीर्ष नेता बच्चों के स्कूल में जाकर उनके युवा दिमागों को प्रभावित करे। पहलगाम हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या के लिए जिम्मेदार लश्कर ने हमेशा पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर काम किया है, जैसा कि 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी देखा गया था। आतंकवाद के इस निर्यात ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। अप्रैल 2025 के पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने आपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकी ढांचे को भारी चोट पहुंचाई थी। हालांकि, इसके छह महीने बाद भी लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन जम्मू-कश्मीर में नए हमलों की फिराक में हैं। यदि पाकिस्तान की ओर से आतंक का यह निर्यात जारी रहा, तो यह एक नए और खतरनाक दौर की शुरुआत हो सकती है। ताजा वीडियो के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की भारी किरकिरी हो रही है, जिससे अब उसके खिलाफ सख्त वैश्विक कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

न्यूज ब्रीफ

प्रकृति का दुर्लभ और बेहद कीमती उपहार है हरा शहद

काठमांडू। क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा शहद भी पाया जाता है जो हरे रंग का होता है और जिसकी कीमत सोने-चांदी से कम नहीं होती। हरा शहद वास्तव में प्रकृति का एक दुर्लभ और बेहद कीमती उपहार है। हरा शहद आम शहद की तरह आसानी से उपलब्ध नहीं होता। इसकी सबसे बड़ी वजह इसे बनाने वाली खास परिस्थितियां और मधुमक्खियों की सीमित संख्या है। दरअसल, हरा शहद तब बनता है जब मधुमक्खियां विशेष हरे रंग के फूलों या खास पौधों का नेक्टर इकट्ठा करती हैं। ऐसा बहुत कम इलाकों में और बहुत कम समय के लिए संभव होता है, इसलिए इसका उत्पादन बेहद सीमित रहता है। यही वजह है कि यह शहद दुनिया के सबसे दुर्लभ शहदों में गिना जाता है। नेपाल के हिमालयी क्षेत्रों में पाया जाने वाला मद हनी हरे शहद का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है। यह शहद रोडोडेंड्रोन फूलों के नेक्टर से बनता है, जिसमें ग्रेयनोटाक्सिन नामक तत्व पाया जाता है। यही तत्व इस शहद को हल्का नशीला प्रभाव देने वाला बनाता है। हिमालय की विशाल मधुमक्खियां, जिन्हें एपिस डोर्साटा लेबोरियोसा कहा जाता है, समुद्र तल से करीब 3500 मीटर की ऊंचाई पर खड़ी चट्टानों पर अपने छत्ते बनाती हैं। इन छत्तों से शहद निकालना बेहद खतरनाक काम होता है। नेपाल के गुरुंग समुदाय के शिकारी बांस की लंबी सीढ़ियों के सहारे जान जोखिम में डालकर साल में केवल दो बार यह शहद इकट्ठा करते हैं। कहा जाता है कि एक किलो हरा शहद तैयार करने में मधुमक्खियों की पूरी जिंदगी लग जाती है। इसकी कीमत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 100 ग्राम मद हनी की कीमत 200 डालर तक पहुंच जाती है। स्वाद के मामले में भी हरा शहद अलग पहचान रखता है। यह केवल मीठा ही नहीं होता, बल्कि इसका सेवन करने पर हल्का नशे जैसा एहसास भी हो सकता है।

चीन में दमन और कड़ी निगरानी के बीच खामोश हो रही असहमति की आवाज

नैपीडा। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों की बार-बार की चेतावनियों के बावजूद चीन में नागरिक समाज के लिए लोकतांत्रिक जगह तेजी से खत्म होती जा रही है। हालिया वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, चीनी अधिकारियों की बढ़ती सख्ती यह स्पष्ट करती है कि शासन किसी भी तरह की स्वायत्तता या विरोध के स्वर के प्रति अत्यंत असहिष्णु हो चुका है। वर्तमान में चीन का सामाजिक वातावरण भय, खामोशी और जबरन अनुरूपता के दौर से गुजर रहा है, जहां न्याय की संभावनाएं लगभग समाप्त नजर आती हैं। विभिन्न मानवाधिकार समूहों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, चीन में नागरिक स्वतंत्रता अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। दमन का यह नया अभियान किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को अपनी चपेट में ले रहा है। श्रमिक कार्यकर्ता, छात्र, वकील, धार्मिक अनुयायी और यहां तक कि सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने वाले आम नागरिक भी अब चौबीसों घंटे चलने वाली निगरानी और मनमानी हिरासत के जाल में फंस रहे हैं।

वेनेजुएला के बाद अब मैक्सिको पर हमले का आदेश दे सकते हैं ट्रंप........ड्रग कार्टेल के खिलाफ

विक्टोरिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों धमकियां दे रहे हैं। दरअसल, वेनेजुएला के खिलाफ

कार्रवाई के बाद अब ट्रंप की नजर ग्रीनलैंड पर पड़ गई है। इसके अलावा, ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि वह मैक्सिकन इलाके में ड्रग कार्टेल के खिलाफ हमले का आदेश दे सकते हैं। ट्रंप ने पिछले हफ्ते वेनेजुएला पर हमला करके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को काराकास में उनके कंपाउंड से हिरासत में ले लिया था। इसके बाद अब उन्होंने मैक्सिको के खिलाफ फिर से धमकियां दी हैं। ट्रंप ने मैक्सिको पर अमेरिका में ड्रग्स और अवैध प्रवासियों को भेजने का आरोप लगाया है।

बात दें कि सितंबर 2025 से, अमेरिका ने कैरिबियन में करीब 35 कथित कार्टेल बोट पर हमला किया है। इतना ही नहीं ट्रंप ने वेनेजुएला पर भी यही आरोप लगाकर कार्रवाई की थी। हालांकि, मादुरो ने इस बात से साफ इंकार किया था। ट्रंप ने कहा, हमने पानी के रास्ते आने वाली 97 फीसदी ड्रग्स को खत्म किया है और अब हम कार्टेल के मामले में जमीनी स्तर से भी ड्रग्स ले जाने के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, मैक्सिको को कार्टेल चला रहे हैं। उस देश के साथ जो हुआ है, उस देखना बहुत, बहुत दुख की बात है।

अमेरिका ने दिया ईरान को खामेनेई से मुक्त कराने का संकेत

तेहरान/वाशिंगटन,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

ईरान में गुजर चुके साल के 28 दिसंबर से महंगाई के खिलाफ शुरू प्रदर्शन ने इस्लामी गणराज्य शासन की नींद उड़ा दी है। सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के प्रदर्शनकारियों को दंगाई कहने से लोगों का गुस्सा भड़क गया है। सारा देश हिंसा की लपटों से घिरा हुआ है। सुरक्षा बलों और नागरिकों के बीच टकराव में बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति हुई है। कई जगहों पर सरकारी संपत्ति को आग के हवाले कर दिया गया। गोलीबारी में मारे गए लोगों के प्रति चिंता जताते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खामेनेई से मुक्त कराने का संकेत दिया है।

48 घंटों में कम से कम 2,000 लोग मारे गए

ईरान इंटरनेशनल ने विभिन्न वीडियो फुटेज के आधार पर प्रसारित रिपोर्ट में ईरान के मौजूदा सूरत-ए-हाल की विस्तार से चर्चा की है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ईरान के सुरक्षा बल देश भर में प्रदर्शनकारियों पर जानलेवा बल प्रयोग कर रहे हैं। शुरुआती अनुमान है कि बड़े पैमाने पर लोग मारे गए हैं। देश में आठ जनवरी से इंटरनेट सेवा बंद है। तेहरान के दक्षिण में कहरीजाक से मिले वीडियो फुटेज में कई शव दिख रहे हैं। ऐसे ही वीडियो फरदीस, करज और पूर्वी तेहरान के अलगादिर अस्पताल से पहले भेजे गए। इनमें भी शव नजर आ रहे हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि पिछले 48 घंटों में कम से कम 2,000 लोग मारे गए हैं। उत्तरी शहर रश्त के एक डाक्टर के अनुसार, अकेले एक अस्पताल में कम से कम 70 शव पहुंचाए गए। इलम और करमानशाह के पश्चिमी प्रांत भी हिंसा से घिरे हुए हैं।

माता-पिता को चेतावनी, बच्चों की जान की परवाह है तो उन्हें सड़कों से दूर रखें

रिपोर्ट के अनुसार, जन आक्रोश को स्वीकार करने या लोगों से बातचीत करने के बजाय ईरान के नेतृत्व ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सरकारी टेलीविजन में कहा जा रहे है कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। शुक्रवार को सरकारी टेलीविजन में तो लोगों को धमकी तक दी गई। माता-पिता से कहा गया, अगर वे अपने बच्चों की सुरक्षा की परवाह करते हैं तो उन्हें सड़कों से दूर रखें। ईरान के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले चैनलों में से एक चैनल-3 ने अशांति को देश पर एक सुनियोजित हमला बताया है। बुनियादी नागरिक अधिकारों की मांग करने वाले प्रदर्शनकारियों की निंदा की गई। तस्वीरों में सुरक्षा बलों को भीड़ पर आंसू गैस के गोले दागते और गोलियां चलाते हुए दिखाया गया। तेहरान के मेयर अलीरेजा जकानी ने कहा कि राजधानी में प्रदर्शनकारियों ने दर्जनों बसों और सरकारी इमारतों में आग लगा दी। यह प्रदर्शनकारी नहीं आतंकवादी हैं।

खामेनेई ने कहा-ताकत से मुकाबला करेंगे: ईरान के सरकारी टेलीविजन ने गत दिवस सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का दिन भर भाषण प्रसारित किया। खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों पर विदेशी दुश्मनों की तरफ से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने ताकत से निपटने की कसम भी खाई। कुछ चैनलों पर सिर्फ प्रदर्शनकारियों की हिंसा को दिखाया गया।

शासन के प्रतीकों पर हमले: लोगों का गुस्सा इस कदर बढ़ गया है कि शासन के गढ़े गए प्रतीकों तक को तहस-नहस करने में आमादा हैं। इसका उदाहरण यह है कि पूर्व इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कुद्स फोर्स कमांडर कासिम सुलेमानी की मूर्तियां गिरा दी गई हैं।

ईरान आजादी की तरफ देख रहा है : ट्रंप

ईरान आजादी की तरफ देख रहा है। अमेरिका मदद के लिए तैयार है। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार रात अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कही। इससे पहले दिन में ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम की एक पोस्ट को री-पोस्ट किया। इसमें उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो के प्रदर्शनकारियों का समर्थन करने की तारीफ की और मेक ईरान ग्रेट अगेन का नारा इस्तेमाल किया। ग्राहम ने कहा था, मदद आ रही है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरान को आजाद कराने के लिए तैयार हैं। ईरान के लोगों का आजादी का सपना जल्द पूरा होगा। इसके अलावा अमेरिकी हाउस रिप्रेजेंटेटिव क्लाउडिया टेनी ने कहा, कृपया ईरान में एक हिंसक शासन के खिलाफ खड़े बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए मेरे साथ प्रार्थना करें। न्यूयार्क की रिपब्लिकन प्रतिनिधि ने अपने एक्स अकाउंट पर कहा, एक क्रूर तानाशाह के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने पर परिवार अपने बेटों और बेटियों को खो रहे हैं। यह चुप रहने का समय नहीं। चुप्पी केवल हत्यारों को ताकत देती है। कई एयरलाइंस ने ईरान के लिए उड़ानें रद्द कीं: फाक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लुफ्थांसा, फ्लाई दुबई, टर्किश एयरलाइंस, एजेट, पेगासस, कतर एयरवेज और आस्ट्रियन एयरलाइंस सहित कई एयरलाइंस ने ईरान के लिए अपनी उड़ानें रद्द और स्थगित कर दी हैं।

जरा सी लापरवाही जिंदगी के लिए बन सकती है बड़ा खतरा

वेल्स,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड के वेल्स स्थित कार्डिफ में रहने वाले 42 वर्षीय एडम वाटकिंस के साथ भी यही सोच भारी पड़ गई और एक दिन यह लापरवाही उनकी जिंदगी के लिए बड़ा खतरा बनकर सामने आ गई। एक सुबह एडम जब नींद से जागे, तो उन्होंने महसूस किया कि उनका बायां हाथ सुन्न है और बोलने में परेशानी हो रही है। उन्होंने इसे गलत तरीके से सोने का असर मानकर नजरअंदाज कर दिया, लेकिन कुछ ही घंटों में उनकी हालत लगातार बिगड़ने लगी। जब वे अपनी 36 वर्षीय पार्टनर लौरा मिलफोर्ड से बात कर रहे थे, तो उनकी आवाज लड़खड़ाने लगी। शुरुआत में लौरा को लगा कि शायद एडम ने ज्यादा शराब पी ली है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अधिक गंभीर थी। कुछ देर बाद जब एडम बगीचे में बैठे, तो उनका बायां हाथ पूरी तरह से बेकार हो गया और उंगलियों से सिगरेट फिसलकर गिर गई। लौरा ने तभी गौर किया कि एडम के चेहरे का बायां हिस्सा भी नीचे की ओर लटकने लगा है।

हालात की गंभीरता को समझते हुए लौरा उन्हें तुरंत अस्पताल ले गईं, जहां डाक्टरों ने जांच के बाद बताया कि एडम को मिनी स्ट्रोक यानी ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक हुआ है। डाक्टरों के मुताबिक, इस स्ट्रोक की सबसे बड़ी वजह पिछले 25 वर्षों से चली आ रही उनकी धूम्रपान की आदत थी, जिस पर वे हर महीने करीब 20 हजार रुपये खर्च कर रहे थे। एडम की हालत इसलिए और भी नाजुक हो गई क्योंकि वे पहले से ही पालीसिथेमिया नामक ब्लड डिसआर्डर से पीड़ित थे, जिसमें शरीर जरूरत से ज्यादा लाल रक्त कोशिकाएं बनाने लगता है और खून गाढ़ा हो जाता है। एडम ने बताया कि उन्होंने महज 17 साल की उम्र में सिगरेट पीना शुरू किया था। शुरुआत एक लड़की को प्रभावित करने के लिए हुई, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत लत में बदल गई और वे रोज करीब 30 सिगरेट पीने लगे।

धूम्रपान शरीर में कार्बन मोनोआक्साइड की मात्रा बढ़ा देता है, जो पालीसिथेमिया के मरीजों के लिए बेहद खतरनाक है, क्योंकि इससे खून और गाढ़ा हो जाता है और शरीर तक आक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है। इस भयावह अनुभव के बाद एडम और लौरा ने मिलकर धूम्रपान छोड़ने का फैसला किया और एनएचएस की हेल्प मी क्विट सेवा की मदद ली। कुछ ही हफ्तों में एडम ने खुद में बड़ा सुधार महसूस किया। उनकी सूंघने और स्वाद लेने की क्षमता बेहतर हुई, पुरानी खांसी खत्म हो गई और आर्थिक रूप से भी उन्हें राहत मिली। अब वे हर महीने हजारों रुपये बचा पा रहे हैं।

बांग्लादेश में युवा कैदी की कारागार में मौत

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश के जमालपुर जिला कारागार में एक सजायाफ्ता युवा कैदी की मौत हो गई। इस कारागार के कार्यवाहक अधीक्षक इम्तियाज जकारिया ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद शव परिवार को सौंपने से पहले कानूनी औपचारिकता पूरी की जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, जमालपुर जिला कारागार में बंद ड्रग केस में दो साल की सजा काट रहे सुल्तान शेख (40) की शनिवार को मौत हो गई। उसके पिता चटकू शेख इस्लामपुर उप जिला के नोटरकंडा में रहते हैं। सुल्तान पिछले साल 11 दिसंबर से जिला कारागार में बंद था। उसे सांस और त्वचा की बीमारी थी। जमालपुर सामान्य अस्पताल में उसका इलाज भी कराया गया। सुबह, कथित तौर पर अधिक ठंड के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। कार्यवाहक अधीक्षक इम्तियाज जकारिया ने कहा कि उसे फौरन जमालपुर सामान्य अस्पताल पहुंचाया गया। मौजूद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जकारिया ने कहा कि इस संबंध में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कराया जाएगा।

विशालकाय ब्लैक होल की अब तक की सबसे स्पष्ट तस्वीर कैद

टोक्यो,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

वैज्ञानिकों ने एक बेहद विशालकाय ब्लैक होल की अब तक की सबसे स्पष्ट तस्वीर कैद की है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है। यह ब्लैक होल एमसीजी-6-30-15 नाम की गैलेक्सी के केंद्र में स्थित है और इसका द्रव्यमान हमारे सूर्य से लगभग 20 लाख गुना अधिक बताया गया है। जापान की स्पेस एजेंसी जाक्सा और नासा के एक्सआरआईएसएम मिशन ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इसका आकार जितना विशाल है, उससे कहीं ज्यादा चौंकाने वाली इसकी घूमने की रफ्तार यानी स्पिन है, जिसने वैज्ञानिकों को हैरानी में डाल दिया है। इस ऐतिहासिक खोज में पहली बार ब्लैक होल के बेहद करीब मौजूद आयरन एमिशन लाइन्स को असाधारण स्पष्टता के साथ देखा गया है। इन संकेतों के विश्लेषण से पता चला है कि यह ब्लैक होल अपने आसपास के स्पेसटाइम को बुरी तरह मरोड़ रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अब तक का सबसे सटीक एक्स-रे स्पेक्ट्रम है, जिसने अल्बर्ट आइंस्टीन की थ्योरी आफ रिलेटिविटी को एक बार फिर पूरी मजबूती के साथ सही साबित कर दिया है। इस अध्ययन के लिए दुनिया के तीन सबसे शक्तिशाली टेलीस्कोप जाक्सा-नासा का एक्सआरआईएसएम, यूरोपियन स्पेस

एजेंसी का एक्सएमएम-न्यूटन और नासा का नुस्टार एक साथ इस्तेमाल किए गए। एस्ट्रोफिजिस्ट लौरा ब्रेनेमैन के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने इस ब्लैक होल की स्पिन को मापने में सफलता पाई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक किसी भी ब्लैक होल की पहचान मुख्य रूप से दो गुणों से होती है उसका द्रव्यमान और उसकी घूमने की गति। द्रव्यमान को मापना अपेक्षाकृत आसान होता है, लेकिन स्पिन को मापना बेहद जटिल प्रक्रिया है, क्योंकि इसके लिए इवेंट होराइजन के ठीक बाहर घूम रही गैस के व्यवहार का सूक्ष्म अध्ययन करना पड़ता है। एक्सआरआईएसएम मिशन के अत्याधुनिक रिजाल्व इंस्ट्रूमेंट ने इस मुश्किल काम को संभव बना दिया है। पहले के टेलीस्कोप ब्लैक होल से आने वाले एक्स-रे संकेतों को इतनी स्पष्टता से नहीं पकड़ पाते थे। पुराने डेटा में एमिशन और एब्जार्प्शन फीचर्स आपस में घुल-मिल जाते थे, जिससे सही निष्कर्ष निकालना कठिन हो जाता था। लेकिन एक्सआरआईएसएम की अभूतपूर्व क्षमता ने इन संकेतों को अलग-अलग पहचानने में मदद की है। इससे वैज्ञानिकों को ब्लैक होल के बिल्कुल नजदीकी क्षेत्र को समझने का अनोखा मौका मिला है और पुराने स्पिन मापों पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

ईरान एयर फ्लाइट 277 की 15वीं बरसी: जमी बर्फ ने छीन ली थीं 78 यात्रियों की जिंदगी

तेहरान,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

ठीक 15 साल पहले, 9 जनवरी 2011 को ईरान के विमानन इतिहास में एक ऐसी दुखद घटना घटी थी, जिसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। तेहरान से उर्मिया जा रही ईरान एयर की फ्लाइट 277 उस दिन एक भयावह हवाई हादसे का शिकार हो गई थी। खराब मौसम, तकनीकी चुनौतियां और आसमान में बनी जानलेवा परिस्थितियों के कारण यह सफर अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही मौत के तांडव में बदल गया। इस हादसे की 15वीं बरसी पर ईरान उन 78 लोगों को याद कर रहा है, जिन्होंने उस काली शाम को अपनी जान गंवाई थी।

घटना वाले दिन तेहरान के मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुदरत का मिजाज काफी बिगड़ा हुआ था। इसी वजह से फ्लाइट ने अपने निर्धारित समय से लगभग दो घंटे की देरी से शाम 6 बजकर 15 मिनट पर उड़ान भरी। यात्रियों को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि मौसम

की यह अनिश्चितता उनके लिए काल बनकर आ रही है। जिस बोइंग 727 विमान का उपयोग इस यात्रा के लिए किया जा रहा था, वह करीब 35 साल पुराना था। इस विमान का इतिहास भी काफी संघर्षपूर्ण रहा था; यह सालों तक इराक में जब्त रहने के बाद कबाड़ की स्थिति में पड़ा रहा था और बाद में मरम्मत के बाद दोबारा सेवा में लाया गया था।

विमान की कमान एक अत्यंत अनुभवी पायलट के हाथों में थी, लेकिन उर्मिया एयरपोर्ट के पास पहुंचते ही हालात बेकाबू हो गए। भारी बर्फबारी और बेहद कम विजिबिलिटी के कारण रनवे नजर नहीं आ रहा था। कई असफल प्रयासों के बाद जब पायलट ने विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले जाने का फैसला किया, तो विमान एक खतरनाक सीवियर आइसिंग जोन में फंस गया। अत्यधिक ठंड के कारण विमान के पंखों और इंजनों पर बर्फ की परतें जमने लगीं, जिससे इंजन की शक्ति कम होने लगी और एयरफ्लो बिगड़ गया। क्रू ने इंजनों को फिर से चालू करने की भरसक कोशिश की, लेकिन विमान असंतुलित होकर उर्मिया एयरपोर्ट से महज 15 किलोमीटर दूर जमीन से जा टकराया।

हादसा इतना भीषण था कि विमान के कई टुकड़े हो गए। इस विमान में सवार कुल 105 लोगों में से 78 की मौके पर ही मौत हो गई, जिसमें चालक दल के सभी सदस्य शामिल थे। चमत्कारिक रूप से 27 यात्री इस मलबे से जीवित निकलने में सफल रहे, हालांकि वे गंभीर रूप से घायल थे। बाद की जांच रिपोर्टों में यह स्पष्ट हुआ कि इंजनों पर बर्फ का जमना और उस स्थिति में इंजन प्रबंधन की विफलता ही इस विनाशकारी दुर्घटना का मुख्य कारण बनी थी। 15 साल बाद भी यह हादसा पुराने विमानों के रखरखाव और खराब मौसम में उड़ान के जोखिमों को लेकर एक सबक बना हुआ है।

दिल्ली को जलभराव से मिलेगी स्थायी मुक्ति, 4 बड़े ट्रंक ड्रेनों का निर्माण प्रगति पर : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,11 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार ने दिल्ली को आधुनिक, वैश्विक और विकसित राजधानी बनाने के संकल्प की दिशा में जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बड़ा और दूरगामी कदम उठाया है। इसके तहत दिल्ली के चार बड़े नालों- मुंडका हॉल्ट-सप्लीमेंट्री ड्रेन, एमबी रोड स्टॉर्म वॉटर ड्रेन, किराड़ी-रिठाला ट्रंक ड्रेन और रोहतक रोड (एनएच-10) स्थित स्टॉर्म वॉटर ड्रेन को 'ड्रेनेज मास्टर प्लान' के तहत अहम घटक के रूप में विकसित किया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने इन बड़े ट्रंक ड्रेनों के निर्माण और विस्तार के कार्य की गति को तेज कर दिया है। सीएम रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि 1970 के दशक में दिल्ली के सीवर सिस्टम व जलनिकासी को लेकर 'ड्रेनेज मास्टर प्लान' बनाया गया था। बढ़ती आबादी और तेज निर्माण गतिविधियों के बावजूद इस मास्टर प्लान में अपेक्षित बदलाव नहीं हो पाए, जिससे जलनिकासी की स्थिति लगातार गंभीर होती रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली की भौगोलिक स्थिति, जलभराव व आबादी के दबाव को ध्यान में रखते हुए प्रभावी परिवर्तन किए हैं और उसी हिसाब से नालों आदि का निर्माण किया जा रहा है, ताकि भविष्य में देश की राजधानी को जलभराव व उससे जुड़ी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मानना है कि किसी भी महानगर की वास्तविक पहचान उसकी मजबूत, वैज्ञानिक और दूरगामी जल-निकासी व्यवस्था से होती है। इसी सोच के तहत दिल्ली सरकार ने राजधानी के उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी है, जहां वर्षों से जलभराव, ओवरलोडेड सीवर लाइनों व अन्य समस्याओं के कारण आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ती रही है। अब दिल्लीवासियों को इससे निजात मिलेगी।

पश्चिमी दिल्ली के किराड़ी, मुंडका, बवाना और नांगलोई विधानसभा क्षेत्रों की जल-निकासी समस्या के समाधान के लिए रेलवे लाइन के समानांतर 4.5 किलोमीटर लंबे ट्रंक ड्रेन का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। इस ड्रेन का निर्माण सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस नाले की अनुमानित लागत 220.93 करोड़ रुपए है और इसे 1,520 एकड़ के बड़े कैचमेंट एरिया से आने वाले वर्षा जल को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। नाले की डिस्चार्ज क्षमता 760 क्यूसेक रखी गई है, ताकि मॉनसून के दौरान चरम वर्षा की स्थिति में भी जल निकासी बिना रुके हो सके। नाले की शुरुआत मुंडका हॉल्ट स्टेशन से होगी और यह रेलवे कॉरिडोर के साथ-साथ चलते हुए सप्लीमेंट्री ड्रेन में जाकर मिलेगा।

इस ड्रेन की विशेषता यह है कि इसके मार्ग में आने वाले विभिन्न सेकेंडरी ड्रेनों का पानी भी इसमें समाहित किया जाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र की जल-निकासी व्यवस्था एकीकृत और सुव्यवस्थित हो सकेगी। प्रस्तावित कार्य रेलवे भूमि सीमा के भीतर किया जाना है, जिसके लिए रेलवे के साथ एमओयू पहले ही साइन किया जा चुका है। इस परियोजना को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जल्द मिलने वाली है। स्वीकृति मिलते ही इसे 15 माह की समय-सीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

दक्षिण दिल्ली के लाडो सराय टी-पॉइंट से पुल प्रह्लादपुर तक फैले क्षेत्र में जलभराव की समस्या लंबे समय से गंभीर बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए एमबी रोड स्टॉर्म वॉटर ड्रेन परियोजना को 'ड्रेनेज मास्टर प्लान' में शामिल किया गया है। इस परियोजना के तहत सड़क की कुल लंबाई 11.38 किलोमीटर है, जबकि दोनों ओर मिलाकर ड्रेन की कुल लंबाई 22.76 किलोमीटर होगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 387.84 करोड़ रुपये है। इसे 2.5 वर्षों में पूरा कर लिया जाएगा, जिसमें 6 माह प्री-कंस्ट्रक्शन और 2 वर्ष निर्माण अवधि शामिल है। इस नाले का निर्माण दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा किया जा रहा है।

यह परियोजना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा स्टॉर्म वॉटर ड्रेन कई स्थानों पर या तो अपर्याप्त क्षमता के हैं या फिर अन्य निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, परियोजना में करीब 500 पेड़ों के ट्रांसप्लांटेशन/कटान, फुटपाथ निर्माण और बिजली, जल बोर्ड व अन्य यूटिलिटीज के शिफ्टिंग का भी प्रावधान किया गया है।उत्तर-पश्चिम दिल्ली में किराड़ी से रिठाला (रोहिणी के पास) तक प्रस्तावित 7,200 मीटर लंबे ट्रंक ड्रेन का निर्माण एक और महत्वपूर्ण परियोजना है। डीडीए की इस परियोजना की अनुमानित लागत 250.21 करोड़ रुपए है और इसकी डिजाइन डिस्चार्ज क्षमता 1,160 क्यूसेक रखी गई है। वर्तमान स्थिति में इस नाले का लगभग 600 मीटर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। बचा कार्य 84 पेड़ों की कटाई की अनुमति लंबित होने के कारण रुक गया था, जिसे अब सुलझा लिया गया है।

इसके अलावा, रोहतक रोड (एनएच-10) पर जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए स्टॉर्म वॉटर ड्रेन का सुधार का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी की इस परियोजना के अंतर्गत नांगलोई रेलवे मेट्रो स्टेशन के पास किराड़ी सुलेमान ड्रेन से हिरण कूदना ड्रेन (मेट्रो पिलर संख्या 428 से 626) और टीकरी बॉर्डर से हिरण कूदना ड्रेन (मेट्रो पिलर संख्या 753 से 626) तक दोनों तरफ ड्रेन का निर्माण व सुधार किया जा रहा है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 184 करोड़ है, जिसमें से भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' योजना के अंतर्गत 105 करोड़ 2025-26 में दिए हैं। इस परियोजना को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।उन्होंने कहा कि दिल्ली का 'ड्रेनेज मास्टर प्लान' राजधानी के बढ़ते शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और जनसंख्या दबाव को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

मध्य प्रदेश : भागीरथपुरा त्रासदी और मनरेगा में बदलावों को लेकर कांग्रेस की न्याय यात्रा

भोपाल,11 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस रविवार को सुबह 11 बजे इंदौर में भागीरथपुरा पानी त्रासदी और मनरेगा में हाल ही में हुए बदलावों के विरोध में राज्य स्तरीय न्याय यात्रा निकालेगी। पार्टी नेताओं ने बताया कि मार्च बड़े गणपति मंदिर से शुरू होगा और मां अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति के पास राजवाड़ा चौक तक जाएगा। इसमें वरिष्ठ नेताओं, चुने हुए प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों के शामिल होने की उम्मीद है। भोपाल में राज्य कांग्रेस कार्यालय में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में विरोध प्रदर्शन की घोषणा करते हुए, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, भोपाल शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और प्रदेश प्रवक्ता राहुल राज ने भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की। प्रवीण सक्सेना ने भागीरथपुरा घटना को सरकार द्वारा प्रायोजित हत्याएं बताया और भाजपा सरकार पर आपराधिक लापरवाही और प्रशासनिक विफलता का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि जहरीले पानी की वजह से बीस लोगों की मौत हुई और एक हज़ार से ज़्यादा लोग बीमार पड़ गए।

कांग्रेस ने इंदौर के मेयर को तुरंत हटाने, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से प्रेस में असंवेदनशील बयान देने के लिए इस्तीफा देने और मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपए के बजाय 1 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की। पार्टी ने न्यायिक जांच और ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के मामले दर्ज करने की भी मांग की, और कहा कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता, तब तक यह संघर्ष सड़कों से लेकर संसद तक जारी रहेगा।

भाजपा सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधते हुए पीसी शर्मा ने कहा कि चौहान के कार्यकाल से मध्य प्रदेश पर 4 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। उन्होंने कहा कि मनरेगा खर्च में नया 60:40 का अनुपात राज्य पर सालाना 5,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ डालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 90.5 प्रतिशत सक्रिय मनरेगा मजदूरों का ई-केवाईसी वेरिफिकेशन रुका हुआ है, जो देश में सबसे ज़्यादा है और इन नीतियों को मजदूर विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि गरीबों को जानबूझकर उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।कांग्रेस ने इस नए कानून का विरोध किया और केंद्र सरकार से इसे तुरंत वापस लेने की मांग की, साथ ही घोषणा की कि वह पंचायतों से लेकर सड़कों तक 'मनरेगा बचाओ' अभियान को और तेज करेगी।राहुल राज ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर मनरेगा को नए कानून से बदलने का मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया और इसे गरीबों के काम के अधिकार पर सीधा हमला और गांधी के ग्राम स्वराज के आदर्शों की हत्या बताया।उन्होंने कहा कि इस कानून से राज्य के मौजूदा 4.5 लाख करोड़ रुपए के कर्ज में सालाना 5,000 करोड़ रुपए और जुड़ जाएंगे। उन्होंने फसल कटाई के मौसम में 60 दिनों के लिए काम रोकने के प्रावधानों की आलोचना की और आरोप लगाया कि इससे मजदूरों का पलायन और सस्ती मजदूरी को बढ़ावा मिलेगा, और सवाल उठाया कि क्या अब मनरेगा की मजदूरी में भी फसल बीमा भुगतान की तरह देरी होगी।

सबरीमाला खाजाना चोरी की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी से कराई जाए : अमित शाह

तिरुवनंतपुरम,11 जनवरी (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के तिरुवनंतपुरम में केरल कौमुदी कॉन्क्लेव को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ के बारी-बारी से शासन करने से भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई है, क्योंकि दोनों दल अपने ही भ्रष्टाचार की जांच करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 343 करोड़ रुपए का सहकारी बैंक घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला और पीपीई किट खरीद घोटाला जैसे बड़े घोटालों की ठीक से जांच नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ गठबंधन इन भ्रष्ट गतिविधियों के लिए एक-दूसरे को जवाबदेही से बचाते हैं। यदि केरल भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चाहता है, तो एनडीए को सत्ता में आने का अवसर देना आवश्यक है।अमित शाह ने कहा कि जब हमने पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया, तो एलडीएफ और यूडीएफ दोनों ने या तो इस फैसले का समर्थन करने से इनकार कर दिया या खुले तौर पर इसका विरोध किया। एसडीपीआई जैसी पार्टियां केरल की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं। जो लोग सह-अस्तित्व में विश्वास नहीं करते, वे हमारे राज्य की रक्षा नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार ही केरल को गवर्नेंस विदाउट करप्शन (भ्रष्टाचार मुक्त शासन), डिलीवरी विदाउट डिस्क्रिमिनेशन (बिना किसी भेदभाव के सेवा वितरण), और विजन विदाउट वोट बैंक पॉलिटिक्स (बिना किसी विशेष समुदाय या समूह के तुष्टिकरण) दे सकती है।

मैंने आज मुख्यमंत्री के सामने मांग रखी है कि सबरीमाला खजाने की चोरी के मामले की किसी निष्पक्ष एजेंसी से जांच करानी चाहिए। यह इसलिए जरूरी है कि हर एक को शासन में विश्वास होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश ने रखी मेडिकल क्षेत्र में एआई की मजबूत नींव, बनेगा मॉडल स्टेट

लखनऊ,11 जनवरी (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्वास्थ्य क्षेत्र में एक सशक्त सहायक उपकरण के रूप में उभर रहा है, जो निर्णय लेने, रोग की पहचान और उपचार की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। सरकार ने अपने प्रयासों से देश-दुनिया को दिखा दिया है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और फ्रंटलाइन वर्कर्स के समर्पण से एआई स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाया जा सकता है। वहीं, आने वाले समय में समान पहुंच और अन्य राज्यों के बीच समन्वय से आने वाले वर्षों में प्रदेश न केवल देश, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एआई आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य नवाचार का उदाहरण बन जाएगा। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अमित कुमार घोष के अनुसार, सीएम योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि तकनीक का उपयोग आमजन तक बेहतर, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए किया जाए। ऐसे में पिछले पौने नौ वर्षों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी प्राथमिकता दी गई है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल है, जहां एआई आधारित स्वास्थ्य समाधानों को जमीन पर उतारने की सबसे अधिक संभावनाएं मौजूद हैं। प्रदेश में करीब

10 लाख फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर, आशा, एएनएम, नर्स और डॉक्टर ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बने हुए हैं। इनके कामों को आसान और प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश में कई बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म सक्रिय हैं। इनमें हेल्थ मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस), रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ (आर-सीएच) पोर्टल, निक्षय पोर्टल (टीबी नियंत्रण के लिए) और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म आज केवल डाटा संग्रह तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नीति निर्माण, निगरानी और त्वरित निर्णय में अहम भूमिका निभा रहे हैं। यही डाटा एआई आधारित समाधानों के लिए मजबूत आधार तैयार करता है।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि प्रदेश ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को स्वास्थ्य सुधार का केंद्रीय स्तंभ बनाया है। ई-संजीवनी के माध्यम से टेलीमेडिसिन नेटवर्क का व्यापक विस्तार हुआ है। आज उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे अधिक टेलीकंसल्टेशन देने वाला राज्य बन चुका है। यही नेटवर्क अब एआई आधारित क्लिनिकल निर्णय को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में एआई आधारित क्लिनिकल डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (सीडीएसएस) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और टेलीमेडिसिन सेवाओं में डॉक्टरों को इलाज के निर्णय लेने में मदद कर रहा है। यह सिस्टम मरीज के लक्षण, पूर्व इतिहास और उपलब्ध डाटा के आधार पर इलाज के विभिन्न विकल्प बताता है। इससे न केवल इलाज की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है, बल्कि अधिक मरीजों वाले अस्पतालों में डॉक्टरों पर पड़ने वाला दबाव भी कम हो रहा है।

सीएम योगी का मानना है कि एआई डॉक्टर की जगह नहीं ले सकता, बल्कि उसे और सशक्त बनाता है। इसी सोच के तहत प्रदेश में एआई को सहायक उपकरण के रूप में अपनाया जा रहा है।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की महानिदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि प्रदेश में टीबी से पीड़ित मरीजों की संख्या ठीक-ठाक है।

कांग्रेस का मनरेगा को 'खत्म' करने के खिलाफ प्रदर्शन, देशभर में रखेगी उपवास : अजय राय

लखनऊ,11 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को कहा कि देशभर में पार्टी कार्यकर्ता केंद्र सरकार के मनरेगा को खत्म करने और उसकी जगह दूसरी योजना लाने के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे और भूख हड़ताल करेंगे। उन्होंने दावा किया कि यह नई योजना गरीबों के हितों की रक्षा करने में नाकाम है। अजय राय ने मीडिया से बात करते हुए कहा, पूरे देश में हमारे कांग्रेस कार्यकर्ता महात्मा गांधी और भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं के नीचे विरोध प्रदर्शन करेंगे और उपवास रखेंगे। वे मनरेगा को खत्म करने और उसकी जगह 'जी राम जी' योजना लाने के लिए सरकार का विरोध करेंगे। आज हम सभी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे, उपवास रखेंगे और इन कामों के खिलाफ अपनी आवाज उठाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के इस कदम से ग्रामीण रोजगार और लाखों गरीब परिवारों की रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ा है। उन्होंने सरकार पर काम के अधिकार की गारंटी देने वाली कल्याणकारी योजनाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। अजय राय ने कहा कि कांग्रेस मजदूरों और हाशिए पर पड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़कों पर लोकतांत्रिक तरीकों से अपना आंदोलन जारी रखेगी।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महात्मा गांधी और डॉ बी.आर. अंबेडकर सामाजिक न्याय, समानता और गरीबों के अधिकारों के प्रतीक थे और उनकी प्रतिमाओं के सामने विरोध प्रदर्शन करने का मकसद उन मूल्यों के प्रति पार्टी की वैचारिक प्रतिबद्धता को दिखाना था।

उन्होंने आगे कहा कि यह मौन विरोध और उपवास, जिसे उन्होंने गरीबों के लिए बनी योजनाओं को व्यवस्थित तरीके से खत्म करना बताया, उस पर राष्ट्रीय ध्यान खींचने के लिए किया गया था।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को असम कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरपर्सन बनाए जाने पर अजय राय ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि वह पूरे देश की मास लीडर हैं। उनकी मौजूदगी और असर हर जगह दिखेगा - चाहे वह उत्तर प्रदेश हो, बंगाल हो, असम हो या केरल हो। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रियंका गांधी वाड्रा की भूमिका आने वाले चुनावों से पहले पार्टी के संगठनात्मक प्रयासों को मजबूत करेगी।

राय ने कहा कि प्रियंका गांधी की राजनीतिक गतिविधियों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ जुड़ाव ने पूरे राज्यों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई जान फूंक दी है और उनकी लीडरशिप कई इलाकों में पार्टी को फिर से बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

12 जनवरी को प्रियंका गांधी के जन्मदिन के मौके पर अजय राय ने कहा कि कांग्रेस पूरे राज्य और देश में बड़े पैमाने पर जश्न मनाने की योजना बना रही है। पूरे राज्य और देश में शानदार जश्न मनाया जाएगा। हमारी नेता शेरनी हैं और पूरा देश उनका जन्मदिन मनाएगा। उनकी लीडरशिप को पूरे देश में पहचाना जा रहा है। जरूरत पड़ने पर वह जहां भी काम करेंगी, हम सब उनका दिल से स्वागत करते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में लोक हारा और तंत्र जीता : तेजस्वी यादव

पटना,11 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर सत्ता पक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने चुनाव परिणाम को लेकर कहा कि पूरा देश कह रहा है कि हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में लोक हारा और तंत्र जीता। लंबे समय के बाद पटना पहुंचने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, जनतंत्र को धन-तंत्र और मशीनतंत्र बना दिया गया है। छल-कपट-प्रपंच और मशीनरी से प्राप्त जनादेश को जनता कितना स्वीकार कर रही है, यह सभी जानते हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हम शुरू से ही सकारात्मक राजनीति करते आए हैं, इसलिए सरकार गठन के 100 दिन तक नई सरकार की नीतियों, निर्णयों और कार्यक्रमों पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन लोगों के साथ सरकार के कार्यों की विवेचना करते रहेंगे।उन्होंने स्पष्ट लहजे में केंद्र और राज्य सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में अपराध, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, पलायन, शिक्षा, चिकित्सा और विधि व्यवस्था का क्या हश्र है, यह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि डबल इंजन सरकार अपने घोषणा पत्र पर अमल करे, जिसमें प्रदेश की 2.5 करोड़ महिलाओं को दो लाख रुपए देने का वादा था, एक करोड़ नौकरियों का प्रण था, हर जिले में चार-पांच बड़े उद्योग और फैक्ट्री लगाने समेत अनेक वादे थे।

उन्होंने कहा, इस चुनाव में पूर्व प्रत्येक विधानसभा में प्रत्यक्ष रूप से ये (150 करोड़) रुपए बांट सकते हैं, तो सरकार गठन के पश्चात नागरिकों की हर मांग हर परिस्थिति में पूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर पूछे गए एक सवाल पर कहा कि 100 दिन तक वे कुछ नहीं बोलेंगे।

आतिशी वीडियो विवाद: सीएम भगवंत मान का भाजपा पर गंभीर आरोप, कहा- फर्जी वीडियो से अशांति फैलाने की कोशिश

चंडीगढ़,11 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी के कथित अपमानजनक बयान से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा की ओर से लगातार यह मांग की जा रही है कि आतिशी माफी मांगे। इसी बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को इस पूरे मामले पर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए इसे धर्म के नाम पर नफरत फैलाने की साजिश करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर आतिशी के बयान की वीडियो को एडिट कर उसमें झूठे और भड़काऊ सबटाइटल जोड़कर सोशल मीडिया पर फैलाया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में आतिशी का जो वीडियो वायरल किया गया है, वह पूरी तरह से एडिटेड और फर्जी है। उन्होंने कहा कि आतिशी का कोई भी बयान विधानसभा के आधिकारिक रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं है। अगर ऐसा कोई बयान दिया गया होता, तो विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को इसकी पूरी जानकारी होती। फॉरेंसिक जांच में यह साफ हो चुका है कि आतिशी ने 'गुरु' शब्द का इस्तेमाल ही नहीं किया। इसके बावजूद भाजपा झूठी कहानी गढ़कर पंजाब में धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। सीएम मान ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम

पर नफरत की राजनीति कर रही है। वे पूरी तेजी से यह सब कर रहे हैं। पंजाब में लोगों को भड़काने और धार्मिक आधार पर समाज को बांटने की कोशिश की जा रही है। ऐसे शर्मनाक और गैर-कानूनी काम किए जा रहे हैं, जिनकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी ऐसी घटिया राजनीति की कड़ी निंदा करती है और इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी।

दरअसल, यह पूरा विवाद आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी से जुड़े एक वीडियो क्लिप को लेकर खड़ा हुआ है। यह वीडियो उस समय का बताया जा रहा है, जब दिल्ली विधानसभा में प्रदूषण जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर आप विधायकों ने जोरदार हंगामा किया था। इसी दौरान, माइक बंद होने के बावजूद आतिशी सदन में कुछ कहती नजर आ रही थीं। इसी वीडियो का एक छोटा-सा हिस्सा काटकर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया और आरोप लगाया गया कि उन्होंने सिख गुरुओं के खिलाफ अपमानजनक और ईशनिंदा वाली टिप्पणियां की हैं।

हालांकि, इस मामले में पंजाब की जालंधर पुलिस ने जांच के बाद स्पष्ट किया है कि वायरल किया गया वीडियो एडिटेड है। जालंधर पुलिस कमिश्नरेट के अनुसार, आतिशी का एडिटेड और डॉक्टर्ड वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड और सर्कुलेट करने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इकबाल सिंह की शिकायत के आधार पर यह एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि जानबूझकर वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई ताकि उसमें ऐसे शब्द और सबटाइटल जोड़े जा सकें जो आतिशी ने कहे ही नहीं।

40 साल की उम्र में अमरीश पुरी के करियर ने किया टेक ऑफ फिर बने बॉलीवुड के सबसे बड़े विलेन

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हुए हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए खास जगह बनाई। इनमें से एक नाम हमेशा याद रखा जाएगा, वह हैं अमरीश पुरी। अक्सर लोग सोचते हैं कि बड़े स्टार बनने के लिए बहुत कम उम्र में ही करियर की शुरुआत करनी पड़ती है, लेकिन अमरीश पुरी इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान करीब 40 साल की उम्र में बनाई और इसके बावजूद उन्होंने लगभग 400 फिल्मों में काम किया। उनके विलेन के किरदार आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं। अमरीश पुरी का जन्म 22 जून 1932 को पंजाब के नवांशहर शहर (अब भगत सिंह नगर) में हुआ था। उनके परिवार में पहले से ही एक्टिंग का रुझान था। उनके दो बड़े भाई, मदन पुरी और चमन पुरी पहले ही फिल्मी दुनिया में काम कर रहे थे। बचपन से ही अमरीश को एक्टिंग का शौक था और उन्होंने भी बड़े होकर फिल्मों में करियर बनाने का सपना देखा, लेकिन शुरुआत उनके लिए आसान नहीं थी।

22 साल की उम्र में अमरीश पुरी ने पहली बार स्क्रीन टेस्ट दिया। उन्हें उनकी आवाज और लुक की वजह से रिजेक्ट कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने इम्प्लॉइज स्टेट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन में नौकरी कर ली। सरकारी नौकरी के साथ-साथ उन्होंने थिएटर में भी एक्टिंग करना शुरू किया। स्टेज पर उन्होंने धीरे-धीरे अपनी कला दिखाई और कई लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस दौरान उन्हें संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड भी मिला। थिएटर में उनका अनुभव और मेहनत ही आगे चलकर उन्हें फिल्मी दुनिया में ले गई।

बॉलीवुड में अमरीश पुरी का पहला रोल 1971 में फिल्म 'रेशमा और शेरा' में आया, लेकिन यह छोटा और सामान्य किरदार था। इसके बाद उन्हें कुछ बड़े रोल मिले, लेकिन उनको असली पहचान 39-40 साल की उम्र में मिली। 'मिस्टर इंडिया' में मोगैम्बो का रोल उनके सबसे यादगार किरदारों में से एक था, हालांकि मोगैम्बो के रोल के लिए वह पहली पसंद नहीं थे। यह रोल पहले अनुपम खेर को ऑफर हुआ था, लेकिन उन्होंने इस ऑफर को रिजेक्ट कर दिया।

अमरीश ने मोगैम्बो के किरदार में इतनी जान डाली कि यह रोल बॉलीवुड के सबसे यादगार विलेन किरदारों में से एक बन गया।

इसके अलावा अमरीश पुरी ने 'नगीना', 'लोहा', 'सौदागर', 'गदर', और 'नायक' जैसी फिल्मों में भी दमदार किरदार निभाए। हर किरदार में उन्होंने अलग अंदाज दिखाया। उनकी आवाज, बॉडी और स्क्रीन पर आने वाली मौजूदगी ने दर्शकों को डर भी दिया और प्रेरित भी किया। उनका अंदाज इतना खास था कि हॉलीवुड के महान निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग भी उनके काम से प्रभावित हुए। उन्होंने अमरीश को 'इंडियाना जोन्स एंड द टेम्पल ऑफ डूम' के लिए कास्ट किया।

अमरीश पुरी को उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए कई पुरस्कार भी मिले। उन्होंने फिल्मफेयर अवॉर्ड जैसी प्रतिष्ठित मान्यताओं को अपने नाम किया। इसके अलावा, निजी जीवन में उनका शौक लोगों को हैरान करता था। उन्हें टोपियों का बहुत शौक था और उनके पास 200 से ज्यादा हैट्स का कलेक्शन था।

अमरीश पुरी ने आखिरी बार फिल्म 'किसना: द वॉरियर पोएट' में काम किया। उनका देहांत 2005 में हुआ, लेकिन उनके किरदार, डायलॉग और अंदाज आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं।

अगर फिल्में लोगों को संस्कृति और मूल्यों से जोड़ती हैं, वही सिनेमा की असली जीत है: रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा हमेशा अपने जड़ों से जुड़े रहने और अपनी संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हैं। वह उन कलाकारों में से हैं जो ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं। उनका मानना है कि भाषा, संस्कृति और जड़ें किसी भी व्यक्ति के लिए कोई रोक नहीं हैं, बल्कि ये उसकी ताकत और पहचान बनाती हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब हम अपने मूल्यों और संस्कृति को समझते हैं और उन्हें अपनाते हैं, तो हमारे सोचने का नजरिया और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल जाता है। रणदीप हुड्डा अब उन कहानियों से जुड़ रहे हैं जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी संस्कृति को सामने लाती हैं।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि ''मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं जो दिखावटी न हों, बल्कि जिंदगी की सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखें। आज के दौर में जब सब कुछ तेज और चमकदार होता जा रहा है, तब सिनेमा का काम लोगों को ठहरकर सोचने का मौका देना भी है। गांव, मिट्टी, रिश्ते और संघर्ष से निकली कहानियां दर्शकों के दिल में ज्यादा देर तक रहती हैं। ऐसी फिल्मों में काम करना एक अभिनेता को और बेहतर बनाता है, क्योंकि यहां अभिनय के साथ-साथ संवेदनशीलता भी जरूरी होती है।''

उन्होंने कहा, ''मैं अपने करियर में संख्या से ज्यादा गुणवत्ता पर ध्यान दे रहा हूं। हर फिल्म मेरे लिए एक सीख होती है, जो न सिर्फ एक कलाकार, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी मुझे आगे बढ़ाती है। जब मैं अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियों का हिस्सा बनता हूं तो दर्शक भी खुद को उस कहानी में देख पाते हैं।''

बातचीत के दौरान रणदीप हुड्डा ने कहा, ''सिनेमा समाज को आईना दिखाने का काम करता है। अगर फिल्में लोगों को अपनी पहचान, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने में सफल होती हैं, तो वही सिनेमा की असली जीत है। यही सोच मुझे बार-बार ऐसी कहानियों की ओर खींचती है, जो सरल होते हुए भी गहरी छाप छोड़ जाती हैं।''

गेस्ट और दर्शकों को दिल से कनेक्ट करेगा रश्मि देसाई का नया शो

टेलीविजन धारावाहिक 'उतरन' में तपस्या ठाकुर बनकर दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली रश्मि देसाई अब चैट शो के जरिए छाने वाली हैं। अभिनेत्री का नया शो 'रश्मि दिल से दिल तक' सोशल मीडिया पर बहुत पसंद किया जा रहा है और अभी तक शो में आरती सिंह और पारस छाबड़ा, सुरभि चांदना और उनके पति करण शर्मा को देखा जा चुका है। अब रश्मि ने अपने शो के बारे में खुलकर बात की है। अपने शो के टाइटल पर बात करते हुए रश्मि ने कहा कि पहले नहीं पता था कि ये टाइटल मेरे लिए ही बना है। पहले मेरा 'दिल से दिल तक' टीवी सीरियल भी आया था और अब ये चैट शो। ये टाइटल मेरे दिल के बहुत करीब है और इसका मतलब है, 'दिल से दिल की बात।' शो में आया हर गेस्ट अपने दिल की बात करेगा। हम सिर्फ अपने पसंदीदा अभिनेताओं या अभिनेत्रियों को सिर्फ स्क्रीन तक जानते हैं, लेकिन अब दर्शकों को उनकी निजी जिंदगी के बारे में जानने का मौका मिलेगा। 'रश्मि दिल से दिल तक' बाकी चैट शो से कैसे अलग है, के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि ये शो बाकी शोज की तरह ही है, लेकिन मेरे शो में आपको उन संघर्षों और कहानियों के बारे में जानने को मिलेगा, जो और कहीं नहीं मिला है। हर किसी की अपनी कहानी होती है और कैमरे के सामने बोल पाना भी हिम्मत की बात होती है। यहां आने वाला हर गेस्ट अपनी हिम्मत और मेहनत के बलबूते पर यहां तक पहुंचा है और रोज अपनी लड़ाई लड़ता है। लेकिन, कोई उसके बारे में नहीं जानता।उन्होंने कोविड का जिक्र करते हुए कहा कि कोविड एक ऐसा समय था जब हम सब घर के अंदर थे और डिप्रेशन लोगों पर हावी होने लगा था। कोविड के दौरान मेंटल हेल्थ पर बात की गई। ऐसे ही हर स्टार की जिंदगी की एक कहानी होती है, जिसके बारे में किसी को नहीं पता है। नहीं पता कि वो किस दौर से गुजर रहा है और कैसा फील कर रहा है। ऐसे में इस मंच के जरिए हम उनके बारे में सब कुछ जानेंगे, उनकी मेहनत से लेकर खामियों तक। हम आने वाले गेस्ट की पूरी रिसर्च करते हैं ताकि उन्हें अपनापन महसूस हो और वे अपने दिल की बात को कह सकें।

फिजिकल के साथ मेंटल हेल्थ भी जरूरी : अदा शर्मा

बताया क्या करने से तेज होगा दिमाग, मन होगा शांत

अभिनेत्री अदा शर्मा हेल्थ को लेकर जागरूक रहती हैं और उनका मानना है कि फिजिकल के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी ध्यान देना जरूरी है। आमतौर पर इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके परिणाम बेहद खराब होते हैं। अदा का मानना है कि दिमाग को भी वर्कआउट की जरूरत पड़ती है। कुछ वर्कआउट को वह खुद पर भी लागू करती हैं। मेंटल हेल्थ आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। तनाव, चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। विशेषज्ञ भी कहते हैं कि दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान, योग, पजल्स और ब्रेन एक-सरसाइज बहुत फायदेमंद हैं। अदा शर्मा ने बातचीत में मेंटल हेल्थ के महत्व पर खुलकर चर्चा की। आज के व्यस्त जीवन में जहां लोग जिम जाकर शरीर को फिट रखने पर जोर देते हैं, वहीं अदा ने जोर दिया कि दिमाग की सेहत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छी सेहत के लिए सिर्फ फिजिकल हेल्थ ही नहीं, बल्कि मेंटल हेल्थ भी उतनी ही जरूरी है।

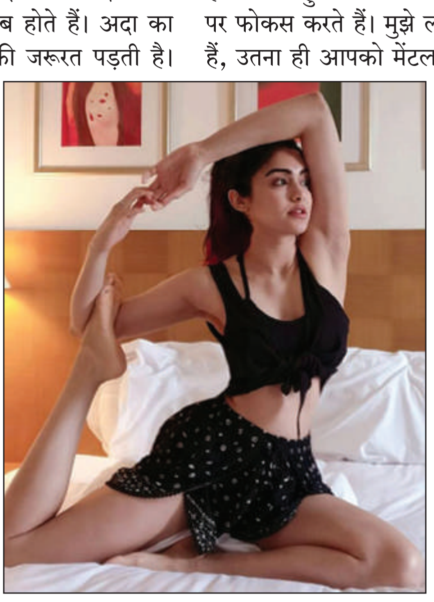

अदा शर्मा ने बताया, निश्चित रूप से हेल्थ एक बहुत महत्वपूर्ण चीज है। अगर हेल्थ अच्छी नहीं है तो आप काम ही नहीं कर पाएंगे। लेकिन यह समझना जरूरी है कि सिर्फ फिजिकल हेल्थ ही जरूरी नहीं है। फिजिकल हेल्थ अच्छी रखने के लिए आपकी मेंटल हेल्थ मजबूत होना भी बहुत आवश्यक है। हालांकि, आमतौर पर लोग केवल फिजिकल हेल्थ पर फोकस करते हैं। मुझे लगता है कि जितना आप फिजिकल हेल्थ पर ध्यान देते हैं, उतना ही आपको मेंटल हेल्थ पर भी ध्यान देना चाहिए। दिमाग को वर्कआउट की जरूरत पड़ती है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किए हेल्थ पोस्ट का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने वहां कई ब्रेन टीजर्स पोस्ट किए हैं, जो दिमाग के लिए चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद हैं। अदा ने एक हाथ से धीरे-धीरे और दूसरे हाथ से तेजी से थपथपाने वाले वीडियो का उदाहरण दिया। इसी तरह, एक हाथ से गोल घुमाना और दूसरे हाथ से चौकोर आकार बनाना। ये व्यायाम ब्रेन के लेफ्ट और राइट दोनों हिस्सों को सक्रिय करते हैं। अभिनेत्री का मानना है कि दिमाग को मजबूत रखना जीवन की सफलता के लिए जरूरी है। सभी को सलाह है कि ब्रेन को नियमित रूप से चुनौती दें, ताकि वह मजबूत बना रहे। कुछ आसान व्यायाम घर पर ही किए जा सकते हैं और इनका कोई खर्च नहीं है।

'द केरल स्टोरी' फेम अदा ने इसे सरल भाषा में समझाते हुए कहा, शरीर में बाइसेप्स, ट्राइसेप्स, हैमस्ट्रिंग जैसी मसल्स होती हैं। आप हर मांसपेशी पर काम करते हैं। अगर आप सिर्फ बाइसेप्स बनाएंगे और हैमस्ट्रिंग कमजोर रहेगी, तो हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई तो बाइसेप्स की ताकत का कोई फायदा नहीं होगा। इसी तरह, आपको अपने ब्रेन पर भी काम करना चाहिए।

बुधादित्य योग में सूर्य-बुध दिलाएंगे सिंह, तुला और मकर सहित अन्य राशियों को सफलता

आज यानी 12 जनवरी, सोमवार को सूर्य और बुध की युति धनु राशि में होने से बुधादित्य योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिष में यह योग बुद्धि, आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता को मजबूत करने वाला माना जाता है। इस योग के प्रभाव से कई लोगों को करियर में नए अवसर मिलेंगे, आर्थिक सफलता प्राप्त होगा और मान-सम्मान बढ़ेगा। यह योग सिंह, तुला और मकर जैसी राशियों के लिए लाभकारी सिद्ध होने वाला है। आइए जानते हैं कि बुधादित्य योग राजयोग के प्रभाव में रविवार का दिन सभी 12 राशियों के करियर के लिए कैसा रहने वाला है।

मेष राशि –बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। किसी कारण आज आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है। कई लोगों के लिए दिन भर आलस का माहौल रहेगा। आपकी परेशानी का कारण छोटी मोटी टेंशन है। शाम को घर में अधिक समय बिताने से घरवालों को अच्छा लगेगा।

वृषभ राशि –दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। प्रोफेशनल मामले में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। इन्वेस्टमेंट के मामले में आज फायदा उठाया जा सकता है।

मिथुन राशि –आज का दिन एक्साइटमेंट से भरा है, दोपहर तक कोई टेलीफोन कॉल के जरिये किसी खास मामले में जानकारी दे सकता है। स्टूडेंट अपना ज्यादा से ज्यादा ध्यान पढ़ाई में लगाएं तो फायदा मिलेगा। बिजनेसमैन अपने धंधे में नई तकनीक अपना सकते हैं।

कर्क राशि –आज का दिन आपके लिए स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा। आज कोई रिस्क वाला कदम न उठाएं। परिवार में मौजूद आपके विरोधी फिलहाल कुछ समय तक सिर नहीं उठा पाएंगे।

सिंह राशि –दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो तो

फौरन आगे बढ़ें फायदा जरूर होगा। रिश्तेदारों से पुराने गिले शिकवे दूर करने का समय है। दोस्तों के साथ रहने से फायदा हो सकता है। किसी कारण घरवालों से बहसबाजी होगी।

कन्या राशि –आज आपका दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा और इसकी खुशी होगी। पुराने समय से चली आ रही टेंशन भी कम हो जाएगी। अगर आप दूसरों की मदद करेंगे तो आपकी मदद करने वाले भी आएंगे। ईमानदारी से जो काम करेंगे वह फलदायक रहेगा।

तुला राशि –आपको दिन के पहले हिस्से में फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेनदेन और बिजनेस में खतरा हो सकता है। हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है। रोमांस के मामले में भी आज अच्छा दिन है, खर्च जरूर थोड़ा बढ़ सकता है।

वृश्चिक राशि –दिन के पहले हिस्से में मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक मुनाफे के कई मौके आएंगे। घूमने फिरने के मौके जब भी आते हैं आप हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसा ही मौका आज शाम को भी है। पार्टी में किसी अच्छे और असरदार लोगों से मेल मुलाकात होगी और कोई खास काम की चिंता भी खत्म होगी।

धनु राशि –आज आपका टाइम अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी होंगी। घूमने फिरने से कोई जरूरी काम बन सकता है। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है। फाइनेन्स से जुड़े कामों में अनुभवी लोगों की सलाह लेना फायदेमंद होगा।

मकर राशि –आज आपकी किसी से अनबन न हो इस बात का ध्यान रखें। कामकाज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनेस में मुनाफे की आशा रहेगी और शादीशुदा जिंदगी में भी कामयाब होगी। दिन भर काम करने लायक बहुत से काम हैं लेकिन किसे करना है और किसे नहीं यह आपको सोचना है।

कुंभ राशि –आज टीमवर्क से काम करने वाला दिन है। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। बातचीत से कोई नया फायदे का आइडिया आ सकता है। दोस्त के लिए तोहफा खरीदते वक्त आपकी जेब का ख्याल रखें।

मीन राशि –आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। आहिस्ता आहिस्ता आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है। कोशिश जारी रखें तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं शायद यह संघर्ष का आखिरी दौरा होगा। बाहर फिजूलखर्ची करने के बजाय घरवालों के साथ समय गुजारें क्योंकि आज आपके खर्च वैसे ही ज्यादा होंगे।

त्रिवेणी संगम में स्नान, दर्शन, स्पर्श और जल सेवन का पुण्य है अमोघ

तीर्थराज प्रयागराज का महात्म्य और माघ मेले की महिमा शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है। तीर्थों के राजा कहलाने वाले प्रयागराज का अपना वैदिक, शास्त्रोक्त और अध्यात्मिक महत्व है। जब दूर-दराज के भक्त तीर्थराज प्रयागराज पहुंचते हैं तो वे देखते हैं कि यहां गंगा और यमुना मइया प्रत्यक्ष हैं, लेकिन सरस्वती मइया विलुप्त हैं। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का मिलन त्रिवेणी संगम कहलाता है। मां सरस्वती की धारा श्रद्धालुओं को दिखती नहीं है, परन्तु मां सरस्वती का ज्ञान विद्व-तजनों की वाणी से प्रस्फुटित होता है। यहां जो भी कथा, प्रवचन, सत्संग आदि विद्वतगण, आचार्य, संत बोलते हैं, वह सरस्वती की वाणी ही है। गंगा, यमुना प्रत्यक्ष हैं और मां सरस्वती वाणी के रूप में तीर्थराज प्रयागराज में विद्यमान हैं।

हालांकि यहां की मान्यता है कि पाताल लोक से सरस्वती का मिलन आज भी गंगा और यमुना से हो रहा है। चाहें कथा श्रवण हो, चाहें भागवत अथवा गीता, पुराण आदि की चर्चा, यज्ञों के मंत्र, आचार्यों की सूक्तियां, ये सब मां सरस्वती का ज्ञान ही है, जो दूर-दराज से आए हुए लोगों का कल्याण करता है। जो भी व्यक्ति यहां पर आकर इन पवित्र देवतुल्य नदियों में स्नान करता है, चाहें किसी विशिष्ट पर्व के दौरान करता है अथवा बिना पर्व के करता है, उसे लाभ अवश्य मिलता है, परिस्थितियां समय की होती हैं, पर्व का विशेष फल प्राप्त होता है। यहां पर संगम स्नान पापों का क्षय करने वाला माना जाता है।

त्रिवेणी संगम स्नान, स्पर्श, दर्शन का है अमोघ फल

गंगा सहित यमुना, सरस्वती के संगम में स्नान करने का सौभाग्य बड़े पुण्य से ही प्राप्त होता है। संत बताते हैं कि संगम का दर्शन करना विशेष फलदायी होता है, त्रिवेणी संगम के जल का स्पर्श करना भी विशेष फलदायी होता है, एक बूंद जल भी अगर जिह्वा पर आ जाए तो वह अनन्त गुणा फलदायी है। संत आगे बताते हैं कि चाहें हम संगम में स्नान कर लें, चाहें आचमन कर लें अथवा चाहें संगम में हम प्रणाम कर लें, शुभफल हमको अवश्य मिलेगा। जरूरी नहीं है कि हम जाकर डुबकी लगाऐंगे, तभी हमें फल मिलेगा। एक बार डुबकी लगाने से मनोवृत्ति बदल जाती है। जब भी कोई व्यक्ति यहां स्नान करता है और पवित्र मन से हर हर गंगे का स्मरण करता है, तो वह अन्दर से भी शुद्ध हो जाता है और बाहर से भी, यही तीर्थराज प्रयागराज की अद्भुत महिमा है।

18 साल बाद केतु का नक्षत्र परिवर्तन, तीन राशियों के जीवन में खुलेंगे सौभाग्य के नए द्वार

केतु का नक्षत्र परिवर्तन क्यों है खास

साल 2026 की शुरुआत ज्योतिषीय घटनाओं के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जनवरी महीने के अंत में केतु अपनी चाल में बड़ा बदलाव करने जा रहा है, जिसे ज्योतिष में दुर्लभ और प्रभावशाली माना जाता है। केतु को छाया ग्रह कहा जाता है, जिसका भौतिक स्वरूप भले न हो, लेकिन इसका प्रभाव जीवन के गहरे पहलुओं पर पड़ता है। यह ग्रह अचानक होने वाले बदलाव, सोच में परिवर्तन, भाग्य के उतार-चढ़ाव और आध्यात्मिक झुकाव से जुड़ा होता है। कई बार केतु बिना संकेत दिए जीवन की दिशा ही बदल देता है।

25 जनवरी 2026 को क्या होगा बदलाव

ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 25 जनवरी 2026 को केतु पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय पद से निकलकर प्रथम पद में प्रवेश करेगा। लंबे समय बाद होने वाला यह परिवर्तन कई राशियों के लिए नए अवसर लेकर आ सकता है। इस स्थिति में केतु व्यक्ति को दिखावे और भ्रम से दूर रखकर वास्तविकता की ओर ले जाने वाला माना जाता है। यही कारण है कि इस गोचर को आत्ममंथन और सही दिशा

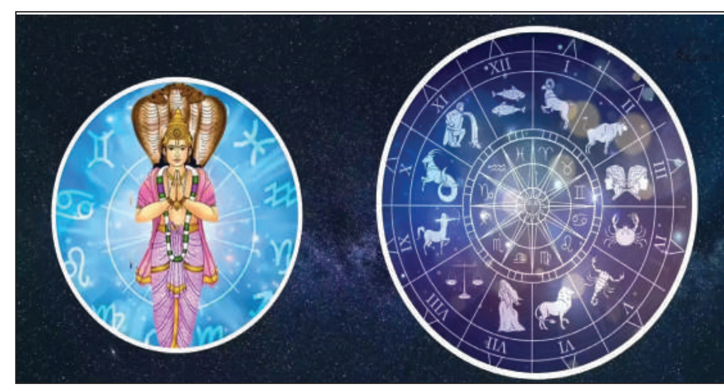

चुनने का समय भी कहा जा रहा है।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए केतु का यह नक्षत्र परिवर्तन भाग्य को मजबूती देने वाला साबित हो सकता है। करियर से जुड़े मामलों में लंबे समय से किए जा रहे प्रयास अब रंग लाते दिखाई देंगे। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे भविष्य की दिशा स्पष्ट होगी। आर्थिक रूप से भी स्थिति में सुधार के संकेत हैं और पुराने फैसलों का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है। पारिवारिक जीवन में चल रही उलझनें धीरे-धीरे सुलझेंगी और मन में स्थिरता का एहसास बढ़ेगा।

कन्या राशि – कन्या राशि वालों के लिए यह गोचर धन और पेशेवर जीवन दोनों में नई संभावनाएं खोल सकता है। कामकाज में आ रही रुकावटें दूर होंगी और मेहनत का सही मूल्य मिलने लगेगा। जिन लोगों को लंबे समय से आर्थिक असंतुलन महसूस हो रहा था, उनके लिए यह समय राहत भरा हो सकता है। मानसिक रूप से भी यह दौर मजबूत रहने वाला है, जिससे आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। रिश्तों में स्पष्टता आएगी और निजी जीवन में संतुलन महसूस किया जा सकेगा।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों के लिए केतु का नक्षत्र परिवर्तन अचानक मिलने वाले अवसरों का संकेत दे रहा है। करियर में नई दिशा तय हो सकती है और लंबे समय से रुके काम आगे बढ़ने लगेंगे। शिक्षा, रिसर्च या दूर स्थानों से जुड़े प्रयासों में सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। इस दौरान मानसिक स्पष्टता बढ़ेगी और पुराने संदेह या भ्रम दूर होंगे। जीवन को देखने का नजरिया पहले से ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित बनता नजर आएगा।

सभी राशियों पर रहेगा प्रभाव

भले ही केतु का यह परिवर्तन कुछ खास राशियों के लिए ज्यादा अनुकूल बताया जा रहा हो, लेकिन इसका असर सभी बारह राशियों पर किसी न किसी रूप में जरूर पड़ेगा।

यह समय जीवन में गैरजरूरी चीजों को छोड़ने, सही फैसले लेने और भीतर की आवाज को समझने का संकेत देता है।

साल 2026 की शुरुआत में नया संकेत

जनवरी 2026 के अंत में होने वाला यह ज्योतिषीय बदलाव कई लोगों के लिए आत्मचिंतन और नई शुरुआत का कारण बन सकता है।

मेष, कन्या और धनु राशि के जातकों के लिए यह समय विशेष रूप से अनुकूल माना जा रहा है, जहां भाग्य के साथ-साथ सोच और दिशा में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है।

आत्मा की निरंतर यात्रा को समझें, जिससे आगामी जन्म दुःख मुक्त हो

मनुष्य जब जीवन को केवल संग्रह की दृष्टि से देखने लगता है, तब वह यह भूल जाता है कि धन उसका स्वामी नहीं, बल्कि एक साधन है। मोह की यही भ्रांति उसे कंजूसी, निर्दयता और आत्मकेंद्रितता की ओर ले जाती है।

एक बार देवऋषि नारद यात्रा पर निकले। मार्ग में चलते हुए उनकी दृष्टि एक मिठाई की दुकान पर पड़ी। दुकान के समीप जूठी पत्तलों का ढेर लगा हुआ था, जिन पर मिठाइयों के अवशेष पड़े थे। उसी समय एक भूखा कुत्ता उन जूठी पत्तलों को खाने की आशा में धीरे-धीरे दुकान के पास आया। जैसे ही कुत्ता पत्तलों के निकट पहुंचा, दुकान के मालिक ने उसे निर्दयता से डंडा मार दिया। पीड़ा से कराहता हुआ कुत्ता वहां से भाग गया। यह दृश्य देखने वालों के लिए साधारण प्रतीत हो सकता था, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह कर्मफल के गूढ़ सत्य को प्रकट कर रहा था। देवऋषि नारद ने इस दृश्य को देखकर मुस्कान प्रकट की। इसका कारण यह था कि यह घटना पूर्व जन्म के कर्मों का परिणाम थी। पूर्व जन्म में यही मिठाई की दुकान एक अत्यंत कंजूस व्यक्ति की थी। उसने अपने जीवन में अपार धन एकत्र किया, परंतु कभी दान, सेवा या करुणा का भाव नहीं अपनाया। उसका संपूर्ण जीवन केवल संग्रह और स्वार्थ में ही व्यतीत हो गया। उसी स्वार्थपूर्ण जीवन के फलस्वरूप उसे इस जन्म में कुत्ते की योनि प्राप्त हुई। विडंबना यह थी कि जिस पुत्र और संपत्ति के लिए उसने अपने मानव जीवन में अथक परिश्रम किया था, वही पुत्र इस जन्म में उसका तिरस्कार कर रहा था। उसे न केवल भोजन से वंचित किया गया, बल्कि अपमान और पीड़ा भी सहनी पड़ी। यह कथानक इस सत्य को स्पष्ट करता है कि मोह में किया गया कर्म अंततः दुःख का कारण बनता है।

जीवन का उद्देश्य केवल धन-संचय नहीं, बल्कि सद्कर्म, दान और करुणा के साथ जीवन जीना होना चाहिए। जो मनुष्य अपने वर्तमान कर्मों को शुद्ध करता है, वही अपने भविष्य और आने वाले जन्मों को भी उज्ज्वल बनाता है। जब जीवन केवल 'मेरा' और 'मेरे लिए' तक सीमित रह जाता है, तब शरीर में विद्यमान आत्मा अपने आगे के जन्मों का कल्याण नहीं कर पाती है। मनुष्य का सबसे बड़ा बंधन उसका मोह है, विशेषकर धन और अपनों के प्रति आसक्ति। स्वार्थपूर्ण कर्मों का फल आत्मा को जन्म-जन्मांतर तक भोगना पड़ता है।

माघ कृष्ण की नवमी तिथि जानें शुभ मुहूर्त और राहुकाल

सनातन धर्म में किसी भी दिन की शुरुआत या शुभ कार्य से पहले पंचांग का विचार किया जाता है। पंचांग के अनुसार 12 जनवरी को सोमवार, माघ माह की कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि है। यह दिन भगवान शिव की उपासना के लिए विशेष महत्व रखता है। पंचांग के पांच अंगों- तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण का विचार अनिवार्य माना जाता है। इन्हीं के आधार पर शुभ मुहूर्त, राहुकाल समेत अन्य योगों का निर्धारण होता है, जो कार्य की सफलता और कल्याण सुनिश्चित करते हैं। विक्रम संवत 2082 (कालयुक्त) और शक संवत 1947 (विश्वावसु) चल रहा है। नवमी तिथि शाम 12 बजकर 42 मिनट तक रहेगी, उसके बाद दशमी शुरू हो जाएगी। स्वाती नक्षत्र शाम 9 बजकर 5 मिनट तक रहेगा, फिर विशाखा नक्षत्र प्रारंभ हो जाएगा। योग की बात करें तो धृति शाम 6 बजकर 12 मिनट तक है, उसके बाद शूल योग शुरू होगा। वहीं, चंद्रमा तुला राशि में संचरण करेंगे। सूर्योदय 7 बजकर 15 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 44 मिनट पर होगा। शुभ कार्यों के लिए ये दिन सामान्य है, लेकिन राहुकाल का विशेष ध्यान रखें। राहुकाल सुबह 8 बजकर 34 मिनट से 9 बजकर 52 मिनट तक रहेगा। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य न करें। राहुकाल के अलावा अन्य समय में शुभ मुहूर्त लेकर कार्य संपन्न किए जा सकते हैं।

दिन की बात करें तो सोमवार भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। सोमवार को भोलेनाथ की विधिपूर्वक पूजा करने से जीवन के दुख दूर होते हैं, मनोकामनाएं पूरी होती हैं और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

बाबा विश्वनाथ की पूजा के लिए सोमवार की सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। घर में या मंदिर में शिवलिंग की ओर मुख करके विधि विधान से पूजा करें। इसके लिए सबसे पहले शिवलिंग पर पंचामृत यानी जल, दूध, शहद, घी और दही से अभिषेक करें। इसके बाद बाबाजी को बेलपत्र, आक के फूल, धतूरा और भांग चढ़ाएं।

इत्र, अबीर-बुक्का, भस्म, कुमकुम, अक्षत और पुष्प अर्पित करें। धूप-दीप जलाएं और फल-मिठाई का भोग लगाएं। पूजने के बाद ओम नमः शिवाय, सांब सदा शिवाय नम: मंत्र का जाप करें और शिव चालीसा या रुद्राष्टक का पाठ करें। अंत में आरती कर भगवन का आशीर्वाद प्राप्त करें। पूजा से महादेव प्रसन्न होते हैं और भक्त को शांति, स्वास्थ्य तथा धन-धान्य की प्राप्ति होती है।

मंदिर में गुप्त रूप से दान करें ये तीन वस्तुएं जीवन में आएगा सुख-समृद्धि का प्रवाह

सनातन परंपरा में दान को केवल पुण्य ही नहीं, बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम भी माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि जब दान बिना दिखावे और अपेक्षा के किया जाता है, तो उसका फल कई गुना बढ़ जाता है। इसी कारण गुप्तदान को महादान की श्रेणी में रखा गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ विशेष वस्तुएं ऐसी हैं, जिनका मंदिर में चुपचाप दान करने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और सुख-समृद्धि का मार्ग खुलता है।

माचिस का गुप्त दान क्यों माना जाता है शुभ

वास्तु मान्यताओं के अनुसार माचिस अग्नि तत्व से जुड़ी वस्तु है और अग्नि ऊर्जा, साहस व निर्णय क्षमता का प्रतीक मानी जाती है। मंदिर में बिना किसी को बताए माचिस का दान करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में रुके हुए कार्यों को गति मिलती है। विशेष रूप से यह दान उन लोगों के लिए शुभ माना जाता है जो लंबे समय से संघर्ष या अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हों। ऐसा माना जाता है कि इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और नए अवसर मिलने लगते हैं।

झाड़ू का दान और मां लक्ष्मी का संबंध

मंदिर में साफ-सफाई के लिए उपयोग होने वाली झाड़ू का गुप्त दान वास्तु में विशेष महत्व रखता है। झाड़ू को दरिद्रता दूर करने और समृद्धि लाने का प्रतीक माना गया है। जब कोई व्यक्ति चुपचाप झाड़ू का दान करता है, तो उसके घर से आर्थिक तंगी और कलह दूर होने लगती है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार यह दान मां लक्ष्मी की कृपा बनाए रखने में सहायक होता है और घर में स्थायी सुख-शांति आती है।

लोटा दान से मिलता है मानसिक और पारिवारिक संतुलन

धातु से बने लोटे का दान विशेष रूप से शिव मंदिर में अत्यंत शुभ माना गया है। लोटा पवित्रता, शांति और संतुलन का प्रतीक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार गुप्त रूप से लोटा दान करने से मानसिक तनाव कम होता है और पारिवारिक जीवन में स्थिरता आती है। यह दान व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मान्यता है कि इससे आर्थिक बाधाएं भी धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं। वास्तु के अनुसार, जब दान श्रद्धा और विनम्रता के साथ किया जाता है, तो उसका प्रभाव केवल भौतिक सुख तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक सोच भी विकसित होती है। मंदिर में किया गया गुप्तदान व्यक्ति के जीवन में संतुलन, समृद्धि और सौहार्द बनाए रखने में सहायक माना जाता है।

संपादकीय

बादशाहत पर चोट से तिलमिलाहट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पोन-रूस के बीच युद्ध रोकने के लिए फिर एक बार टैरिफ को ही हथियार बनाने की रणनीति अपनाई है। ट्रंप की वही पुरानी नीति है कि जो देश रूस से तेल खरीदते हैं वे मास्को को पोन से युद्ध लड़ने के लिए आर्थिक ताकत देते हैं। अब ट्रंप ने अपने एक सीनेटर लिंडसे ग्राहम की इस रणनीति को विधिक कलेवर देने के उद्देश्य से कानून बनाने का समर्थन किया है कि जो भी देश रूस से तेल खरीदेगा उस पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकेगा। दरअसल अभी तक ट्रंप ने भारत या अन्य देशों के खिलाफ जो टैरिफ लगाया था, वह उनके इमरजेंसी पावर के प्रावधानों के तहत एक कार्यकारी कार्रवाई थी। अमेरिका कुछ सांसदों और प्रवासी भारतीय नागरिकों ने ट्रंप के इसी कार्यकारी कार्रवाई के आधार यानि इमरजेंसी शक्ति को वहां के सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में ट्रंप ने तमाम कुतर्क पेश किया ताकि अपील ही खारिज हो जाए किन्तु सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ कार्रवाई के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी करते हुए मामले को सुनवाई योग्य माना। तिलमिलाए ट्रंप के वकीलों ने एक हास्यास्पद दलील यह भी दी थी कि टैरिफ के डर से ही भारत और पाकिस्तान ने युद्ध विराम की घोषणा कर दी। मतलब यह कि अब सुप्मी कोर्ट का फैसला आने वाला है। जाहिर सी बात है कि यदि ट्रंप की इस टैरिफ कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी तरह का फैसला दिया तो न सिर्फ ट्रंप की किरकिरी देश में होगी बल्कि दुनिया भर में उनकी विश्वसनीयता प्रभावित होनी तय है। यही कारण है कि उनके समर्थक सीनेटर ने उन्हें सलाह दी कि अंतर्राष्ट्रीय किरकिरी होने की काट के लिए 'आर्फेस इज द बेस्ट डिफेंस' का फार्मूला अपनाना चाहिए। सच तो यह है कि 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने के लिए ट्रंप ने भले ही भारत, चीन और ब्राजील के खिलाफ रणनीति पर विचार किया हो किन्तु सच तो यह है कि भारत जब से ब्रिक्स यानि ब्राजील, रूस इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका सदस्य देशों के संगठन का अध्यक्ष बना है और व्यापार को अपनी मुद्रा में करने की रणनीति अपनाई है तब से अमेरिका को अपने डालर की बादशाहत डगमगाने की आहट सुनाई पड़ने लगी है। ट्रंप को पोन से कुछ भी लेना नहीं है। यह उनकी धूर्तता का परिचायक है जब वह कहते हैं कि भारत, चीन, ब्राजील जैसे देश तेल खरीद कर रूस को पोन से युद्ध लड़ने के लिए धन देकर समर्थ बना रहे हैं। वास्तविकता तो यह है कि ये सभी देश रूस तेल खरीदने के लिए जो भुगतान करते हैं वह या तो रूसी मुद्रा में होती है अथवा उनकी अपनी मुद्रा में। डालर को विनिमय के लिए ये तीनों देश इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। डालर और परमाणु बम वाले इस देश को लगता है कि जब उसके डालर को इसी तरह एक-एक करके देश छोड़ते जाएंगे तो अमेरिका की धमक अपने आप ही कम हो जाएगी। अमेरिका चाहता है कि ब्रिक्स उसके डालर को निशाना न बनाए और न ही भारत, चीन और ब्राजील विनिमय में रूसी या अपनी मुद्रा अपनाएं। ट्रंप वेनेजुएला से भी इसलिए नाराज थे कि वह चीन से तेल चीनी मुद्रा में लेता था। बहरहाल ब्रिक्स देशों में भारत ही एक ऐसा देश है जिसने डालर मुक्त व्यापार का खुलकर पिछले सम्मेलन में समर्थन नहीं किया जो ब्राजील में हुआ था। लेकिन ट्रंप ने इतना परेशान कर दिया है कि ब्रिक्स के मौजूदा अध्यक्ष भारत, अमेरिका के चिरपरिचित प्रतिद्वंद्वी चीन, रूस और ब्राजील ब्रिक्स की कोई मुद्रा जारी करने पर विचार करेंगे या नहीं, डालर का भविष्य इसी पर निर्भर करेगा। रही ट्रंप के 500 प्रतिशत टैरिफ की बात तो भारत कंज्यूमर आधारित अर्थव्यवस्था होने के कारण अमेरिका के टैरिफ के हर प्रहार को बर्दाश्त करने में सक्षम है।

ट्रंप की वही पुरानी नीति है कि जो देश रूस से तेल खरीदते हैं वे मास्को को पोन से युद्ध लड़ने के लिए आर्थिक ताकत देते हैं। अब ट्रंप ने अपने एक सीनेटर लिंडसे ग्राहम की इस रणनीति को विधिक कलेवर देने के उद्देश्य से कानून बनाने का समर्थन किया है कि जो भी देश रूस से तेल खरीदेगा उस पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकेगा। दरअसल अभी तक ट्रंप ने भारत या अन्य देशों के खिलाफ जो टैरिफ लगाया था, वह उनके इमरजेंसी पावर के प्रावधानों के तहत एक कार्यकारी कार्रवाई थी। अमेरिका कुछ सांसदों और प्रवासी भारतीय नागरिकों ने ट्रंप के इसी कार्यकारी कार्रवाई के आधार यानि इमरजेंसी शक्ति को वहां के सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में ट्रंप ने तमाम कुतर्क पेश किया ताकि अपील ही खारिज हो जाए किन्तु सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ कार्रवाई के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी करते हुए मामले को सुनवाई योग्य माना। तिलमिलाए ट्रंप के वकीलों ने एक हास्यास्पद दलील यह भी दी थी कि टैरिफ के डर से ही भारत और पाकिस्तान ने युद्ध विराम की घोषणा कर दी। मतलब यह कि अब सुप्मी कोर्ट का फैसला आने वाला है। जाहिर सी बात है कि यदि ट्रंप की इस टैरिफ कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी तरह का फैसला दिया तो न सिर्फ ट्रंप की किरकिरी देश में होगी बल्कि दुनिया भर में उनकी विश्वसनीयता प्रभावित होनी तय है। यही कारण है कि उनके समर्थक सीनेटर ने उन्हें सलाह दी कि अंतर्राष्ट्रीय किरकिरी होने की काट के लिए 'आर्फेस इज द बेस्ट डिफेंस' का फार्मूला अपनाना चाहिए।

शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है

दुनिया में मंदीः भारत में आर्थिक मजबूती की रोशनी

ललित गर्ग

ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है, जो यह संकेत देता है कि भारत न केवल वैश्विक अस्थिरताओं से स्वयं को बचाने में सक्षम रहा है, बल्कि अवसरों को साधकर अपनी विकास-यात्रा को निरंतर गति भी दे रहा है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक सुधारों को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें ज़मीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास किया, चाहे वह कर प्रणाली में सुधार हो, बुनियादी ढाँचे में निवेश हो या डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार।

वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनावों, युद्धों, महामारी के पश्चात बनी अस्थिरताओं, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महँगाई के दबावों के बीच जब दुनिया की अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ लड़खड़ा रही हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े आँकड़े आशा, भरोसे और आत्मविश्वास की एक सशक्त किरण बनकर उभरे हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है लगभग 7.4 प्रतिशत की विकास दर पर कायम रहना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई आर्थिक नीतियों की दृढ़ता, दूरदर्शिता, पारदर्शिता और संतुलन का प्रमाण है। जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है, जो यह संकेत देता है कि भारत न केवल वैश्विक अस्थिरताओं से स्वयं को बचाने में सक्षम रहा है, बल्कि अवसरों को साधकर अपनी विकास-यात्रा को निरंतर गति भी दे रहा है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक सुधारों को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें ज़मीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास किया, चाहे वह कर प्रणाली में सुधार हो, बुनियादी ढाँचे में निवेश हो या डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार। जिससे कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक दृष्टि का मूल आधार 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' रहा

है। वस्तु एवं सेवा कर जैसे बड़े सुधारों ने भारतीय बाज़ार को एकीकृत किया, व्यापार को सुगम बनाया और कर-संग्रह की पारदर्शिता बढ़ाई। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद, आज जीएसटी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी आधार बन चुका है। इसके साथ ही दिवालियापन एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों की स्थिति को मजबूत किया, जिससे फंसे हुए ऋणों की समस्या पर काफी हद तक अंकुश लगा। बैंकिंग प्रणाली की यह मजबूती ही है, जिसने निवेश और उद्यमिता को नई ऊर्जा दी है। मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि उसने घरेलू मांग को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र और मध्यम वर्ग को सहारा देने वाली योजनाओं ने उपभोग को बनाए रखा। बुनियादी ढाँचे में बड़े पैमाने पर निवेश ने न केवल रोज़गार के अवसर पैदा किए, बल्कि दीर्घकाल में उत्पादन और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद की। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क-इन सभी क्षेत्रों में हुए विस्तार ने भारत को एक अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक मजबूती का एक बड़ा कारण उसकी संतुलित विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ व्यावहारिक संबंध भी हैं। जहां एक ओर भारत ने विकसित देशों के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सुदृढ़ किया, वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया। यह संतुलन भारत को बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत सुरक्षित रखता है। ऊर्जा, रक्षा, खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों ने भी भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने भारत की अर्थव्यवस्था में नवाचार और उद्यमिता की नई लहर पैदा की। आज भारत दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है। फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हुए नवाचार न केवल घरेलू बाज़ार को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की पहचान बना रहे हैं। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय समावेशन को बढ़ाया, जिससे आर्थिक गतिविधियों का दायरा विस्तृत हुआ और पारदर्शिता में सुधार आया। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि मोदी सरकार ने आर्थिक विकास को सामाजिक कल्याण से अलग नहीं किया। गरीबों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने वाली योजनाओं ने सामाजिक स्थिरता को बनाए रखा, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य होती है। सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति ने एक ऐसी नींव तैयार की, जिस पर टिकाऊ विकास संभव हो सका। यही कारण है कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और विश्वास कमजोर नहीं पड़ा। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यह स्थिति केवल वर्तमान उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत है। वर्ष 2047, जब भारत अपनी आज़ादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब दुनिया की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य अब केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित यात्रा का परिणाम प्रतीत होता है। जनसांख्यिकीय लाभ, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और राजनीतिक स्थिरताकृये सभी तत्व भारत को इस लक्ष्य के करीब ले जा रहे हैं। निस्संदेह चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक परिस्थितियां कभी भी अचानक बदल सकती हैं, जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनाव नई कठिनाइयां पैदा कर सकते हैं। लेकिन जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है, वह यह भरोसा देता है कि देश आगे भी संतुलन बनाए रखते हुए प्रगति करता रहेगा। 7.4 प्रतिशत की विकास दर केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस उजली तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। निर्णायक नेतृत्व, दीर्घकालिक सोच और सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत को एक ऐसे मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहां संभावनाएं अनंत हैं। वैश्विक असंतुलन और अनिश्चितताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का मजबूत बने रहना न केवल देशवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया के लिए भी एक संदेश है कि स्थिरता, संतुलन और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलकर कोई भी राष्ट्र वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है। यही भारत की आर्थिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि और आने वाले दशकों की सबसे बड़ी आशा की किरण है। इन सब सकारात्मक स्थितियों के बावजूद जरूरत इस बात की भी है कि अर्थव्यवस्था की ठोस मजबूती के लिए उन पहलुओं पर भी गौर किया जाए, जिनकी अनदेखी हो रही है।

कुछ अलग

जीवन में नयापन लाएं

उपनिषद् में कहा गया है कि वास्तव में समय नहीं बीतता, हम बीत जाते हैं। हम इस नए वर्ष में नए गुण, नई सोच, नई विधा, नया चिंतन और अच्छे कर्म अपने जीवन में ले आएं। किसी नादान की तरह नहीं जिएं। जिएं तो एक जाग्रत व्यक्ति की तरह जिएं। जब हम जाग्रत होकर जिएंगे, तो बाहर-अंदर सब कुछ नया होगा। आइए हम जाग्रत जीवन जीने का संकल्प लें और अपने जीवन में नयापन लाएं। मैं आपको कुछ संकल्प करने को कहूंगी, तो उसको आप आसानी से तोड़ सकते हो। जब आप खुद संकल्प करोगे कि मैं यह करूंगा, तो आप उसे खुशी से कर लोगे। आपका अहंकार और अपने प्रति प्यार आपको उस संकल्प को पूरा करने के लिए मजबूर करेगा। अपनी आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत का यही सही समय है। शुरुआत इस चिंतन से करें कि अब तक आपने कितनी साधना की है? मन के कितने दोष दूर किए हैं? मन का कितना अज्ञान दूर किया है? बीते समय में क्या किया? पिछला साल तो यही सोचते निकल गया कि साधना आज शुरू करेंगे, कल शुरू करेंगे। मन को अच्छी बातों से जोड़ें : नए साल में संकल्प करने की परंपरा है। बहुत-से लोग बहुत प्रकार के संकल्प करते हैं, जैसे- वजन कम करेंगे, मीठा नहीं खाएंगे, झूठ नहीं बोलेंगे। ऐसे संकल्प करना भी अच्छी बात है, क्योंकि उससे भी आपके मन की शक्ति बढ़ जाती है और मन की कमजोरी दूर हो जाती है। बहुत-से लोग संकल्प तो करते हैं, परंतु उसे पूरा नहीं कर पाते हैं, क्योंकि मन बेईमान हो जाता है। जरूरी है कि हम अपने मन पर नियंत्रण करें। उसके गुलाम नहीं बनें। यह कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं है।

देश दुनिया से

वीर सावरकर के नाम पर कॉलेज खुलने से क्यों खफा कांग्रोस!

हमारे मन में सावरकर के लिए सम्मान है। आपको कोईं पसंद नहीं तो ठीक है। खैर, वीर सावरकर कॉलेज खुलने से राजधानी में उस महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर महत्वपूर्ण प्रतीक स्थापित हो जाएगा। देर से ही सही राजधानी दिल्ली में अब वीर सावरकर का एक अहम प्रतीक स्थापित होने जा रहा है। वीर सावरकर के नाम पर दिल्ली यूनिवर्सिटी एक नया कॉलेज खोलने जा रही है। वीर सावरकर जैसे महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर कॉलेज खुलने से देश भर के नौजवान निाति रूप प्रेरित ही होंगे। इस बारे में किसी को किसी तरह का शक भी नहीं होना चाहिए। पर कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। कांग्रेस को वीर सावरकर के नाम से ही हमेशा ही चिढ़ रहा है। अब कांग्रेस को कौन बताए कि वीर सावरकर, जिनका पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था,भारत के स्वाधीनता आंदोलन के एक ही अत्यंत महत्वपूर्ण हस्ताक्षर थे। वे एक महान व्रांतिकारी, राष्ट्रवादी विचारक, लेखक और वकील थे। उनका जीवन और कार्यं भारतीय इतिहास के एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण और ïतिकारी अध्याय का प्रतिनिधित्व करते हैं। काश,सावरकर के नाम पर खुलने वाले कॉलेज का विरोध करने वाले वीर सावरकर के बारे में अपने महान नेत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की ही राय को जान लेते। इंदिरा गांधी जब भारत की सूचना और प्रसारण मंत्री थीं तब उन्हीं के निर्देश पर वीर सावरकर पर वेंद्रित डाक्यमेंट्री फिल्म उनके विभाग ने बनाईं थी। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए सावरकर की स्मृति में डाक टिकट भी जारी हुआ। श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने निजी खाते से सावरकर स्मृति कोष के लिये 11 हजार रुपये का अंशदान भी किया था। श्रीमती इंदिरा गांधी ने सावरकर को रिमाव्रेबल सन ऑफ इंडिया कहा था। इंदिरा गांधी ने 20 मईं 1980 को पंडित बाखले, सचिव, स्वतंत्रवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक के नाम से संबोधित चिट्ठी में सावरकर के योगदान का जिा किया था। इस पत्र में इंदिरा गांधी ने लिखा है, मुझे आपका पत्र 8 मईं 1980 को मिला था। वीर सावरकर का ब्रिटिश सरकार के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काफी अहम है। मैं आपको देश के महान सपूत के शताब्दी समारोह के आयोजन के लिए बधाईं देती हूं। मशहूर लेखक वैभव पुरंदरे ने अपनी किताब'द ट्रू स्टोरी ऑफ फादर ऑफ हिदुत्व' में लिखा है कि इंदिरा गांधी का लिखा पत्र सत्य है। किताब में लिखा है कि इंदिरा गांधी ने 1966 में सावरकर के निधन पर गहरा शोक भी जताया था। इंदिरा गांधी ने सावरकर को महान ïतिकारी बताते हुए तारीफ की थी और एक बयान भी जारी किया था। इंदिरा गांधी ने कहा था कि सावरकर ने अपने कार्यो से पूरे देश को प्रेरित किया था। अफसोस कि कांग्रेसियों को सच जानने से कोई मतलब ही नहीं रहा। उन्हें तो मीनमेख निकालनी है। इसलिए इतनी पुरानी पाटा सिवुड़ती ही चली जा रही है। वीर सावरकर तो बचपन से ही देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत थे और उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विरोध में भाग लेना शुरू कर दिया था। सावरकर 1905 में श्यामजी वृष्ण वर्मा द्वारा स्थापित इंडिया हाउस में शामिल होने के लिए लंदन चले गए। लंदन में, उन्होंने अभिनव भारत नामक एक गुप्त व्रांतिकारी संगठन की स्थापना की,

वीर सावरकर के नाम पर दिल्ली यूनिवर्सिटी एक नया कॉलेज खोलने जा रही है। वीर सावरकर जैसे महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर कॉलेज खुलने से देश भर के नौजवान निाति रूप प्रेरित ही होंगे। इस बारे में किसी को किसी तरह का शक भी नहीं होना चाहिए। पर कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। कांग्रेस को वीर सावरकर के नाम से ही हमेशा ही चिढ़ रहा है।

जिसका उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से मुत्त करना था। उन्होंने 1857 का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' नामक एक पुस्तक लिखी,जिसमें उन्होंने 1857 के सिपाही विद्रोह को भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम बताया। इस पुस्तक को ब्रिटिश सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था। सावरकर ने इटली के ïतिकारी नेता गिउसेप्पे मैजिनी से प्रेरणा ली और उनकी ïतिकारी विचारधारा को भारतीय संदर्भ में लागू करने का प्रयास किया। 1910 में,सावरकर को नासिक के जिला मजिस्ट्रेट जैक्सन की हत्या में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें दोषी ठहराया गया और 50 साल की कारावास की सजा सुनाईं गईं। उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित सेलुलर जेल में भेजा गया,जहाँ उन्होंने कईं वर्षो तक कठोर यातनाएं सहीं। काला पानी में उन्होंने एकांत कारावास, कठोर श्रम और अमानवीय परिस्थितियों का सामना किया। कोल्हू में बेल की तरह जोतकर उनसे सूखे नारियल से तेल निकलवाया जाता था। सावरकर ने भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाईं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईं। उन्होंने ïतिकारी गतिविधियों में भाग लिया और अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाईं। सावरकर हिदू राष्ट्रवाद के एक प्रमुख पैरोकार थे। उन्होंने एक मजबूत और एकजुट हिदू राष्ट्र की वकालत की। सावरकर ने जाति व्यवस्था और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाईं लड़ी। उन्होंने हिदू समाज में सुधार लाने के लिए कईं आंदोलन चलाए। वे एक वुशल वत्ता और लेखक थे। उनके भाषणों और लेखों ने लोगों को प्रेरित किया और उनमें देशभक्ति की भावना जगाईं। सावरकर के गृह राज्य महाराष्ट्र में कईं संगठन और संस्थान हैं जो उनके विचारों और कार्यो को बढ़ावा देते हैं। वीर सावरकर महाराष्ट्र में एक सम्मानित और प्रभावशाली व्यक्ति हैं, और उन्हें कईं लोगों द्वारा एक महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है। वीर सावरकर का एक शानदार चित्र पुराने संसद भवन के वेंद्रीय कक्ष में लगा हुआ था। उनके चित्र का 26 फरवरी, 2003 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने संसद भवन में अनावरण किया था। इसे चंद्रकला वुमार कदम ने बनाया था। जब वीर सावरकर का चित्र लगाने की पहल हुईं तब भी कांग्रेस ने यह कहकर विरोध किया था कि वे सांसद नहीं थे। तब कांग्रेसी भूल गए थे कि लोकमान्य तिलक तथा महात्मा गांधी जैसे राजनीति व स्वाधीनता संग्राम में अहम योगदान देने वाले व्यक्ति भी तो सांसद नहीं थे। उनके त्याग व समर्पण को देखते हुए केन्द्रीय कक्ष में उनका चित्र स्थापित कर सम्मान दिया गया। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने वुछ समय पहले वीर सावरकर पर गैर- जरूरी टिप्पणी अपमानजनक की थी। उनकी बयानबाजी से शिव सेना नेता उद्धव ठाकरे भी नाराज हो गए थे। उनहोंने तब कहा था हम स्वातंत्र्यवीर सावरकर के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान से सहमत नहीं हैं। हमारे मन में सावरकर के लिए सम्मान है। आपको कोईं पसंद नहीं तो ठीक है। खैर, वीर सावरकर कॉलेज खुलने से राजधानी में उस महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर महत्वपूर्ण प्रतीक स्थापित हो जाएगा। देर से ही सही राजधानी दिल्ली में अब वीर सावरकर का एक अहम प्रतीक स्थापित होने जा रहा है।

आप का नज़रिया

तमिल जन आकांक्षाओं के विजयी सेनापति

कुछ लोग उन्हें दक्षिण का एंग्री यंगमैन बता रहे हैं, तो कुछ राजनीति के जरिये सामाजिक-सांस्कृतिक उद्धार करने वाला सेनापति। दक्षिण भारत में फिल्मों से राजनीति में वर्चस्व करने वालों की कड़ी में एक और नाम जुड़ने जा रहा है सुपर स्टार विजय का। राजनीति में किस्मत आजमाने के लिए उन्होंने फिलहाल फिल्मों से किनारा कर लिया है। हिट थलपति-69 को उनकी आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। इसी वजह से अब उन्हें थलपति विजय का नाम दिया जा रहा है। दरअसल, थलपति का तमिल में मतलब सेनापति होता है। उन्होंने बाकायदा पार्टी का झंडा व चिन्ह भी लॉन्च किया है और अब उनकी पार्टी टीवीके को चुनाव आयोग से मान्यता भी मिल गई है। कहा जा रहा है कि इस साल तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी भागीदारी बड़ा राजनीतिक उलट फेर कर सकती है। उनकी सभाओं में जुटने वाली लाखों की भीड़ कम से कम यही इशारा कर रही है। बहरहाल, आज विजय महज फिल्म स्टार भर नहीं हैं, उन्हें तमिलनाडु के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में बदलाव के वाहक के रूप में देखा जा रहा है। उनके चाहने वालों में सिर्फ फिल्म प्रेमी ही नहीं हैं, बल्कि वे युवा भी हैं जो बेहतर रोजगार की स्थिति, साफ-सुथरी राजनीति और तमिल अस्मिता की रक्षा की आकांक्षा रखते हैं। वे सभाओं में कहते हैं कि हम बांटने वाली राजनीति के खिलाफ हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष लेख

स्वामी विवेकानंद को अपने जीवन में उतार लें तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता

स्वामी विवेकानंद केवल एक महान संत ही नहीं थे, वे भारत की आत्मा को जागृत करने वाले युगद्रष्टा थे। उन्होंने जिस भारत की कल्पना की थी, वह आत्मविश्वास, चरित्र, सेवा और ज्ञान से परिपूर्ण भारत था। आज राष्ट्रीय युवा दिवस पर उनके विचारों को स्मरण करते हुए यह कहना बिल्कुल उचित है कि यदि हम स्वामी विवेकानंद को अपने जीवन में उतार लें, तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता।

विवेकानंद जी का पूरा जीवन युवाओं को जागृत करने का संदेश है। उनका प्रसिद्ध वाक्य ˇ उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए ˇ आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे चाहते थे कि भारत का युवा आत्मविश्वासी हो, निर्भीक हो और अपने लक्ष्य के प्रति पूरी तरह समर्पित हो।

स्वामी विवेकानंद का मानना था कि केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण सबसे बड़ी शिक्षा है। उन्होंने कहा था कि व्यक्ति का असली मूल्य उसके आचरण से तय होता है। आज के समय में जब समाज कई प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब उनके ये विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं।

भारत की संस्कृति सेवा और त्याग पर आधारित रही है। विवेकानंद जी ने मानव सेवा को ही ईश्वर की सच्ची पूजा बताया। यदि आज का युवा समाज के कमजोर वर्ग के लिए खड़ा हो जाए, तो देश में गरीबी, अशिक्षा और असमानता स्वतः ही समाप्त होने लगेगी।

विवेकानंद जी का सपना था कि भारत फिर से ज्ञान और अध्यात्म का केंद्र बने। जब भारत का युवा अपनी जड़ों से जुड़कर आधुनिकता के साथ आगे बढ़ेगा, तभी सच्चा राष्ट्र निर्माण संभव होगा।

आज आवश्यकता है कि हम विवेकानंद जी को केवल जयंती तक सीमित न रखें, बल्कि उनके विचारों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। आत्मविश्वास, परिश्रम, अनुशासन और सेवा यही उनके जीवन का सार है।

यदि हम इस मार्ग पर चल पड़े, तो निश्चित रूप से भारत फिर से विश्व को मार्गदर्शन देने वाला विश्वगुरु बनेगा।

–रामप्रकाश अग्रवाल
(गोयल फर्म एंड गोयल ड्रग्स, हैदराबाद)

दृष्टि कोण

एआई मॉडल और कॉपीराइट कंटेंट के दुरुपयोग का सवाल

जैसे ही साल खत्म हो रहा था, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 'जेनरेटिव एआई एंड कॉपीराइट' पर एक कार्यपत्र प्रकाशित किया। यह अप्रैल, 2025 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कॉपीराइट सुरक्षा के जटिल सवाल की जांच के लिए गठित की गई एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट है, और इसके निष्कर्षों से निकट भविष्य में कॉपीराइट और जेनरेटिव एआई के संबंध में भारत की आधिकारिक नीति का आधार बनने की सर्वाधिक संभावना है। जेनरेटिव एआई उत्पाद जैसे कि चैटजीपीटी, जेमिनी, परप्लेक्सिटी इत्यादि लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) हैं, जो यूजर्स द्वारा दिए गए प्रॉम्प्ट्स (निर्देश) के आधार पर कंटेंट उत्पन्न करके देते हैं। मसलन, कोई व्यक्ति चैट जीपीटी को कहे कि आरके नारायण या मुंशी प्रेमचंद की शैली में एक लघु कहानी लिखकर दो, और वह उसे उत्पन्न कर दे। इसी तरह, डाल-ई, मिडजर्नी (और इस जैसे टेक्स्ट-टू-इमेज और टेक्स्ट-टू-वीडियो जेनरेशन मॉडल) दिए गए विषय पर पेंटिंग बनाकर पेश कर सकते हैं, जिसके लिए निर्देश दिए जाएं कि इनकी शैली जैमिनी रॉय या एमएफ हुसैन जैसी हो। या फिर सत्यजीत रे की शैली में एक लघु फिल्म क्लिप बनाने को कहा जाए। जेनरेटिव एआई मॉडल से उत्पन्न होने वाली सामग्री उनके प्रशिक्षण पर आधारित होती है, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्रोत (जैसे नारायण के उपन्यास या हुसैन और अन्य की पेंटिंग) से प्राप्त डेटा का उपयोग किया जाता है। एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला डेटा विभिन्न श्रेणियों वाला हो सकता है- कॉपीराइटेड, कॉपीराइट-समाप्त और सार्वजनिक डोमेन में 'उचित उपयोग' की अनुमति वाला उपलब्ध डेटा। जब से प्रौद्योगिकी फर्मों ने जेनरेटिव एआई उत्पादों के व्यावसायिक संस्करण लॉन्च किए हैं, किताबों, शोधपत्रों, तस्वीरों, फिल्मों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के विभिन्न रूपों जैसी कॉपीराइटेड सामग्री में उनके उपयोग का सवाल एआई बहस का केंद्र बन गया है। इसने जटिल कानूनी, नैतिक और औचित्य

संबंधी प्रश्न खड़े कर दिए। एक और अनसुलझा मुद्दा एआई-जनित आउटपुट की कॉपीराइट-योग्यता और लेखक का अधिकार है। कई देशों में सरकारें और अदालतें इस नए चलन -एआई मॉडल का डेटा प्रशिक्षण- से निपटने के लिए जूझ रही हैं। भारत सहित दुनियाभर की प्रौद्योगिकी कंपनियों की दलील है कि एआई मॉडल कॉपीराइट कानूनों का उल्लंघन नहीं करते क्योंकि वे कॉपीराइटेड किताबों, तस्वीरों आदि की नकल या साहित्यिक चोरी नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल अलग डेटासेट के रूप में एल्गोरिद्म को प्रशिक्षित करने के लिए पैटर्न, शैलियों, संरचनाओं का उपयोग करके सांख्यिकीय संबंध के संदर्भ में उन्हें नई सामग्री उत्पन्न करने में सक्षम बनाने को कर रहे हैं। उनका दावा है कि यह रचनात्मक कार्यों का 'उचित उपयोग' वाले सर्वमान्य सिद्धांत के अनुरूप है। यह तर्क देना कि एआई मॉडल मूल कामों की 'नकल' नहीं कर रहे, बल्कि उनसे सिर्फ़ 'सीख' रहे हैं, सही नहीं। क्योंकि एक एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया में कई चरण होते हैं, जिसमें डेटा (मूल सामग्री) की कॉपी करना और स्टोर करना शामिल है, जो वस्तुतः कॉपीराइट का उल्लंघन है। जबकि एआई उद्योग का कहना है कि इसे 'तकनीकी उल्लंघन' माना जा सकता है, कानूनी नहीं। यह धारणा खारिज करते हुए कि किसी कॉपीराइट लाइसेंसिंग की ज़रूरत नहीं, दुनिया के दूसरे हिस्सों में इस पर चल रही चर्चा या लागू किए जा चुके अलग-अलग मॉडलों का अध्ययन करने के बाद, विशेषज्ञ समिति ने भारत के लिए हाइब्रिड फ्रेमवर्क की सिफारिश की है। इसने एआई डेवलपर्स को एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में कानूनन एक्सेस किए गए कॉपीराइट-सुरक्षित कामों के इस्तेमाल के लिए एक ब्लैंकेट लाइसेंस दिए जाने का सुझाव दिया है, बशर्ते कॉपीराइट धारकों को रॉयल्टी का भुगतान किया जाए। लेकिन अधिकार धारकों के पास एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में अपने कामों का इस्तेमाल करने से रोकने का विकल्प नहीं होगा। अधिकार धारक संगठनों की उपस्थिति और सरकार द्वारा नामित एक केंद्रित नॉन-प्रॉफिट संस्था एआई डेवलपर्स से पेमेंट उगाहने के लिए ज़िम्मेदार होगी। इस संस्था में कॉपीराइट सोसायटी और उद्योग संगठन इसके सदस्य होंगे, और निजी रचनाकारों तक रॉयल्टी पहुंचाने के काम के लिए इस प्रकार के सदस्य-संगठन ज़िम्मेदार होंगे। कॉपीराइट सामग्री से प्रशिक्षित कर बने एआई सिस्टम से कमाई का एक निश्चित प्रतिशत बतौर रॉयल्टी देय होगा और दरें एक सरकारी समिति तय करेगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज ईष्ट मित्रों के साथ तीर्थ यात्रा का योग बन रहा है. परिवार के किसी सदस्य के साथ मंदिर में दर्शन के लिए भी जा सकते हैं. अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं, तो संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों से एक बार सलाह जरूर ले लें. माता-पिता के आशीर्वाद से आज आपको काम में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. दूसरों पर आपके काम और व्यवहार का पॉजिटिव असर पड़ेगा. पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन-देन सुलझ सकता हैं । छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा. हनुमानाष्टक का पाठ करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सुबह अरुणोदय के समय सूर्यको जल अर्पण करें और प्रणाम करें दिन भर शरीर मे उर्जा रहेगी जिसकी आप को जरुरत हैं । आप अपने प्रयास में अत्यधिक सफल भी होंगे । आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के परिवार के साथ संतोषमय जीवन का लाभ उठाएंगे.स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.काम से फुर्सत लेकर कुछ रिलैक्स करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज कुछ दिक्कतें जरुर बन रही हैं परन्तु पैसों के मामले में आपका काम नहीं रुकेगा. आय के स्रोत यथावत रहेंगे . लोगों के मन में क्या चल रहा है, यह सोच कर चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं आप खुद समझदारी से निर्णय करें निजी और पारिवारिक जीवन में सफलता और संतुष्टी मिल सकती है. बिजनेस में मेहनत के दम पर सफलता मिलने के योग हैं. खर्चा करने के मामलों में मन पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें. पारिवारिक मामले आसानी से सुलझ सकते हैं. सामाजिक कार्य के कारण आप तारीफ के पात्र होंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज विरोधी हानि पहुंचा सकते हैं परन्तु न्याय आप के पक्ष मे होगा व्यवसाय लाभदायक रहेगा. परिवार के साथ जीवन सुखमय रहेगा.. यात्रा मे भरपूर आनंद आएगा शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए लोग पदोन्नति को प्राप्त होंगे घर सदस्यों के साथ कुछ मतभेद होंगे. किसी मित्र से जुड़ी हुई बुरी खबर आज सुनने को मिल सकती है. नौकरी में ऊपरी अधिकारियों की ओर से समर्थन मिलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज व्यापारियों के साथ यात्रा का योग बन रहा हैं . महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है. आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है. आज कोई व्यक्ति आपके विचारों को दबाने की कोशिश कर सकता है. आपको अपनी बातें दूसरों से शेयर करने से बचना चाहिए. आपकी आय में वृद्धि होने की उम्मीद नजर आ रही है । मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा. दाम्पत्य जीवन को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको गलतफहमी में पड़ने से बचना होगा. कन्याओं को हलुआ पूरी खिलाए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अनजान व्यक्ति पर भरोसा करना चिंता का कारण बनेगा सतर्क रहने का प्रयास करें. तीव्र प्रगति के बावजूद आज आपको धीरे-धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है. आपको अनुशासित रहना चाहिए . वित्तीय मामलों में आपको संयम बरतना चाहिए और कोई भी नई प्रतिबद्धता बनाने से पहले दो बार सोचना चाहिए. पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा. कुंवारे जातको को खुशखबरी मिलेगी ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आगें आकर रुके हुए काम को अपने हाथ मे लेनी की जरुरत होगी लेकिन दूसरों के निर्देशों को मानते हुए काम करना हो, आप के लिए मुश्किलें पैदा करेगा कामकाज ज्यादा रहेगा. आज मेहनत भी ज्यादा हो सकती है. इससे आपको बड़ा फायदा होगा. कोई नई चीज सीख सकते हैं. मांगलिक समारोह में भी शामिल होने के योग हैं. नये लोगों से मिलना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप लेखक कार्य से जुडे हुए हैं या शिक्षा क्षेत्र मे अपना योगदान दे रहे हैं तो अधिक महनत करनी पड सकती हैं । जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवेक से कार्य करें. मनोरंजन के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें. किसी करीबी व्यक्ति से दूर हो सकते हैं. अचानक से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. किसी के साथ हुआ विवाद झगड़े का रूप धारण कर सकता है. मौन रहकर विवाद से दूरी बना रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत समय बाद लाभ की स्थिति बन रही हैं व्यापारी वर्ग का रूका हुआ काम आज तेजी के साथ आगे बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी. जो वकील हैं, आज उन्हें किसी महत्वपूर्ण केस में सफलता मिलेगी. पार्ट्नर के साथ कोई नई मूवी देखने जा सकते हैं. जमीन के किसी पुराने लेन-देन से आज आपको फायदा मिल सकता है. जिन छात्रों को करियर संबंधी किसी प्रकार की परेशानी आ रही है, उन्हें आज बड़े भाई या बड़ी बहन से मदद मिलेगी. बच्चों को दूध शक्कर मिठाई दें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर परिवार ऑफिस मे सकारात्मक माहौल रहेगा और विकास की राह मिलेगी . आप लाभ के लिए तत्पर हैं. लंबे समय से लंबित पड़ा वांछित काम पूरा होगा. यदि आप विदेश जाने के इच्छुक हैं तो आप अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे. परीक्षा के परिणाम आपके पक्ष में होंगे. पारिवारिक संबंध आनंददायक रहेंगें और परिवार में किसी के लिए पदोन्नति या बेहतरी के संकेत हैं. परिवार के साथ रिलैक्स मूड मे घूमने का प्रोग्राम बनाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप सम्मानित होंगे सिनीयर आप की प्रशंसा करेंगे पार्टनर से सहयोग ओर फायदा मिल सकता है. नक्षत्रों की स्थिति अच्छी होने से दिन शुभ रहेगा. खर्च-निवेश का फैसला भी खुद ही करें. रोजमर्रा के काम भी समय पर पूरे होने के योग हैं. घर-परिवार और ऑफिस में आपको फायदा हो सकता है. आपको सहयोग भी मिल सकता है. ऐग्रिकल्चर मे इंवेस्टमेंट करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज चारो ओर लाभ बनता हुआ दिखेगा परन्तु अन्तिम क्षण मे हानि मे परिवर्तित हो जाएगा आपका विचार किसी एक बात पर स्थिर नहीं रहेगा तथा उसमें लगातार परिवर्तन होता रहेगा. स्वभाव में उदासीनता छाई रहेगी. मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. विदेश से अच्छी खबर मिलेगी. जो समस्या आपको परेशान कर रही है, उसकी जड़ तक जाने की कोशिश करें. सट्टेबाजी से दूर रहें ।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 जनवरी 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी दोपहर 12:45 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 09:06 तक
योग : धृति सायं 06:11 तक
करण : गर दोपहर 12:45 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 05:59 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 05:52 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 02:00 से, धनुर्मास चालू है , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के हर चरण से जोड़ा : शर्मा

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है और नारी शक्ति इसके केंद्र में है। हमारी डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तीकरण को जीवन के हर चरण से जोड़ा है। जिसमें मातृत्व से लेकर शिक्षा तक, शिक्षा से लेकर आजीविका तक और आजीविका से लेकर सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन तक को प्राथमिकता दी गई है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर सामाजिक क्षेत्र में रूचि रखने वाली छात्राओं से बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मातृत्व वह आधार है, जहां से एक स्वस्थ समाज की शुरुआत होती है। इसी सोच के साथ हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को प्रभावी रूप से लागू किया है। इस योजना से प्रदेश की करीब 10 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण सही मायने में तभी साकार होता है जब महिलाओं के हाथों में कौशल हो, आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हों और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। इसी उद्देश्य से राज्य में करीब 20 लाख महिलाओं को विभिन्न कौशल विकास और आजीविका कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 12 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

बेटियों को 10 लाख साइकिलें और 40 हजार स्कूटियों का वितरण

शर्मा ने कहा कि बेटी के जन्म, उसकी शिक्षा और उसके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना में दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बेटियों को अब तक साढ़े 10 लाख साइकिलें और करीब 40 हजार स्कूटियां दी गई हैं। वहीं, हमारी सरकार जरूरतमंद महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर भी उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में युवाओं को रोजगार देना है। पिछले दो वर्षों में एक लाख से अधिक पदों पर सरकारी नौकरियां दी हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न

संवर्गों के डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 3 लाख 30 हजार से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और निजी क्षेत्र में भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने के संकल्प पर निरन्तर कार्य कर रही है। इसी क्रम में 10 जनवरी को नव चयनित कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए जिसमें 2500 से ज्यादा महिलाएं थी। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक हुए, लेकिन हमारी सरकार में दो वर्ष में पेपरलीक नहीं हुआ और पूर्ण पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रियाएं आयोजित हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाने में महिलाएं अपना योगदान दें। राजस्थान में पर्यटन, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार संबंधी अपार संभावनाएं हैं, जिसमें महिलाएं भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। स्टार्टअप्स और मार्केटिंग के क्षेत्र में भी नये आयाम स्थापित कर सकती हैं। उन्होंने 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाए जाने वाले युवा दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी और कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा था 21वीं सदी भारत की होगी। उनका कथन 'उठो-जागो और तब तक मत रूको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो' हम सब को प्रेरित करता है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश का विकास तभी पूर्ण होगा, जब हमारी बेटियां शिक्षित, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मसम्मान से भरी हों। विकास तभी सार्थक होता है, जब उसमें आधी आबादी की भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि इस संवाद से जो सुझाव मिले हैं, वे हमारे नीति-निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल एवं उद्यमिता संदीप वर्मा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास भवानी सिंह देथा सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी एवं तकनीकी शिक्षा व उच्च शिक्षा के संस्थानों की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

मनरेगा बचाओ संग्राम : प्रदेशभर में कांग्रेस का धरना-उपवास, शहीद स्मारक पर जुटे दिग्गज नेता

जयपुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा कानून को समाप्त किए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी के मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत रविवार को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा धरना एवं उपवास कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर के शहीद स्मारक पर आयोजित धरना-उपवास में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, एआईसीसी प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली शामिल हुए। धरना समाप्ति के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा सरकार ने मनरेगा कानून को समाप्त कर ग्रामीण गरीबों की रोजी-रोटी छीनने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा लागू मनरेगा योजना ने ग्रामीण गरीबों को काम का अधिकार दिया था, जिसमें मांग करने पर रोजगार अथवा मानदेय देने की गारंटी थी। इस योजना से गरीब परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हुए, बच्चों को शिक्षा मिली और लोग महाजनों व सूदखोरों के चंगुल से बाहर आए। डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर यह भ्रम फैला रही है कि कांग्रेस केवल नाम बदलने का विरोध कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि केन्द्र सरकार ने पूरी योजना ही समाप्त कर दी है। नई व्यवस्था में न तो काम की गारंटी है और न ही मजदूरी की पूर्ण जिम्मेदारी केन्द्र की होगी। उन्होंने कहा कि जहां पहले पूरी मजदूरी केन्द्र सरकार देती थी, अब राज्यों पर 40 प्रतिशत खर्च का बोझ डाल दिया गया है।

उन्होंने राजस्थान की भाजपा सरकार पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वित्तीय कुप्रबंधन के कारण प्रदेश में कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा, वृद्धावस्था और विधवा पेंशन, छात्रवृत्तियां अटकी हुई हैं और विकास कार्यों का भुगतान नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि राज्य पर कर्ज सवा लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, ऐसे में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी वहन करना संभव नहीं है। यह प्रावधान योजना को समाप्त करने की मंशा से ही लाया गया है। डोटासरा ने यह भी कहा कि प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों के चुनाव नहीं कराए जाने के कारण करीब 3000 करोड़ रुपये की केन्द्र सहायता लैप्स होने की स्थिति में है। मनरेगा के तहत बकाया भुगतान नहीं हो पा रहा है, ऐसे में नई व्यवस्था में इस योजना का संचालन असंभव है।

फर्जी मैरिज ब्यूरो का भंडाफोड़, 150 करोड़ की ठगी करने वाले गैंग के दो आरोपी गिरफ्तार

डीग, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के डीग जिले में फर्जी मैरिज ब्यूरो चलाकर भोले-भाले लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक बड़े गैंग तक पहुंचने में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। डीग पुलिस ने इस गिरोह के दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस का अनुमान है कि इस गैंग ने अब तक हज़ारों लोगों को झांसा देकर करीब 150 करोड़ रुपये की ठगी की है। शादी का झांसा, भरोसे का खेल डीग पुलिस के अनुसार आरोपियों ने शादी के नाम पर लोगों को लूटने के इरादे से पहले एक संगठित गैंग बनाया और फर्जी मैरिज ब्यूरो खोला। गांव-गांव इसका प्रचार किया गया और यह झूठ फैलाया गया कि ब्यूरो के जरिए गरीब और असहाय लोगों की शादी करवाई जाती है, जिसमें दहेज का पूरा सामान दिया जाएगा।

लोगों से कहा गया कि रजिस्ट्रेशन के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये जमा कराने होंगे और शादी के दिन 70 हजार रुपये नकद, दहेज का सामान और एक मोटरसाइकिल दी जाएगी।

शुरुआत में ठगों ने दर्जनों शादियां करवाईं, ताकि लोगों का भरोसा जीता जा सके। इसके बाद गांवों में एजेंट बैठाकर बड़े पैमाने पर रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए गए। इस तरह हजारों लोगों से करोड़ों रुपये वसूले गए

और फिर आरोपी अचानक पैसे लेकर फरार हो गए। मामले की जानकारी सामने आने के बाद डीग जिले की कैथवाड़ा थाना पुलिस ने जांच शुरू की। थाना इंचार्ज सुल्तान सिंह के नेतृत्व में चल रही कार्रवाई के दौरान दो फर्जी मैरिज ब्यूरो संचालकों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सैकुल और असरू के रूप में हुई है, जो लंबे समय से फरार थे।डीग एसपी ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ करीब 50 मामले दर्ज हैं। इन्हें पहले भी दो मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका था, लेकिन जमानत पर बाहर आने के बाद ये फरार हो गए थे। पुलिस से बचने के लिए दोनों लगातार भेस बदलते और ठिकाने बदलते रहे।फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। उनकी संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है और गैंग में शामिल अन्य ठगों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरफ्तारी के बाद फर्जी मैरिज ब्यूरो से जुड़े पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो सकेगा।

हरियाणा में सड़क हादसा : यमुनानगर में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, ट्रैक्टर-ट्रॉली से हुई टक्कर

यमुनानगर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के प्रतापनगर क्षेत्र के गांव भंगेड़ा में शनिवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग सहम गए और तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से सीधे जा टकराई। टक्कर के बाद दोनों युवक उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटों के चलते मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर थाना प्रतापनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। दोस्त को छोड़ने जा रहा था युवक

पुलिस ने मृतकों की पहचान गांव भंगेड़ा निवासी 27 वर्षीय अनुज शर्मा और उसके दोस्त 35 वर्षीय सतपाल, निवासी मुजाफत कलां, के रूप में की है। पुलिस के अनुसार अनुज अपने दोस्त सतपाल को उसके घर छोड़ने जा रहा था। जैसे ही वे गांव भंगेड़ा के पास पहुंचे, सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई।

हादसे के बाद ग्रामीणों ने मदद की कोशिश की, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम आज कराया जाएगा।

हादसे में जान गंवाने वाले अनुज शर्मा की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। वह पेशे से डेंटल का काम करता था और अपनी खुद की दुकान खोलने की तैयारी में जुटा हुआ था। बताया गया है कि वह अपने दोस्त सतपाल के साथ मुजाफत कलां में डेंटल क्लिनिक की तलाश कर रहा था।

पश्चिम बंगाल से पूरे देश में दिख रहा है लोकतंत्र पर हमला: कुमारी सैलजा

डबवाली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं सांसद कुमारी सैलजा ने आज सिरसा जिले के डबवाली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जनसमस्याएँ सुनीं। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने पश्चिम बंगाल की घटनाओं का उल्लेख करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह बात अब देश से छिपी नहीं है कि चुनाव आते ही भाजपा सरकार केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ तेज कर देती है।

विशेषकर उन राज्यों में जहाँ भाजपा की सरकार नहीं है, वहाँ इस तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल इसका स्पष्ट उदाहरण है, जहाँ चुनाव से पहले सरकार को अस्थिर करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह भाजपा का लोकतंत्र में अविश्वास दर्शाता है, जो अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों और वंचित वर्गों के साथ मजबूती से खड़ी रही है। यूपीए सरकार के समय डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में मनरेगा को कानून बनाकर ग्रामीण गरीबों को 100 दिनों के रोजगार का अधिकार दिया गया था और इसका पूरा वित्तीय भार केंद्र सरकार उठाती थी।

सांसद सैलजा ने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार ने मनरेगा की मूल भावना को कमजोर कर दिया है। पंचायतों और राज्यों के अधिकार छीने जा रहे हैं और अब राज्यों पर 40 प्रतिशत हिस्सेदारी डालकर इस योजना को निष्प्रभावी बनाया जा रहा है, जबकि गांवों में पूरे वर्ष रोजगार के अवसर पहले से ही सीमित हैं। इससे साफ है कि भाजपा सरकार की नीतियाँ अमीरों के पक्ष में हैं और गरीबों की आजीविका व सम्मान के प्रति गंभीर नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी गरीबों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता से संघर्ष करती रहेगी। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. के.वी. सिंह, जग्गा सिंह बराड़, राजेश चाडीवाल, संदीप नेहरा, कुंवरवीर हिटलर एवं इंदर जैन सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने गुरुद्वारा चरण कंवल साहिब में टेका माथा, गुरुओं के बलिदान को किया नमन

चंडीगढ़, 11 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को अपने पंजाब दौरे के दौरान ऐतिहासिक गुरुद्वारा चरण कंवल साहिब, माछीवाड़ा, लुधियाना पहुंचकर माथा टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस पवित्र स्थल पर आकर वे स्वयं को अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह वही ऐतिहासिक स्थान है जहां दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने आकर कठोर तपस्या की थी और देश व समाज को धर्म, साहस और मानवता की शिक्षा दी थी। उन्होंने कहा कि गुरुओं ने सदैव समाज और देश की भलाई के लिए संघर्ष किया और महान बलिदान दिए। हमें उनकी शिक्षाओं और उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चरण पड़े और उन्होंने यहां रहकर समाज को दिशा दी, ऐसे पावन स्थल को नजदीक से देखने और शीश नवाने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा

कि अगर गुरुओं ने कुर्बानियां न दी होती, तो आज हमारा इतिहास कुछ और ही होता। गुरुओं ने किसी एक वर्ग के लिए नहीं बल्कि सर्व समाज और पूरे देश के लिए संघर्ष किया और बलिदान दिया। उनकी शिक्षाओं को आत्मसात कर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय-समय पर उन्हें गुरुओं की पवित्र भूमि पर आने का अवसर मिलता रहा है।

एक अन्य प्रश्न पर नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए गलत बयानबाजी करते हैं, जो बिल्कुल अनुचित है। गुरुओं को लेकर ऐसी भाषा न तो बोलनी चाहिए और न ही सोचनी चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा इस प्रकार की बातें करना निंदनीय है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी प्रधान जसबीर सिंह, हेड ग्रंथी ज्ञानी हरचरण सिंह भी मौजूद रहे

इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्राचीन श्री मुक्तेश्वर शिव मंदिर (मुक्तिधाम) चहिला में जाकर पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया और देशवासियों की समृद्धि की कामना करते हुए ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया।

हाइमन डोर्फ-जेटी एलिजाबेथ आदिवासियों की जीवनसंगिनी : गोदम नागेश

आसिफाबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिलाबाद सांसद गोदम नागेश ने प्रोफेसर हाइमन डोर्फ व जेटी एलिजाबेथ दंपति को आदिवासियों की जीवनसंगिनी बताया। रविवार को उनकी 39वीं पुण्यतिथि पर जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, एसपी नितिका पंत, उत्नूर परियोजना अधिकारी युवराज मरमत, खानापुर विधायक वेदमा बोज्जू व जनजातीय नेताओं ने मारलवाई में उनकी व कोमराम भीम की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

सांसद ने कहा कि दंपति आदिवासियों के सच्चे साथी थे। उन्होंने सुविधाहीन समय में क्षेत्र की समस्याओं पर रिपोर्ट बनाकर विकास के कदम उठाए। आदिवासियों को शिक्षा-रोजगार में आगे बढ़ना चाहिए। कलेक्टर ने बताया कि दंपति ने स्वतंत्रता पूर्व आदिवासी जागरूकता फैलाई। हाइमन मानव विकास, पर्यावरण व विज्ञान के विद्वान थे। सरकार ने उनके नाम पर स्मारक वन के लिए धन स्वीकृत किया।

एसपी ने मारलवाई को पवित्र स्थल कहा व आदिवासी संस्कृति संरक्षण पर जोर दिया। विधायक ने राय केंद्र व पट्टा प्रणाली मजबूत करने का भरोसा दिया। कार्यक्रम में जैनूर बाजार अध्यक्ष लू विश्वनाथ, डीसीसी अध्यक्ष सुगुना, जिला आदिवासी अधिकारी रामादेवी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

किनवट नगरपरिषद : उपाध्यक्ष व स्वीकृत सदस्य चयन के लिए हलचल तेज

किनवट, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरपरिषद उपाध्यक्ष व स्वीकृत सदस्यों के चयन को लेकर हलचल तेज है। बुधवार 14 जनवरी को सभागृह में पहली सर्वसाधारण सभा होगी, जिसकी अध्यक्षता पीठासन अधिकारी व नगराध्यक्ष सुजाता एड्रलवार करेंगी।

सभा में उपाध्यक्ष चयन प्रमुख रहेगा। सुबह 11 से 12 बजे तक आवेदन स्वीकार होंगे, नाम पढ़े जाएंगे। 15 मिनट में नामांकन वापसी का विकल्प मिलेगा। जरूरत पड़ी तो मतदान होगा और दोपहर 1 बजे चयन घोषित होगा। स्वीकृत सदस्यों के लिए संबंधित पार्टियां जिला प्रशासन को नामांकन सौंपेंगी, फिर महाराष्ट्र शासन नियम 2010 के तहत चयन होगा।

महाविकास आघादी (शिवसेना ठाकरे, राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार व निर्दलीयों) के पास बहुमत है, लेकिन अंतिम समय में ट्विस्ट संभव। महाविकास आघादी व महायुती से एक-एक स्वीकृत सदस्य चुने जाएंगे। पार्टियों ने कई नेताओं से वादे किए हैं, ऐसे कौन चुने जाएंगे, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कोरुटला म्युनिसिपल स्टैंडिंग काउंसिल बने कस्तूरी रमेश

जगतियाल, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोरुटला जिले के वकील कस्तूरी रमेश को कोरुटला म्युनिसिपल स्टैंडिंग काउंसिल नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर शनिवार को मेटपल्ली टाउन के जुव्वाडी भवन में उन्होंने कोरुटला चुनाव क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी इंचार्ज जुव्वाडी नरसिंगाराव और सीनियर लीडर जुव्वाडी शेखर राव से भेंट की।कस्तूरी रमेश ने अपनी नियुक्ति में सहयोग के लिए कोरुटला चुनाव क्षेत्र कांग्रेस इंचार्ज जुव्वाडी नरसिंगाराव, सीनियर स्टेट लीडर जुव्वाडी कृष्ण राव, सीनियर लीडर जुव्वाडी शेखर राव तथा कोरुटला टाउन कांग्रेस अध्यक्ष तिरुमाला गंगाधर को धन्यवाद दिया। इस मौके पर जुव्वाडी नरसिंगाराव, जुव्वाडी शेखर राव, तिरुमाला गंगाधर, ए जेपी राजेश खन्ना, करुणाकर राव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पद्मशालियों को निगम-म्युनिसिपल चुनाव में सही प्रतिनिधित्व देने की मांग

मंचेरियाल, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। फरवरी में प्रस्तावित म्युनिसिपल चुनावों में पद्मशाली समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व मिले, इसके लिए रविवार को जिला मुख्यालय में श्री भक्त मार्कंडेय पद्मशाली समाज की बैठक आयोजित हुई।भक्त मार्कंडेय पद्मशाली चैरिटेबल सर्विस ऑर्गेनाइजेशन की ओर से जिले की प्रमुख पार्टियों0कांग्रेस, भाजपा व बीआरएस0से अपील की गई। पिछले चुनावों में पार्टियों ने पद्मशालियों को पर्याप्त अवसर नहीं दिए, जिस पर बैठक में चर्चा हुई। पद्मशाली सोशल क्लास ने पार्टियों से काउंसलर व कॉर्पोरेटर पदों पर सही प्रतिनिधित्व की मांग की।यदि मांग पूरी न हुई तो बीसी वोटर स्वतंत्र हैं और रिजर्वेशन के अनुपात में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला लिया गया। बैठक में अध्यक्ष गजेली वेंकटया, उपाध्यक्ष बुरल ज्ञानानी, सचिव अंकम चंद्रैया, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी आडीचरल राजेशन, नेता एम. सत्यनारायण, बी. दामोदर, के. रमेश, लक्ष्मण, रामास्वामी सहित अन्य उपस्थित थे।

श्री लक्ष्मी नारायण हनुमान मंदिर में गोदा रंगनाथ कल्याणोत्सव सम्पन्न

बेल्लमपल्ली, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। धनुर्मास के अवसर पर स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण हनुमान मंदिर में रविवार सुबह श्री गोदा रंगनाथ जी का कल्याणोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया गया।

राजस्थानी समाज की बुजुर्ग महिलाओं, युवतियों और युवकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उत्सव का आनंद लिया। कल्याणोत्सव के बाद भक्तों के लिए महाप्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर चेयरमैन श्री किशन मारु ने बताया कि इस वर्ष मुख्य यजमान सत्यनारायण, श्याम सुंदर, वेणुगोपाल झवर परिवार रहे। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए राजस्थानी समाज के सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

मदनूर में गोदा रंगनाथ कल्याण महोत्सव भक्ति भाव से सम्पन्न

मदनूर, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । धनुर्मास के समापन पर स्थानीय बालाजी मंदिर में राजस्थानी समाज के नेतृत्व में गोदा रंगनाथ कल्याण महोत्सव भव्य रूप से मनाया गया। हर रोज पूजा-अर्चना व भजन के बाद भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया गया। समाज के महिला-पुरुषों ने गाजे-बाजे के साथ बालाजी मंदिर से पुराना बस्तान तक शोभायात्रा निकाली। गोदा कल्याणम दक्षिण भारत का प्रमुख वैष्णव उत्सव है, जो आंडाल (गोदा देवी) व भगवान रंगनाथ के दिव्य मिलन का प्रतीक है। भक्त भक्ति से परमात्मा से एकाकार होते हैं। मंदिर में महाप्रसाद का आयोजन हुआ, जिसमें राजस्थानी समाज के अलावा अन्य भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मध्याह्न भोजन कर्मियों के लिए एलपीजी बोझ, सिलेंडर की किल्लत

मंचेरियाल, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मध्याह्न भोजन योजना के कर्मियों के लिए एलपीजी उपयोग नया बोझ बन गया। छात्रों को लकड़ी के धुएं से बचाने जिला अधिकारियों ने लकड़ी की जगह एलपीजी अनिवार्य किया। राज्य में पहली बार लागू इस व्यवस्था में स्कूलों को दो सिलेंडर दिए, लेकिन चूल्हे नहीं। एजेंसियों ने खुद खरीदे।

200-250 छात्रों वाले स्कूलों में एक सिलेंडर 3-4 दिन में खत्म हो जाता। पहले लकड़ी पर 6 माह में 8-9 हजार खर्च होते थे, अब एलपीजी पर मासिक उतना ही। कर्मचारियों को निजी खर्च से सिलेंडर खरीदने पड़ते हैं। एलपीजी एजेंसियां दो से अधिक नहीं दे रही।

मिड डे मील वर्कर्स एसोसिएशन अध्यक्ष बुर्रा मंजुला ने कहा कि निलंबन के डर से प्रधानाध्यापक लकड़ी इस्तेमाल की अनुमति नहीं देते। पहले सस्ते मजदूर लकड़ी लाते थे, अब महंगा हो गया। सरकार से रियायती सिलेंडर व धनराशि की मांग की।

फर्जी नौकरियों का रैकेट तीन गिरफ्तार, 2401 ठगे गए

आदिलाबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला पुलिस ने नौकरियों के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। एसपी अखिल महाजन ने बताया कि मअनंथा ई सॉल्यूशनफ व मविद्या डॉन ऑर्गेनाइजर्सफ के नाम पर मधुकिरण, सुधाकर व सतीश को हैदराबाद से गिरफ्तार किया। दो अन्य फरार हैं।

2013 में शुरू हुई कंपनी ने आउटसोर्सिंग नौकरियां देने का लालच दिया। 2023 में एनजीओ बनाकर केंद्रीय विद्यांजलि 2.0 व सीएसआर फंड का दुरुपयोग कर सरकारी स्कूल-कॉलेजों में नौकरियां देने का झांसा दिया।

एजेंटों के जरिए आदिलाबाद, निर्मल, आसिफाबाद, मंचेरियाल, वारंगल व खम्मम आदि जिलों में 1 से 2.50 लाख रुपये वसूले।

गिरोह ने 2401 बेरोजगारों को फर्जी नियुक्ति पत्र दिए व तीन माह वेतन का भुगतान किया। बाद शिकायतों पर एजेंट राहुल, कोआ विट्ठल व वरलक्ष्मी गिरफ्तार हो चुके। एसपी ने कहा कि आरोपियों को रिमांड पर लिया गया, जांच जारी है।

वड्डे ओबन्ना दलितों की आशा की किरण : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने वड्डे ओबन्ना को दलित समुदायों की आशा की किरण बताया। रविवार को उनकी जयंती पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित समारोह में उन्होंने आईडीसीबी सम्मेलन कक्ष में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में ओबन्ना की वीरता प्रेरणादायक है। उन्होंने दलित कल्याण के लिए अथक संघर्ष किया और कई आंदोलनों में भाग लिया। जयंती-पूर्णिमा पर ऐसे आयोजन से उनकी आकांक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है। संबंधित अधिकारी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

बिना परमिट नाव और टिप्परों से पेंगांगा में अवैध रेत तस्करी!

मंचेरियाल, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में पेंगांगा नदी से बिना परमिट अवैध रेत खनन व ढुलाई बेरोकटोक जारी है। जैनत, बेला व भोरंज मंडलों से संचालित यह रैकेट नावों व जेसीबी से रेत निकालकर टिपरों से जिले व महाराष्ट्र भेज रहा है।भारी बारिश से गाद जमा होने व नदी प्रवाह कम होने से अवैध खनन बढ़ा। आदिलाबाद में इंदिरम्मा घरों के लिए ट्रैक्टरों को मुफ्त परमिट मिल रहे, जबकि निजी उपयोग के लिए तहसीलदार कार्यालय से 400 रुपये चालान पर परमिट जारी होते हैं। बेला पुलिस ने कंगारपुर में नाव, जेसीबी व टिपर जब्त कर बेला थाने ले गई।खनन अधिकारियों की रिपोर्ट में कहा गया कि रेत खदानों से भूजल को नुकसान होगा, इसलिए कोई खदान स्वीकृत नहीं। भारी ढुलाई से किसानों व स्थानीयों को खतरा है। लोग तस्करी रोकने की मांग कर रहे। तहसीलदार रघुनाथ राव ने कहा कि बेला मंडल में टिपरों के लिए कोई परमिट जारी नहीं हुआ।

कांग्रेस सभा में मंच पर दो स्थानीय नेताओं के बीच झड़प

मंचेरियाल, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । पेद्दापल्ली कांग्रेस में आंतरिक कलह उफान पर आ गई। उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमर्का व मंत्रियों की उपस्थिति में जूनियर कॉलेज परिसर की जनसभा के मंच पर दो स्थानीय नेताओं ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया।

रविवार को गोदावरीखानी में उपमुख्यमंत्री के अलावा मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, डी श्रीधर बाबू, कोंडा सुरेखा व अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने विकास कार्यों की आधारशिला रखी व इंदिरम्मा हाउस पट्टे वितरित किए। मंत्रियों के भाषण के बाद इंदिरम्मा पट्टे वितरण को लेकर दोनों नेताओं में बहस हुई, जो हाथापाई में बदल गई।

तैनात पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर एक नेता को हटाया। एक ही विभाग से इनकी पुरानी प्रतिद्वंद्विता सभा के दौरान फिर भड़की।

सिरपुर पेपर मिल श्रमिकों के अधिकार केवल आरएस प्रवीण कुमार के नेतृत्व में सुरक्षित

आसिफाबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिरपुर पेपर मिल प्रोटेक्ट यूनियन के नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मिल श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा केवल बीआरएस पार्टी के राज्य महासचिव डॉ. आरएस प्रवीण कुमार के नेतृत्व में ही संभव है।यूनियन कार्यकारी अध्यक्ष गोलेम वेंकटेशम ने बताया कि प्रबंधन मान्यता समिति चुनाव नहीं करा रहा और उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। यूनियन की ओर से वकील दरिशेट्टी पोचैया ने प्रतियाचिका दाखिल की, जिस पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। प्रवीण कुमार के हस्तक्षेप से फैसला जल्द जारी हुआ और प्रबंधन की याचिका खारिज हो गई।इस जीत पर श्रमिकों ने मिल गेट पर पटाखे फोड़े व मिठाई बांटी। यूनियन नेताओं ने अन्य यूनियनों पर आरोप लगाया कि वे प्रवीण कुमार व यूनियन को बदनाम कर रहे हैं, जबकि वे पहले श्रमिक मुद्दों पर चुप थे। प्रवीण कुमार ने श्रम अधिकारों की रक्षा के लिए चुनावी नेतृत्व पर जोर दिया, जिससे मान्यता समिति चुनाव जल्द होने की उम्मीद बनी है।

नेशनल वालीबाल चैंपियनशिप महिला व पुरुष दोनों वर्गों में केरल व रेलवे बीच फाइनल मुकाबला

सेमीफाइनल में केरला ने हरियाणा और रेलवे ने राजस्थान को दी शिकस्त

वाराणसी,11 जनवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डा. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे 72वीं सीनियर नेशनल वालीबाल चैंपियनशिप में रविवार को कुछ ही देर में महिला व पुरुष दोनों वर्गों में केरल व रेलवे बीच फाइनल मैच खेला जाएगा। नगर निगम की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में शनिवार देर शाम तक महिला व पुरुष दोनों वर्गों के सेमीफाइनल मुकाबलों में जबरदस्त घमासान देखने को मिला। शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग केरला और रेलवे तथा पुरूष वर्ग में रेलवे और केरला की टीमों ने अपने-अपने मैच जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। महिला वर्ग का पहला सेमीफाइनल मुकाबला चिर-प्रतिद्वंद्वी केरला और हरियाणा के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहे इस मुकाबले में केरला ने हरियाणा को 3-0 से शिकस्त देकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह सुरक्षित कर ली। दूसरे सेमीफाइनल में रेलवे की टीम ने राजस्थान के खिलाफ अपनी बादशाहत कायम रखी। बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहे इस मुकाबले में महिला वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में रेलवे ने राजस्थान को 3-1 से शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कराया। संघर्ष में सर्विसेज को पटखनी दे फाइनल में पहुंचा रेलवे बेहद उतार-चढ़ाव भरे और सांस रोक देने वाले मुकाबले में भारतीय रेलवे ने सर्विसेज को 3-2 से पराजित कर पुरुष वर्ग के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। पांच सेटों तक चले इस महामुकाबले में रेलवे ने न केवल अपना धैर्य दिखाया, बल्कि निर्णायक मौकों पर अंक बटोरकर सर्विसेज के फाइनल में पहुंचने के सपने को तोड़ दिया। पंजाब को हराकर केरला फाइनल में पुरुष वर्ग के एक बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण सेमीफाइनल मुकाबले में केरला की टीम ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पंजाब को सीधे सेटों में 3-0 से पराजित कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

सीनियर नेशनल वालीबाल चैंपियनशिपः महिला वर्ग में केरल की टीम चैंपियन बनी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डा. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही 72वीं सीनियर

नेशनल वालीबाल चैंपियनशिप में रविवार को महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में केरल की टीम ने रेलवे को हरा दिया। केरल की टीम ने रेलवे को 3-2 (22-25,25-20,25-15,22-25,15-8) से हराकर वालीबाल चैंपियनशिप में बादशाहत कायम रखी और खिताब अपने नाम किया। इसके पहले सेमीफाइनल में रेलवे की टीम ने एक दिन पूर्व शनिवार शाम राजस्थान के खिलाफ अपनी बादशाहत कायम रखी। बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहे इस मुकाबले में महिला वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में रेलवे ने राजस्थान को 3-1 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह पक्की की। रेलवे ने मैच की आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले दो सेट 25-13 और 25-16 के बड़े अंतर से जीते। तीसरे सेट में राजस्थान ने जबरदस्त वापसी की और 26-24 से सेट जीतकर मैच को रोमांचक बना दिया। लेकिन चौथे सेट में रेलवे ने फिर से लय हासिल की और 25-19 से जीत दर्ज कर मैच 3-1 से अपने नाम कर लिया।

52 साल के हुए द्रविड़ को जन्मदिन पर मिली बधाइयां

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज राहुल द्रविड़ रविवार 11 जनवरी को 52

साल पूरे हो गए। द्रविड को इस अवसर पर क्रिकेट जगत के साथ ही प्रशंसकों ने भी शुभकामनाएं दी हैं। खेल हस्तियों और संगठनों ने उनके खेल करियर की उपलब्धियों, भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान और उनके शांत स्वभाव की प्रशंसा की है। द्रविड़ अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण कठिन हालातों में भी भारतीय टीम की ढ़ाल बनकर सामने आये। वह टीम के कप्तान भी रहे। वह हमेशा ही एक शांत क्रिकेटर रहे। खेल से संन्यास के बाद कोच और कमेंटेटर के तौर पर भी वह खासे सफल रहे। आईपीएल में भी वह कई टीमों से जुड़े रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ अपने शुरुआती दिनों में क्रिकेट नहीं बल्कि हाकी पसंद करते थे। प्लेयर बनने का था वह स्कूल में हाकी खेला करते थे। स्कूल टीम में वह सेंटर-हाफ के तौर पर खेलते थे। द्रविड़ राज्य की जूनियर टीम में भी रहे थे। एक दिन कोच ने अचानक ही उन्हें सेंटर-हाफ से हटाकर राइट-हाफ में खेलने भेज दिया। तब उन्हें लगा कि उनके खेल का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, हाकी टीम में पोजीशन बदलने के बाद मेरे पास क्रिकेट में जाने का विकल्प था।. इसी कारण उनका ध्यान क्रिकेट की ओर आ गया। इसके बाद उन्हें हाकी से ज्यादा क्रिकेट में आनंद आने लगा और वह क्रिकेट में ही रम गये। जूनियर लेवल पर धीरे-धीरे उनकी पहचान बनने लगी। इसी दौरान नाम कोच केकी तारापोर की उनकी प्रतिभा का पहचाना और यहीं से उनका खेल में आगे बढ़ने का सफर शुरु हो गया। उन्हें 1990 में पहली बार कर्नाटक राज्य टीम में शामिल किया गया। घरेलू क्रिकेट में डेब्यू के बाद द्रविड़ को छह साल बाद भारतीय टीम में जगह मिल गयी। द्रविड़ ने अप्रैल, 1996 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय में डेब्यू का मौका मिला। जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। द्रविड़ ने भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में जगह बनाने के साथ ही भारत के लिए 164 टेस्ट, 344 एकदिवसीय और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलते हुए 52.31 की औसत से 13288 रन बनाए।

महिला हॉकी लीग फाइनल : एसजी पाइपर्स ने शूटआउट में श्राची बंगाल टाइगर्स को हराकर खिताब जीता

रांची। एसजी पाइपर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग खिताब जीत लिया है। पाइपर्स ने फाइनल में श्राची बंगाल टाइगर्स को शूटआउट में 3-2 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। ये मुकाबला तय समय तक 1-1 बराबरी पर रहा था। पाइपर्स ने फाइनल की शुरुआत अच्छी की। इशिका और जुआना कैस्टेलारो ने अच्छे हमले किये। वहीं पाइपर्स ने टाइगर्स को रोकने के लिए अपनी ओर से कई आक्रमण किये। पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी। लालरेमसियामी के गोल से श्राची बंगाल टाइगर्स ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त हासिल कर ली। तीसरे क्वार्टर में दोनो ही टीमों ने एकदूसरे पर कई हमले किये। इसके बाद अंतिम क्वार्टर में भी मुकाबला बराबरी पर रहा।

भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया

वडोदरा,11 जनवरी (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट टीम ने कांटे के मुकाबले में न्यूजीलैंड को शिकस्त दी है। तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में भारत ने विपक्षी टीम को 4 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने 8 विकेट खोकर 300 रन बोर्ड पर लगाए थे। जवाब में टीम इंडिया ने थोड़ी सी परेशानी के बावजूद इस टारगेट को 49 ओवर में चेज कर लिया। भारत की जीत के हीरो विराट कोहली रहे जिन्होंने 93 रन की एक बेहतरीन पारी खेली।

विराट, गिल और अय्यर की बेहतरीन पारी

न्यूजीलैंड के 301 रन के टारगेट के जवाब में टीम इंडिया को रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने बेहतरीन शुरुआत दी। दोनों बल्लेबाजों ने 39 रन की साझेदारी की, जिसमें रोहित ने 26 रन बनाए। बाद में गिल ने विराट कोहली के साथ स्कोर को आगे बढ़ाया। गिल 71 गेंद पर 56 रन बनाकर आउट हो गए। बाद में श्रेयस अय्यर (49) ने विराट का बेहतरीन साथ दिया और धीरे-धीरे टीम को टारगेट के पास पहुंचाया।

लेकिन विराट के आउट होने के बाद टीम इंडिया ने अय्यर और रविंद्र जडेजा (4) के विकेट भी जल्दी-जल्दी खो दिए। हालांकि इसके बाद हर्षित राणा ने 23 गेंद पर 29 रन बनाकर टीम के स्कोर को और आगे बढ़ाया। आखिर में केएल राहुल ने कूल रहते हुए नाबाद 29 रन की पारी खेली और टीम इंडिया को 2 चौके और एक छक्का लगाकर 49 ओवर में ही जिता दिया। 7 गेंदों पर 7 रन का योगदान वाशिंगटन सुंदर ने भी दिया।

न्यूजीलैंड ने बनाए 300 रन

इससे पहले न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल के शानदार 84 रन, हेनरी निकोल्स के 62 और डेवोन कॉनवे के 56 रनों की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 8 विकेट पर 300 रन बनाए थे। भारत के लिए हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट झटके।

कॉनवे और निकोल्स ने दी बेहतरीन शुरुआत

डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने न्यूजीलैंड को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ओपनिंग बल्लेबाजों ने पहले 21 ओवरों में 117 रनों की साझेदारी की। लेकिन भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने अपने दूसरे स्पेल में कमाल कर दिया। उन्होंने सिर्फ 13 रन देकर दो विकेट झटके और न्यूजीलैंड के मध्य क्रम को झकझोर दिया। राणा ने 65 रन देकर कुल दो विकेट लिए।

कॉनवे और निकोल्स के बीच शतकीय साझेदारी को राणा ने 22वें ओवर में तोड़ा। निकोल्स एक समय पर सिर्फ पांच रन पर थे और कुलदीप यादव ने थर्ड मैन पर उनका एक आसान कैच छोड़ दिया था, जिससे भारत को पहले विकेट के लिए इंतजार करना पड़ा। राणा की ऑफ-कटर गेंद निकोल्स के बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के हाथों में चली गई। इसके बाद 24वें ओवर की आखिरी गेंद पर कॉनवे का भी विकेट गिरा, जब गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर विकेटों पर जा लगी।

जल्दी-जल्दी खोए फिर विकेट

न्यूजीलैंड का स्कोर 22वें ओवर में बिना किसी नुकसान के 117 रन से बढ़कर 38वें ओवर में पांच विकेट पर 198 रन हो गया। लेकिन डेरिल मिचेल क्रीज पर डटे रहे और अपनी टीम को संभाला। मिचेल ने 71 गेंदों की अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। हेनरी निकोल्स ने 69 गेंदों में आठ चौके जड़े, जबकि डेवोन कॉनवे ने 67 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाया।

भारत के लिए तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हर्षित राणा के अलावा, मोहम्मद सिराज ने एक धीमी गेंद पर विल यंग को आउट किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने 60 रन देकर दो विकेट लिए, जिसमें उन्होंने 37वें ओवर में मिचेल हे (12) को पवेलियन भेजा।

स्पिनर कुलदीप यादव को भी एक विकेट मिला, जिन्होंने ग्लेन फिलिप्स को आउट किया। डेब्यू करने वाले खिलाड़ी क्रिस्टियन क्लार्क ने अंत में 17 गेंदों में तीन चौकों की मदद से नाबाद 24 रन बनाकर टीम के स्कोर को 300 तक पहुंचाने में योगदान दिया।

डब्ल्यूपीएल 2026 : हरमनप्रीत स्किवर ब्रंट की चमक, मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 50 रन से रौंदा

नवी मुंबई,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) ने 2026 में जोरदार वापसी करते हुए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 50 रन से करारी शिकस्त दी। सीजन के पहले मैच में मिली हार के महज 24 घंटे के भीतर एमआई ने डीवाई पाटिल स्टेडियम में दमदार प्रदर्शन कर अपना खाता खोला।

कप्तान हरमनप्रीत कौर और आलराउंडर नैट स्किवर-ब्रंट की शानदार पारियों ने एमआई की जीत की नींव रखी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। स्किवर-ब्रंट ने 46 गेंदों में 70 रन की सधी हुई पारी खेली, जबकि हरमनप्रीत कौर ने 42 गेंदों में नाबाद 74 रन ठोकते हुए पारी को शानदार अंजाम तक पहुंचाया।

195 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। पावरप्ले के भीतर ही उसका शीर्ष क्रम ढह गया। हालांकि चिनेल हेनरी ने 30 गेंदों में 56 रन की आक्रामक पारी खेलकर कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उन्हें कोई खास साथ नहीं मिला। पूरी टीम 19 ओवर में 149 रन पर सिमट गई।

मुंबई की गेंदबाजी में अमेलिया केर और निकोला कैरी ने निर्णायक भूमिका निभाई। दोनों ने तीन-तीन विकेट चटकाए और दिल्ली की रन गति पर लगातार अंकुश लगाए। नई गेंद से एमआई के अनुशासित आक्रमण ने दिल्ली को शुरुआत में ही बैकफुट पर धकेल दिया, जिससे वापसी का मौका नहीं मिल सका।

इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस ने टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की और यह साफ संकेत दिया कि गत चैंपियन टीम खिताब की प्रबल दावेदार बनी हुई है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स को अपनी बल्लेबाजी और शुरुआती झटकों से उबरने के लिए जल्द सुधार की जरूरत होगी।

एस 20 मैच में लगी आग के बाद भी चलता रहा मैच

जोहांसबर्ग। यहां खेले जार हे एसए 20 के 19वें मैच के दौरान भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी हालांकि राहत की बात ये रही कि किसी की जान नहीं गयी। ये मामला पर्ल रायल्स और प्रीटोरिया कैपिटल्स के बीच हुए मैच का है। जा इय मैच के दौरन ही स्टेडियम की पार्किंग में आग लगने से स्टेडियम में बैठे प्रशंसक डर गये। आग पर किसी प्रकार से बचाव दल ने नियंत्रण कर हालात संभाले। आग के बाद भी मैच जारी रहा। इस मैच में प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने 21 रनों से जीत हासिल की। प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 138 रन बनाये। सबसे अधिक 42 रन शेरफन रदरफोर्ड ने बनाये। वहीं वहीं शाई होप ने 22 रन बनाये। रायल्स की तरफ से हारिस विल्जोन, डेन लारेंस और सिकंदर रजा ने दो-दो विकेट लिए जबकि नकोबानी मोकोएना ने एक विकेट लिया। इसके बाद 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पर्ल रायल्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर केवल 117 रन ही बना पायी। रायल्स की ओ से कप्तान डेविड मिलर ने सबसे अधिक 45 रन जबकि रुबिन हार्मेन ने 35 रन बनाए पर ये दोनो टीम को जीत तक नहीं पहुंचा पाये। वहीं गेंदबाजी में कैपिटल्स की ओर से केशव महाराज ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच जोनाथन बैटी ने अपने बल्लेबाजों का किया बचाव

नई दिल्ली,11 जनवरी (एजेंसियां) ।

दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच जोनाथन बैटी ने अपने बल्लेबाजों का बचाव करते हुए कहा है कि टीम की बल्लेबाजी यूनिट में कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं हमारे पास मौजूद बल्लेबाजी लाइन-अप से बहुत खुश हूं। यह एक शानदार टाप सात या आठ हैं, जिसमें स्नेह राणा नंबर आठ पर आती हैं। उन्होंने कहा कि यह लाइन-अप पूरे टूर्नामेंट में खूब रन बनाएगी।

दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने पहले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 50 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा। नवी मुंबई के डा. डी. वाई. पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान

हरमनप्रीत कौर और नेट साइवर-ब्रंट ने शानदार अर्धशतक जड़े।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 ओवर में 145 रन पर आलआउट हो गई। चिनले हेनरी ने 33 गेंदों पर 56 रन की तेज पारी खेलकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच सकी।

मैच के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच जोनाथन बैटी ने कहा कि मुझे लगा कि यह एक बहुत अच्छी विकेट है। पहले हाफ में, हमने पहले दस ओवरों में बहुत अच्छी गेंदबाजी की और हम काफी खुश थे। हम एक या दो और विकेट लेना चाहते थे, लेकिन उनके दो बेहतरीन बल्लेबाजों ने मिलकर साझेदारी कर ली।

उन्होंने आगे कहा कि हमारी योजनाएं अच्छी थीं और गेंद के साथ हमारा प्रदर्शन लगभग 75 प्रतिशत तक काफी मजबूत रहा। हालांकि, कुछ मौकों पर हमारी चूक भारी पड़ी, जिससे विरोधी टीम को आगे निकलने का मौका मिला।

टीम काम्बिनेशन और बल्लेबाजी क्रम को लेकर भरोसा जताते हुए बैटी ने कहा कि हम हमेशा आत्ममंथन करते हैं, लेकिन इस ग्रुप की क्वालिटी पर कोई शक नहीं है। लारा वोल्वार्ड्ट और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ी निश्चित तौर पर आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगी।

हार के बावजूद कोच ने सकारात्मक पहलुओं पर जोर देते हुए कहा कि इस मुकाबले से बहुत सी अच्छी बाते सीखने को मिली है। हम इनमें आगे जरूर सुधार करेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स अब अपना अगला मुकाबला रविवार, 11 जनवरी को इसी मैदान पर गुजरात जायंट्स के खिलाफ खेलेगी।

बेलिंडा की जीत के साथ ही यूनाइटेड कप टेनिस मिक्स्ड-जेंडर के फाइनल में पहुंची स्विट्जरलैंड

सिडनी,11 जनवरी (एजेंसियां) । बेलिंडा बेनसिक के अच्छे प्रदर्शन से स्विट्जरलैंड की टीम यूनाइटेड कप के मिक्स्ड-जेंडर (अलग-अलग लिंग के खिलाड़ियों) के टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। बेलिंडा ने एकल वर्ग का मुकाबले जीतने के साथ ही मिश्रित वर्ग में भी अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। ये पहली बार है जब स्विट्जरलैंड की टीम फाइनल में पहुंची है। बेलिंडा ने सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया और इसके बाद शनिवार को अपनी टीम को ऐतिहासिक खिताब के करीब पहुंचाया। अब फाइनल में स्विट्जरलैंड का मुकाबला संयुक्त राज्य अमेरिका और पोलैंड के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा। मैच में स्विस टीम की शुरुआत काफी अच्छी रही। बेलिंडा ने इलिस मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6(0) से हराकर सत्र की अच्छी शुरुआत कर अपनी टीम 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद जिजू बर्ग्स ने स्टैन

वावरिंका को 6-3, 6-7(4), 6-3 से हराकर मैच को फाइनल तक पहुंचाय। वावरिन्का फाइनल सेट के आठवें गेम में हार गये।

बेलिंडा अपने पहले तीन यूनाइटेड कप मुकाबलों में एक भी सेट हारीं हालांकि इलिस मर्टेंस से ये मुकाबला आसान नहीं रहा। बेलिंडा ने हालांकि निर्णायक सेट में 3-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी के साथ इस खिलाड़ी ने इलिस मर्टेंस से साल 2011 की हार हिसाब भी बराबर कर लिया। वहीं इसके अलावा लीओलिया जीनजीन, जैस्मिन पाओलिनी और सोलाना सिएरा के खिलाफ मैच में बेलिंडा आसानी से जीत गयी जिससे स्विट्जरलैंड सेमीफाइनल में पहुंच गयी। वहीं मिश्रित युगल में बेलिंडा ने अपना शानदार फार्म जारी रखते हुए याकूब पाल के साथ मिलकर बेल्जियम की एलिस मर्टेंस और जिजू बर्ग्स की जोड़ी को 6-3, 0-6, 10-5 से हराया।

ज्योतिषी पिता की भविष्यवाणी से टीम इंडिया तक का सफर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट में उभरती हुई बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा का सफर मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास की मिसाल बनकर सामने आया है। ग्वालियर की रहने वाली 20 वर्षीय वैष्णवी ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भारत के लिए डेब्यू किया और अपनी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा। दिलचस्प बात यह है कि उनके क्रिकेटर बनने की भविष्यवाणी उनके पिता नरेंद्र शर्मा ने सालों पहले कर दी थी। पेशे से ज्योतिषी नरेंद्र शर्मा ने वैष्णवी की कुंडली देखकर कहा था कि उनका भविष्य खेलों से जुड़ा होगा। वैष्णवी बताती हैं कि उनका खेलों से रिश्ता बहुत छोटी उम्र में शुरू हो गया था। जब वह सिर्फ चार साल की थीं, तभी उन्होंने खेलों की ओर कदम बढ़ा दिया था। पिता की भविष्यवाणी ने परिवार को यह भरोसा दिया कि बेटी को खेलों में आगे बढ़ने का पूरा मौका मिलना चाहिए। 11-12 साल की उम्र में वैष्णवी ने मध्य प्रदेश के लिए अपना पहला अंडर-16 मुकाबला खेला। उस समय यह टूर्नामेंट बीसीसीआई के तहत नहीं आता था, लेकिन यहीं से उनके क्रिकेट करियर की असली शुरुआत मानी जाती है। श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में वैष्णवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके और संयुक्त रूप से भारत की सबसे सफल गेंदबाज रहीं। वह कहती हैं कि क्रिकेट उनके लिए सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि जुनून है। मैदान पर उतरते ही वह बाकी सारी बातें भूल जाती हैं, क्योंकि क्रिकेट खेलने से जो सुकून और खुशी मिलती है, उसकी तुलना किसी और चीज से नहीं की जा सकती। हालांकि, उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। महिला प्रीमियर लीग की नीलामी में नाम आने के बावजूद जब किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना, तो उन्हें निराशा जरूर हुई।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चिप मांग के दम पर सैमसंग 13.8 अरब डॉलर तक पहुंचा

सोल,11 जनवरी (एजेंसियां) । चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अब तक का सर्वाधिक परिचालन लाभ दर्ज कर नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी के चीप की जबरदस्त मांग के चलते चौथी तिमाही का परिचालन लाभ पहली बार करीब 13.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया। सैमसंग की प्रारंभिक अर्निंग रिपोर्ट के अनुसार यह लाभ पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 200 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। यदि अंतिम आंकड़े भी इसी स्तर पर रहते हैं, तो यह सैमसंग के इतिहास में पहली बार होगा जब तिमाही मुनाफा 20 ट्रिलियन वॉन के पार जाएगा। इस अवधि में कंपनी की कुल बिक्री 22.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 93 ट्रिलियन वॉन रही, जो अब तक की सबसे ऊंची तिमाही बिक्री है। यह भी पहली बार है जब सैमसंग की तिमाही बिक्री 90 ट्रिलियन वॉन से अधिक दर्ज की गई है, हालांकि शुद्ध लाभ के आंकड़े अभी जारी नहीं किए गए हैं। योनहाप इंफोमैक्स के सर्वे के अनुसार कंपनी का परिचालन लाभ बाजार अनुमानों से 1.8 प्रतिशत अधिक रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि सैमसंग के डिवाइस सॉल्यूशंस डिवीजन, जिसमें सेमीकंडक्टर कारोबार शामिल है, ने इस मजबूत प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई। चौथी तिमाही में डीआरएएम और नैंड फ्लैश की वैश्विक कीमतों में करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे डीएस डिवीजन का परिचालन लाभ 16 से 17 ट्रिलियन वॉन तक पहुंचने का अनुमान है। मोबाइल फोन कारोबार से करीब 2 ट्रिलियन वॉन का मुनाफा होने की संभावना है।

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल वर्ज टीएस प्रो पेश

नई दिल्ली। फिनलैंड की कंपनी वर्ज मोटरसाइकिल्स ने दुनिया की पहली सॉलिड-स्टेट बैटरी वाली प्रोडक्शन इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल वर्ज टीएस प्रो को पेश किया है। अब तक सॉलिड-स्टेट बैटरी तकनीक केवल प्रयोगशालाओं या कॉन्सेप्ट मॉडलों तक सीमित थी, लेकिन वर्ज ने इसे व्यावहारिक प्रोडक्शन मॉडल के रूप में पेश करने का दावा किया है। सीईएस 2026 में लॉन्च हुई यह बाइक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में तकनीक के लिहाज से एक नए युग की शुरुआत मानी जा रही है। कंपनी के अनुसार टीएस प्रो में इस्तेमाल की गई सॉलिड-स्टेट बैटरी पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में ज्यादा सुरक्षित और टिकाऊ है। इसमें तरल या जेल इलेक्ट्रोलाइट की जगह ठोस इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग किया गया है, जिससे ओवरहीटिंग और थर्मल रनअवे जैसी समस्याओं का जोखिम काफी कम हो जाता है। इसके साथ ही बैटरी की ऊर्जा दक्षता और जीवनकाल में भी सुधार होने की बात कही गई है। वर्ज टीएस प्रो को सीसीएस2 फास्ट-चार्जिंग सपोर्ट के साथ पेश किया गया है। कंपनी का दावा है कि उपयुक्त चार्जर मिलने पर यह मोटरसाइकिल केवल 10 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। अलग-अलग बैटरी विकल्पों के चलते इसकी रेंज को भी सेगमेंट में सबसे बेहतर बताया जा रहा है। इस मोटरसाइकिल की एक और खास पहचान इसका हबलेस इन-व्हील मोटर डिजाइन है, जिसमें पारंपरिक ड्राइवशाफ्ट या चेन की जरूरत नहीं होती।

न्यूज ब्रीफ

एनएसई आईपीओ को राहत, सेबी से मिल सकता है एनओसी

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आईपीओ को लेकर एक अहम और सकारात्मक खबर सामने आई है। देश के बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से एनएसई को इसी महीने नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिलने की संभावना है। यह जानकारी सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। सेबी के चेयरमैन ने कहा कि महीने के अंत से पहले एनएसई को मंजूरी मिल सकती है। इसके बाद आईपीओ की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना पूरी तरह से एनएसई पर निर्भर करेगा। एनओसी मिलने से एनएसई के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होने का रास्ता साफ हो जाएगा। एनएसई का आईपीओ वर्ष 2016 से लंबित है। को-लोकेशन और डार्क फाइबर एक्सेस से जुड़े नियामकीय और कानूनी मामलों के चलते आईपीओ प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। एनएसई ने 2016 में डीआरएचपी दाखिल किया था और इसके बाद कई बार सेबी से एनओसी के लिए संपर्क किया। सीईओ के अनुसार, एनओसी मिलने के बाद एक्सचेंज को लिस्ट होने में करीब 8 से 9 महीने का समय लग सकता है। उल्लेखनीय है कि एनएसई के पास पहले से ही लगभग 1.72 लाख शेयरहोल्डर्स हैं और कंपनी में किसी प्रमोटर की हिस्सेदारी नहीं है।

इस सप्ताह दो कंपनियां अपने निवेशकों को देंगी बोनस शेयर

नई दिल्ली । इस हफ्ते शेयर दो कंपनियां अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने परविचार कर रही हैं। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एआईआईएल) ने अपने शेयरधारकों को 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि जिन निवेशकों के पास 1 शेयर है, उन्हें 4 अतिरिक्त बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इसके लिए 13 जनवरी 2026 को एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के नाम रिकॉर्ड में होंगे, वही इस बोनस इश्यू के हकदार होंगे। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में सक्रिय है और यह कदम निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। वहीं एग्रोकेमिकल सेक्टर की कंपनी बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड भी अगले हफ्ते बोनस शेयर जारी करेगी। कंपनी ने 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर देने का निर्णय लिया है। यानी जिन निवेशकों के पास 2 शेयर हैं, उन्हें 1 अतिरिक्त शेयर मिलेगा। इसके लिए कंपनी ने 16 जनवरी 2026 को एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मंदिर में ...

जिन्होंने आरोपी पर मंदिर परिसर में मूत्र त्यागने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कथित तौर पर कुछ व्यक्तियों को मंदिर के बाहर एक व्यक्ति को कथित कार्य के बारे में पूछताछ के बाद पीटते हुए दिखाया गया है। पुलिस ने कहा कि वे आरोपी की पृष्ठभूमि और पिछला इतिहास सत्यापित कर रहे हैं और आगे की कार्रवाई कानून के अनुसार सख्ती से की जाएगी।

राजनीतिक प्रतिक्रिया और विवाद

तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मंदिर का दौरा किया और इस घटना को ''धार्मिक अपमानजनक'' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी हिंदुओं पर हमलों में बांग्लादेश और पाकिस्तान से प्रतिस्पर्धा कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, राव ने कहा, ''यद्यपि मैं मानव अधिकारों का सम्मान करता हूं, लेकिन दूसरी ओर 'सर तन से जुदा' की भाषा बोली जाती है, इसलिए इस घटना में पवित्र कट्टा मैसम्मा मंदिर परिसर में मूत्र त्याग कर अपवित्र करने वाले व्यक्ति की एनकाउंटर की मांग की जाती है। मैं कांग्रेस, बीआरएस और छद्म धर्मनिरपेक्ष मीडिया की इस मुद्दे पर चुप्पी पर भी आश्चर्यचकित हूं।''

उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना में भाजपा मूक दर्शक नहीं बनेगी और हिंदू विश्वास, मंदिरों और गरिमा की रक्षा के लिए सड़कों पर लड़ेगी। उन्होंने कहा ''हिंदू चुप नहीं रहेंगे। विश्वास से समझौता नहीं किया जाएगा''।

पुलिस की अपील और कानून-व्यवस्था

इस बीच, पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया या अन्य मंचों पर अफवाहों या असत्यापित जानकारी पर विश्वास न करें और उन्हें प्रसारित न करें। पुलिस ने जनता के सभी वर्गों से शांति, स्थिरता और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है।

एसबीआई ने एटीएम ट्रांजेक्शन चार्ज बढ़ाए सैलरी अकाउंट होल्डर्स पर ज्यादा असर

दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी

नई दिल्ली,11 जनवरी (एजेंसियां) । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने एटीएम ट्रांजेक्शन चार्जेस में बदलाव किया है। यह संशोधन इंटरचेंज फीस बढ़ने के कारण किया गया है। नए नियमों का असर मुख्य रूप से उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो एसबीआई खाते के बावजूद दूसरे बैंकों के एटीएम का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। पर्सनल सेगमेंट के साधारण सेविंग्स अकाउंट (बीएसबीडी, केसीसी और सैलरी पैकेज को छोड़कर) में दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन (फाइनेंशियल और नॉन-फाइनेंशियल) की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी। हालांकि, फ्री लिमिट के बाद कैश विड्रॉल पर चार्ज बढ़ाकर 23 रुपये के साथ जीएसटी कर दिया गया है, जो पहले 21 रुपये के साथ जीएसटी था। वहीं बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट जैसे नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर अब 11 रुपये के साथ जीएसटी देना होगा, पहले यह 10 रुपये के साथ जीएसटी था। अब तक सैलरी पैकेज सेविंग्स अकाउंट पर दूसरे बैंक के एटीएम से अनलिमिटेड फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा मिलती थी। लेकिन नए नियमों के तहत इसे घटाकर 10 फ्री ट्रांजेक्शन प्रति माह कर दिया गया है। फ्री लिमिट खत्म होने के बाद कैश विड्रॉल पर 23 रुपये के साथ और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर 11 रुपये के साथ जीएसटी देना होगा। बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) अकाउंट होल्डर्स के लिए चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके अलावा एसबीआई डेबिट कार्ड से एसबीआई के अपने एटीएम या एडीडब्ल्यूएम पर ट्रांजेक्शन पहले की तरह मुफ्त रहेंगे। योनो के जरिए कार्डलेस कैश विड्रॉल भी अनलिमिटेड फ्री रहेगा। एसबीआई ने ग्राहकों को अतिरिक्त चार्ज से बचने के लिए यूपीआई, योनो ऐप और डिजिटल ट्रांजेक्शन का अधिक इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

केटीएम ने अपनी ऑल-न्यू आरसी 160 बाइक को किया लॉन्च

नई दिल्ली। केटीएम ने अपनी ऑल-न्यू आरसी 160 बाइक को लॉन्च कर दिया है। केटीएम की पहचान रहे रेसिंग डीएनए की झलक इस मॉडल में भी साफ दिखाई देती है। यह बाइक खास तौर पर उन युवाओं और नए राइडर्स को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जो सीमित बजट में रेसिंग फील और ट्रैक-फोक्ड परफॉर्मेंस का अनुभव करना चाहते हैं। कंपनी ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत 1.85 लाख रुपये रखी है और यह बाइक देशभर के केटीएम डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगी। केटीएम आरसी 160 को केवल एंट्री-लेवल स्पोर्ट्स बाइक के रूप में नहीं, बल्कि रेसिंग की दुनिया में एक मजबूत शुरुआत के तौर पर पेश किया गया है। कंपनी का फोकस उन राइडर्स पर है, जो पहली बार स्पोर्ट्स बाइक सेगमेंट में कदम रख रहे हैं और परफॉर्मेंस व कंट्रोल के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहते। यह बाइक रोजमर्रा की सवारी के साथ-साथ ट्रैक डे के लिए भी पूरी तरह सक्षम मानी जा रही है। डिजाइन के मामले में आरसी 160 में आरसी सीरीज का एग्रेसिव और फुल-फेयर्ड लुक देखने को मिलता है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 37 मिमी इनवर्टेड फ्रंट फोर्क्स, रियर मोनोशॉक, डुअल-चैनल एबीएस के साथ सुपरमोटो मोड, बड़े डिस्क ब्रेक, स्लिपर क्लच और इलेक्ट्रॉनिक फ्यूल इंजेक्शन जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। 13.75 लीटर का फ्यूल टैंक और ऑल-एलईडी लाइटिंग इसे ज्यादा प्रैक्टिकल बनाते हैं। कुल मिलाकर केटीएमआरसी 160 कम बजट में स्टाइल, टेक्नोलॉजी और रेसिंग इंस्पायर्ड परफॉर्मेंस का संतुलित पैकेज पेश करती है। शार्प बॉडी पैनल्स, एयरोडायनामिक प्रोफाइल और स्पोर्टी स्टांस इसे सड़क पर भी रेस बाइक जैसा आकर्षण देते हैं। मजबूत ट्रेलिस फ्रेम, संतुलित चेसिस और प्रिसीजन हैंडलिंग कॉर्नरिंग और तेज रफ्तार के दौरान बेहतर भरोसा दिलाते हैं।

टाटा समूह की इस कंपनी को हुआ 196.55 करोड़ का घाटा......मुख्य वजह सरकारी कंपनी

मुंबई,11 जनवरी (एजेंसियां) । टाटा ग्रुप की टेलीकॉम इक्युपमेंट बनाने वाली घरेलू कंपनी तेजस नेटवर्क्स ने तिमाही नतीजे जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी को 196.55 करोड़ का घाटा हुआ है। इसकी मुख्य वजह बीएसएनएल से खरीद ऑर्डर का टालना और कम बिक्री होना है। कंपनी ने एक साल पहले 165.67 करोड़ का मुनाफा कमाया था। तिमाही में तेजस नेटवर्क्स का परिचालन राजस्व करीब 88 प्रतिशत घटकर 306.79 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में करीब 2,642 करोड़ रुपये था।

बता दें कि यह कंपनी सीडाट-टीसीएस कंसोर्टियम के हिस्से के तौर पर सरकारी बीएसएनएल के 4जी नेटवर्क के लिए एक मुख्य वेंडर रही है और नेटवर्क राउटर की सबसे बड़ी सप्लायर होने का दावा है। इस तिमाही के दौरान, बीएसएनएल से 18,000 साइट्स के लिए 1526 करोड़ का परचेज ऑर्डर लेट हो गया। रिपोर्ट की गई तिमाही में तेजस नेटवर्क के रेवेन्यू मिक्स का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा, ऑपरेटिंग रेवेन्यू को छोड़कर, घरेलू बाजार से था और 15 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय बाजार से था। कंपनी ने कहा कि उसने दिसंबर 2025 तिमाही में 2363 करोड़ का इंवैंट्री बनाए रखा है, जिसे आने वाले महीनों में तैयार माल में बदलकर शिप किया जाएगा। कंपनी का दावा है कि भारत में पोर्ट्स और माइंस में एप्लीकेशंस के लिए प्राइवेट 5जी डिप्लॉयमेंट के कई ऑर्डर मिले हैं और इंडियन रेलवे के कवच पायलट के लिए दिल्ली-मुंबई रेलवे कॉरिडोर के एक सेक्शन पर 5जी रेडियो नेटवर्क सप्लायर के तौर पर चुना गया है।

कंपनी को रिपोर्ट किए गए क्वार्टर के दौरान मार्च 2025 क्वार्टर के लिए पीएलसी इंसेंटिव के तौर पर 84.95 करोड़ भी मिले, जिससे स्कीम के तहत कंपनी को मिले कुल इंसेंटिव की रकम 397 करोड़ हो गई। बीते शुक्रवार को तेजस नेटवर्क्स के शेयर 5.68 प्रतिशत टूटकर 416.70 रुपये पर बंद हुआ। शेयर का ट्रेडिंग रेंज 443.15 से 410 रुपये के बीच रहा। शेयर के 52 हफ्ते का लो 410 रुपये है। जनवरी 2025 में शेयर 1,150 रुपये का था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। बता दें कि तेजस नेटवर्क्स टाटा ग्रुप की कंपनी है।

ब्रूसेल्स में मोटर शो में एनआईओ ईपी 9 कार पेश की गयी। ब्रूसेल्स मोटर शो का यहां 102 वां सत्र चल रहा है।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट से सतर्क हुए निवेशक

तीन महीनों में चांदी की कीमत लगभग आधी होने की संभावना

नई दिल्ली,11 जनवरी (एजेंसियां) । **चांदी और सोने की कीमतों में हाल ही में आई गिरावट ने निवेशकों का ध्यान खींचा है। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत लगभग 9,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिर गई है, जबकि सोने में 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमी दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि इस गिरावट के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजारों का दबाव, डॉलर की मजबूती और निवेशकों का सतर्क रुख मुख्य कारण हैं।**

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 80 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर टिक नहीं पा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले महीनों में कीमतों में और गिरावट हो सकती है। मार्च वायदा भाव 78 डॉलर प्रति औंस पर घट गया है और दीर्घकालिक लक्ष्य 40 डॉलर प्रति औंस निर्धारित किया है। उनका अनुमान है कि अगले तीन महीनों में चांदी की कीमत लगभग आधी हो सकती है। विशेषज्ञ निवेशकों को जल्दबाजी से बचने की सलाह दे रहे हैं। चांदी की कीमतें पहले से गिर रही हैं और आने वाले समय में और गिर सकती हैं। हालांकि, दीर्घकालिक निवेशकों के लिए यह एक अवसर भी साबित हो सकता है। निवेश करने से पहले वित्तीय विशेषज्ञ की सलाह लेना आवश्यक है, ताकि जोखिम को कम किया जा सके। बाजार फिलहाल अस्थिर है और चांदी तथा सोने की कीमतें समय-समय पर बदल रही हैं। अल्पकालिक खरीदारी जोखिम भरी हो सकती है, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने वाले निवेशकों के लिए गिरती कीमतें लाभ का अवसर प्रदान कर सकती हैं।

महानगरों से बाहर व्यक्तिगत परिवहन की मांग हो रही मजबूत

नई दिल्ली,11 जनवरी (एजेंसियां) । साल 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि ग्रामीण बाजारों में कहीं अधिक मजबूत रही। जहां शहरी क्षेत्रों में यात्री वाहनों की बिक्री 8 प्रतिशत बढ़ी, वहीं ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि 12 प्रतिशत दर्ज की गई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि ग्रामीण भारत अब देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर की विकास कहानी में अहम भूमिका निभा रहा है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा (फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन) के यह आंकड़े इस बात की ओर इशारा करते हैं कि महानगरों से बाहर व्यक्तिगत परिवहन की मांग लगातार मजबूत हो रही है। फाडा के मुताबिक, 2025 के दौरान ग्रामीण बाजारों में कुल 44.7 लाख यात्री वाहन बिके, जबकि 2024 में यह संख्या 41 लाख थी। इसके साथ ही वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली। कुल यात्री वाहन बिक्री का लगभग 33 प्रतिशत हिस्सा सीएनजी, हाइब्रिड

और इलेक्ट्रिक वाहनों का रहा। सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 2.4 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी में हल्की गिरावट आई और यह 8.7 प्रतिशत से घटकर 8.2 प्रतिशत रह गई। दूसरी ओर पारंपरिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी में कमी देखी गई।

पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की बिक्री हिस्सेदारी 2024 के 52 प्रतिशत से घटकर 2025 में 49 प्रतिशत रह गई, जबकि डीजल वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही। यह रुझान साफ तौर पर दिखाता है कि उपभोक्ता धीरे-धीरे वैकल्पिक और किफायती ईंधन विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। दिसंबर महीने में भी वाहन बिक्री की रफ्तार बनी रही। सालाना आधार पर दिसंबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 26.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। खासतौर पर ग्रामीण बाजारों में दिसंबर के दौरान बिक्री 32.40 प्रतिशत तक बढ़ गई। दिसंबर 2024 में जहां 2,99,799 वाहन बिके थे, वहीं दिसंबर 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 3,79,671 यूनिट हो गया। फाडा के अध्यक्ष सीएस विघ्नेश्वर के अनुसार, इस मजबूत प्रदर्शन के पीछे कई कारक रहे। उन्होंने बताया कि अच्छी फसल पैदावार, अनुकूल मॉनसून और सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य ने ग्रामीण आय को सहारा दिया। इसके अलावा जीएसटी में कटौती, आयकर में राहत और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दरों में कमी से भी ग्रामीण उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता बढ़ी। कुल मिलाकर 2025 में भारत की कुल खुदरा वाहन बिक्री 2.82 करोड़ इकाई रही। दोपहिया वाहनों की बिक्री में 7.24 प्रतिशत, यात्री वाहनों में 9.70 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों में 6.71 प्रतिशत और ट्रैक्टरों की बिक्री में 11.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर 2025 में उद्योग ने 20.3 लाख वाहनों की खुदरा बिक्री की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 14.63 प्रतिशत अधिक रही।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 12 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डेटा कमेटी द्वारा अभिभावक मिलन सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा संचालित अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डेटा कमेटी के तत्वावधान में रविवार को अभिभावक मिलन सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य समाज में उपस्थित विवाह योग्य युवाओं एवं युवतियों के बायोडाटा एकत्रित करना तथा विवाह संबंध स्थापित करने में अभिभावकों को एक मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के श्रीचरणों में पुष्प अर्पित कर किया गया।

300 से अधिक अभिभावकों की सहभागिता, 100 नए बायोडाटा प्राप्त

इस सम्मेलन में लगभग 300 अभिभावकों ने भाग लिया तथा समिति को करीब 100 नए बायोडाटा प्राप्त हुए। इसके साथ ही पूर्व में उपलब्ध बायोडाटा को भी सामयिक (अपडेट) किया गया, जिससे डाटा को अधिक उपयोगी बनाया जा सके।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, मानद मंत्री विकास केसान तथा अचल गुप्ता का सम्मान किया गया।

निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए मैरिज डेटा कमेटी एवं बायोडाटा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और समाज के सभी बंधुओं से अपनी विवाह योग्य संतानों के बायोडाटा खुलकर समाज से साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए समिति को बधाई दी तथा अभिभावकों की बड़ी उपस्थिति को देखते हुए आगामी कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाने का सुझाव दिया।

समाज से जुड़ाव और सामूहिक प्रयास पर दिया गया जोर

समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने समाज के प्रत्येक व्यक्ति से समाज से सक्रिय रूप से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा संचालित यह एकमात्र मैरिज डेटा कमेटी है। उन्होंने स्वयं अपने परिवार का बायोडाटा देकर समाज के बंधुओं को भी समाज के माध्यम से विवाह संबंध स्थापित करने हेतु प्रेरित किया तथा कार्यक्रम की सफलता पर कमेटी को बधाई दी।मानद मंत्री विकास केशान ने समाज में विवाह संबंधों में आ रही कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए इस प्रकार के आयोजनों को समय-समय पर करने की आवश्यकता पर बल दिया।

26 वर्षों में पहली बार हुआ ऐसा सम्मेलन

मैरिज डेटा कमेटी के चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना के 26 वर्षों के इतिहास में पहली बार इस प्रकार का अभिभावक मिलन सम्मेलन आयोजित किया गया है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बायोडाटा समाज से साझा करने के साथ-साथ उसमें पूर्ण एवं सही जानकारी दें तथा विवाह संपन्न होने के पश्चात समाज को इसकी सूचना अवश्य दें। उन्होंने समाज में विवाह संबंधों को लेकर बढ़ रही कठिनाइयों पर भी चिंता व्यक्त की।मैरिज डेटा कमेटी के संयोजक सतीश अग्रवाल ने वाइस चेयरमैन लक्ष्मी नारायण स्नेही, सुनील मित्तल, गोविंद राम अग्रवाल एवं अशोक जिंदल के साथ अभिभावकों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर बायोडाटा एकत्रित किए। पुराने बायोडाटा को भी इस अवसर पर सामयिक किया गया।

सहयोगियों का आभार, भविष्य में ऐसे आयोजन जारी रहेंगे

समिति ने सभी केंद्रीय पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। अग्रवाल समाज तेलंगाना कार्यालय के पवन डोकानिया, श्रीमती शीतल अग्रवाल, शिवा कुमार एवं राजू को कार्यक्रम में भरपूर सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। उपस्थित सभी अभिभावकों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी।कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए समिति ने यह निर्णय लिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के अभिभावक मिलन सम्मेलन समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि समाज के बंधुओं को विवाह संबंध स्थापित करने में निरंतर सहयोग मिल सके।

सेवा के बदले मिलती है मेवा : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा, करुणा और मानवता का प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर समाजसेविका राजकुमारी अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा के बदले मेवा अवश्य मिलती है। ईश्वर निस्वार्थ भाव से की गई सेवा को कभी व्यर्थ नहीं जाने देता और सेवा करने वालों की हर संभव सहायता करता है।उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों, रोगियों और असहाय लोगों की सेवा करना ही सच्ची भक्ति है। जब हम किसी पीड़ित व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तभी हमारा जीवन सार्थक होता है। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था बिना किसी भेदभाव के समाज के हर जरूरतमंद तक सहायता पहुँचाने का कार्य कर रही है, जो वास्तव में अनुकरणीय है।राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में सेवा और संवेदना की भावना को जीवित रखना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे सेवा कार्यक्रम न केवल जरूरतमंदों को राहत देते हैं, बल्कि समाज में भाईचारे और सकारात्मकता का भी संचार करते हैं।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, वंश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, रणधीर सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की प्रोफेशनल कमेटी की महत्वपूर्ण सभा आयोजित

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की प्रोफेशनल कमेटी की एक महत्वपूर्ण सभा केंद्रीय कार्यालय, राघव रतन टावर, एबिड्स में आयोजित की गई। यह जानकारी कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।सभा में समाज की सभी शाखाओं से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स को एक मंच पर लाने के प्रस्ताव पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस विषय पर उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में सहमति व्यक्त करते हुए प्रस्ताव का अनुमोदन किया।सभा में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि प्रत्येक क्षेत्र जैसे डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), एडवोकेट, कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) आदि से 5 या 10 प्रोफेशनल्स का चयन किया जाएगा, जो समाज के सदस्यों को निशुल्क सहायता एवं कंसल्टेशन प्रदान करेंगे।इन सभी चयनित प्रोफेशनल्स की सूची समाज की वेबसाइट एवं संबंधित व्हाट्सएप/सोशल मीडिया ग्रुप्स में प्रकाशित की जाएगी, जिससे समाज के सदस्य अपनी आवश्यकताओं के अनुसार उचित सलाह प्राप्त कर सकें।अंत में यह भी निर्णय लिया गया कि विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स को एकत्रित कर एक संयुक्त सभा आयोजित की जाएगी, जिसमें समाज के हित, सहयोग और सामूहिक विकास के लिए आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी।इस सभा में प्रोफेशनल कमेटी के चेयरमैन एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सीए ऋषभ अग्रवाल, सीए जयप्रकाश गोयल तथा विशेष अतिथि के रूप में अगर मंजूषा के संपादक अशोक आर. दाणी उपस्थित रहे।

बावलियां बाबा की फिल्म रही हाउसफुल, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पंडित गणेश नारायणजी बावलियां बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन प्रसाद प्राइवेट थिएटर में किया गया। यह आयोजन श्री गणेश नारायण फाउंडेशन एवं चिड़ावा नागरिक संघ के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें फिल्म के कुल तीन शो प्रसारित किए गए। ट्रस्टी शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि सदस्यों की भारी मांग को देखते हुए फिल्म के तीन शो रखे गए थे, जो तीनों ही हाउसफुल रहे। फिल्म में पंडित गणेश नारायणजी के जीवन, साधना एवं उनके चमत्कारों का प्रभावशाली चित्रण किया गया, जिसे सभी आयु वर्ग के दर्शकों ने भाव-विभोर होकर देखा और बाबा के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।सदस्यों की मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि 23 जनवरी को श्री खेमदास मठ, चूड़ीबाजार में आयोजित होने वाली मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के पश्चात इस फिल्म का पुनः प्रदर्शन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु बाबा के जीवन दर्शन से लाभान्वित हो सकें। मुख्य प्रायोजक बृजमोहन पपरुनिया एवं अल्पाहार के प्रायोजक नीरज केडिया रहे, जिनका सम्मान पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विकास मोदी, विकास केडिया, गोपाल भालोठिया, शिशिर केडिया, अमित मोदी, कृष्ण कुमार केडिया, मनीष शर्मा सहित अनेक सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

जन सेवा संघ उत्तर संभाग की बैठक सम्पन्न, हनुमानपेट क्षेत्रीय समिति का गठन

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ उत्तर संभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक हनुमानपेट क्षेत्र में संपन्न हुई। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह बैठक नार्थ जोन के जोनल प्रेसिडेंट राधेश्याम राय यादव की अध्यक्षता में तथा पी.पी. पांडेय एवं मदन लाल रावल के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान हनुमानपेट क्षेत्र में जन सेवा संघ की गतिविधियों को विस्तार देने तथा क्षेत्रीय समिति के गठन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित सदस्यों से संगठन को क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से हनुमानपेट क्षेत्रीय समिति का गठन किया गया, जिसमें- अध्यक्ष: कैलाश जोशी, उपाध्यक्ष: दुर्गा रामजी, सचिव: भूर सिंह राजपुरोहित, संयुक्त सचिव: सोहन सिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष: कानाराम चौधरी और कार्यकारिणी सदस्य: बाबूलाल जाट, जयप्रकाश कोलारिया, तेजाराम मेघवाल, सुपाराम चौधरी, लालचंद प्रजापति शामिल हैं।

इस अवसर पर जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे, पी.पी. पांडेय, मदन लाल रावल, राधेश्याम राय यादव, राजेंद्र सिंह सेंगर, संगीता चौहान, विमल सैन, कैलाश शौरी, दुर्गाराम चौधरी, तुलसाराम, वंश लाल, नानाराम सिरवी, पारस कुमावत, महेंद्र प्रजापत, अनिल कुमावत, जयराम कुमावत, शिवा भाटी, सोहन सिंह, कांतिलाल, प्यारेलाल गांधी, रूपाराम चौधरी, कालू सिंह, भूर सिंह राजपुरोहित, तेपाराम मेघवाल, जयप्रकाश कोलारिया, हरी किरण कोलारिया, वंश लाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा द्वारा नववर्ष पर मासिक मेल-मिलाप सभा आयोजित

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा द्वारा नववर्ष के शुभ अवसर पर लोअर टैंकबंड स्थित श्री जगदीश मंदिर में विराजमान महाराजा श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात मासिक मेल-मिलाप सभा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का आरंभ महाराजा श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर तथा पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने नववर्ष में समाज की एकता, सहयोग और सेवा भाव को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंदिर के स्वामी राजकुमार-सतवंती सरायवाला, शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, सचिव प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रोशन लाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य अनिल गर्ग, पूर्व अध्यक्ष गिरधारी लाल गुप्त, दिनेश अग्रवाल एवं विजय जिंदल उपस्थित रहे।कार्यक्रम में कार्यक्रम संयोजक अजय डालमिया एवं उमेश गुप्ता, मासिक मेल-मिलाप सभा के संयोजक अजय गुप्ता सहित कार्यकारिणी सदस्य, शाखा सदस्य एवं अन्य समाजबंधु उपस्थित थे। सभी की सहभागिता से यह कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

चाइनीज मांझा विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण एवं लायंस इंटरनेशनल 320डी के संयुक्त तत्वावधान में जीव-जंतु कल्याण विभाग के चेयरमैन प्रेमचंद मुनोत के नेतृत्व में राष्ट्रीय जीव-जंतु कल्याण पखवाड़ा के अंतर्गत चादरघाट स्थित गणेश गोशाला में हरा चारा वितरण कार्यक्रम भव्य रूप से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा कि बाजार में बिकने वाला चाइनीज मांझा अब केवल पतंग उड़ाने का साधन नहीं, बल्कि एक जानलेवा हथियार बन चुका है। कांच के पाउडर और नायलॉन के मिश्रण से बना यह मांझा न केवल इंसानों के गले और शरीर के अंगों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि आकाश में उड़ने वाले बेजुबान पक्षियों के लिए भी यह अदृश्य काल सिद्ध हो रहा है, जिसके कारण हजारों पक्षियों की मौत हो रही है।

उन्होंने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एवं राज्य सरकारों द्वारा पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद हैदराबाद शहर में

चाइनीज मांझा धड़ल्ले से बिक रहा है, जो प्रशासन की उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने चिंता जताई कि तेलंगाना राज्य में जीव-जंतुओं पर हिंसा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। महेश अग्रवाल ने सभी लायंस क्लबों से आग्रह किया कि वे लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण की तर्ज पर आगे आएं और किसी न किसी गोशाला में अपनी सेवाएं दें, ताकि राज्य में एक भी गोवंश भूखा न रहे।

विशेष अतिथि श्री पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि गोसेवा से न केवल पुण्य की प्राप्ति होती है, बल्कि इससे मन को शांति, घर में सुख-समृद्धि और समाज में खुशहाली आती है।

इस अवसर पर रिदेश जागीरदार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और कृषि की रीढ़ गोवंश है। गोबर से बनी जैविक खाद धरती को उपजाऊ बनाती है, जिससे हमें शुद्ध एवं पौष्टिक अन्न प्राप्त होता है।

जीव-जंतु कल्याण विभाग के चेयरमैन श्री प्रेमचंद मुनोत ने बताया कि 31 जनवरी तक राष्ट्रीय जीव-जंतु कल्याण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे केवल गोमाता ही नहीं, बल्कि कार्यक्रम के अंत में गणेश गोशाला के प्रबंधक श्री ओम प्रकाश ने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कुमावत समाज तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर तिलायचा सोनाराम कुमावत का कुमावत समाज सिकंदराबाद-हैदराबाद, किसरा के अध्यक्ष पप्पूलाल बाकरेचा व समस्त पदाधिकारीयों व अन्य द्वारा भव्य स्वागत किया।

मातृ हस्तेन भोजन कार्यक्रम एवं रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 11 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निंबो-लीअड्डा, काचीगुड़ा स्थित श्री सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में संक्रांति पर्व के अवसर पर मातृ हस्तेन भोजन कार्यक्रम एवं रंगोली प्रतियोगिता का उत्सवपूर्ण वातावरण में आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।प्रतियोगिता के दौरान बनाई गई सुंदर एवं आकर्षक रंगोलियों से विद्यालय परिसर पर्व के रंग में और अधिक शोभायमान हो उठा। पूरे वातावरण में उत्साह, उल्लास और सांस्कृतिक भावनाओं की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम अत्यंत भव्य, सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने कार्यक्रम पर अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा आयोजन की व्यवस्था, अनुशासन एवं किए गए प्रबंधों की खुले मन से प्रशंसा की।

कार्यक्रम की सफलता में सहयोग प्रदान करने वाले सभी समिति सदस्यों के प्रति विद्यालय परिवार ने हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही, इस अवसर पर समिति सदस्य श्रीमती लिखिता की सक्रिय सहभागिता एवं योगदान की जानकारी साझा करते हुए विशेष प्रसन्नता व्यक्त की गई।

मांझा से बचें - कबूतरों को बचाएं : सहयोग संगठन की अपील

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सहयोग संगठन, एक युवा आधारित पशु अधिकार कार्यकर्ता समूह, ने मकर संक्रांति पर्व के दौरान चीनी मांझा के इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी जारी की है। संगठन का कहना है कि हर जनवरी में हैदराबाद शहर हजारों पक्षियों की बलि लेता है, जो पतंगबाजी के उत्साह का शिकार होते हैं।

चीनी मांझा, कांच से लेपित धागे, पक्षियों के मांस और हड्डियों को काट देते हैं। शिविर में लाए गए पक्षियों के शरीर में गहरे कट, चोटें और यहां तक कि कांच के टुकड़े भी धंसे मिलते हैं। पतंगों की संख्या में वृद्धि के साथ पक्षियों के साथ टक्कर की घटनाएं भी बढ़ी हैं। लोग खतरनाक धागों का उपयोग करना जारी रखते हैं, पक्षियों को होने वाले नुकसान की परवाह किए बिना।सहयोग संगठन ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे पतंगबाजी उत्सव के दौरान इन सावधानियों को बरतें। जिसमें- चीनी मांझा या कांच लेपित धागों का उपयोग न करें। बेहतर होगा कि पतंगबाजी न करें या बिना कांच और लोहे के लेप वाले साधारण धागे का उपयोग करें। मांझा के बचे हुए टुकड़ों को सावधानीपूर्वक नष्ट करें ताकि पक्षी उलझ न जाएं। खुले मैदानों में पतंग उड़ाएं। घायल पक्षी को देखें तो हेल्पलाइन 9394005600 पर कॉल करें। घायल पक्षियों को निकटतम पशु चिकित्सक या कबूतर उपचार केंद्र ले जाएं। मकर संक्रांति के दौरान बिना लेप वाले धागे का उपयोग करें।

चीनी मांझा तेलंगाना राज्य में प्रतिबंधित है। यदि आप किसी को चीनी मांझा बेचते हुए देखें तो कृपया हमारी हेल्पलाइन पर सूचित करें ताकि उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके। सहयोग संगठन और एन एस अहलूवालिया एनिमल सैंक्चुअरी के स्वयंसेवक 16 जनवरी सुबह तक दोपहिया वाहनों पर हैदराबाद शहर में घूमकर घायल पक्षियों की सहायता करेंगे।

बेगम बाजार पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंदों को भोजन व सहायता सामग्री वितरित की गई।इस अवसर पर सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाने वालों में जगत नारायण अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनिल भाई, गोविंद राम जी, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय एवं लता गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे।राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि ऐसे सेवा कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे ताकि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाई जा सके। सभी सेवाभावियों ने मिलकर मानव सेवा को ही सबसे बड़ी सेवा बताते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

श्री गोदा रंगनाथ का विवाहोत्सव भव्यता से सम्पन्न

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सुलतान बाजार स्थित श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर में जारी धनुर्मास महोत्सव के अंतर्गत श्री गोदा रंगनाथ जी के विवाहोत्सव का आयोजन धूमधाम से हुआ। उत्सव के अंतर्गत सवेरे 8.00 बजे भगवान की पालकी शोभा यात्रा मंदिर से निकल कर हश्मतगंज से होती हुई सुल्तान बाजार में भक्तों केस घर पर स्वागत होते हुए वापिस मंदिर में पहुंची। स्वागत यात्रा में भारी संख्या में महिलाओं ने गरबा, डांडिया, कीर्तन प्रस्तुत किया।

मंदिर में 9.00 बजे पहुंचने के बाद भगवान का विवाहोत्सव के अंतर्गत गणेश वन्दा के साथ श्री गोदा रंगनाथ जी के आगमन पर स्वागतम् गोदा स्वागतम् रंगा जी के कीर्तन से मंदिर गूंज उठा।

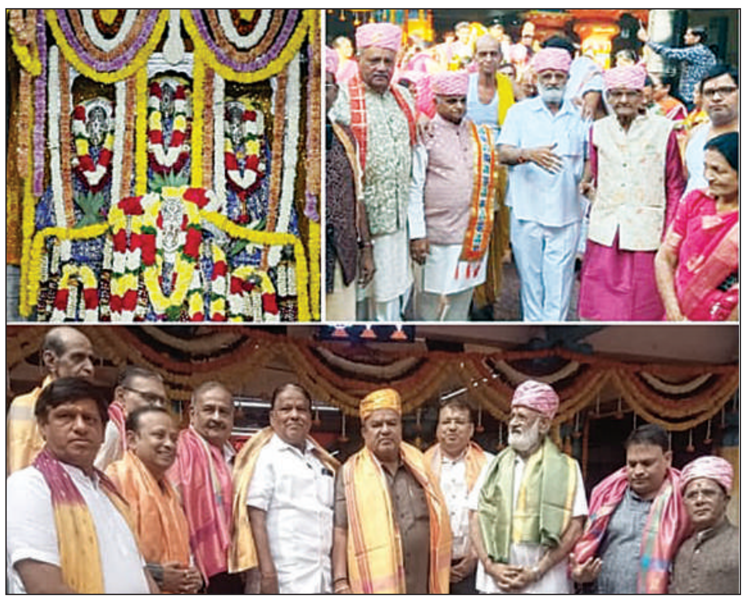

विवाहोत्सव में पधारे महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश बंग, वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी एवं निदेशक अमित लड्ढा, कैलाश मंत्री, विनोद बंग, दीपक बंग, मुकुंदलाल बाहेती एवं हरिनारायण राइी, पूर्व वाईस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी, सीए रामदेव भूतड़ा, कन्हैयालाल राठी का स्वागत मंदिर ट्रस्ट की ओर से पूजारी रमेशचंद्र व्यास, राधेश्याम राठी, सुमित राठी, लक्ष्मीनारायण व्यास, गुलाबचंद देवडा, ब्रदीप्रसाद सारडा, गोपी किशन बंग, देवकिशन नावंदर, भरत कलंत्री, घनश्याम तोषनीवाल, श्रीनिवास लोया, पवन भराडिया, ओमप्रकाश गुप्ता, पुरुष-ोत्तम लाहोटी, हरि अट्टल, वेणु कलंत्री, केसरीमल देवडा द्वारा शॉल एवं पुष्पहार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मंदिर के ट्रस्टी गोविंद नारायण राठी ने अपने संबोधन में विशाल रूप से उपस्थित भक्त समूह को संबोधित करते हुए कहा कि इस एक महीने तक चलने वले धनुर्मास महोत्सव में पधारने वाले सभी भक्तों के प्रति आभार प्रदर्शित करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया और भविष्य में भी मंदिर में आयोजित उत्सवों में भाग लेने का सप्रेम आग्रह किया।

मंदिर के प्रमुख पूजारी रमेशचंद्र व्यास ने इस उत्सव में पधारे हुए सभी वाईस चेयरमैन एवं निदेशकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान की शोभा भक्तों से है और सभी को आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम राठी द्वारा किया गया और 12.01.2026 को श्री गोदा रंगनाथ जी का पावणाचारी उत्सव एवं 13 जनवरी को पूर्ति उत्सव एवं 14 जनवरी को चोली उत्सव के साथ धनुर्मास उत्सव का समापन होगा।

प्लास्टइंडिया फाउंडेशन की स्वच्छता यात्रा का शुभारंभ, दिल्ली के लिए रवाना हुआ विशेष ट्रक

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्लास्टइंडिया फाउंडेशन ने स्विच इको के सहयोग से स्वच्छता यात्रा के अंतर्गत एक विशेष ट्रक को आज टी-हब, हाईटेक सिटी से नई दिल्ली के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल का उद्देश्य प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन और पुनर्चक्रण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।स्वच्छता यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक कचरे को उसके स्रोत पर ही एकत्र कर ट्रक (वैन) में ही उसका रीसायक्लिंग करना तथा उसे उपयोगी वस्तुओं में

परिवर्तित करना है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव और प्रभावशाली प्रयास मानी जा रही है।इस विशेष ट्रक को हैदराबाद स्थित स्विच इको के संस्थापक अक्षय देशपांडे एवं सह-संस्थापक श्रीनिवास ने तेलंगाना सरकार के सहयोग से विकसित किया है। यह ट्रक अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान भारत के सात राज्यों से होकर गुजरेगा और 1 फरवरी को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित प्लास्टइंडिया 26 एक्सपो में प्रदर्शनी हेतु पहुंचेगा।इस कार्यक्रम का उद्घाटन टीएएपीएमए के अध्यक्ष नरेंद्र बल्दवा की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर प्लास्टइंडिया फाउंडेशन के समिति सदस्यों रोहित कानूगा, पद्मजा रेड्डी, डॉ. समीर जोशी, विजय कुमार, विनीत गुप्ता, प्रकाश खेमानी, अनिल रेड्डी वेन्नम सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में टीएएपीएमए के उपाध्यक्ष अरुण लाहोटी, सचिव श्रीनिवास, संयुक्त सचिव किशोर कुमार, पूर्व अध्यक्ष अनिल नागदा, अमदियाला सुधाकर, प्रबंध समिति के सदस्य कमलेश गुप्ता, मा. अलीम तथा टीएएपीएमए और आईपीआई के अन्य सदस्य भी शामिल हुए।

स्वामी विवेकानंद एक्सलेंस अवॉर्ड 2026 से वाकिटि श्रीहरि सम्मानित

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के युवा, खेल एवं पशु पालन मंत्री वाकिटि श्रीहरि को स्वामी विवेकानंद एक्सलेंस अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती के अवसर पर तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल (राज्य शाखा) के तत्वावधान में बंजारा हिल्स स्थित मंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद अपने संबोधन में मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानकर भारत को सही दिशा में आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह दायित्व हम सभी का है, विशेष रूप से युवा पीढ़ी का।उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने न केवल भारत को जागृत किया, बल्कि अमेरिका और इंग्लैंड में अपने व्याख्यानों एवं वाद-विवादों के माध्यम से योग और वेदांत दर्शन को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया, जो उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि है।तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने प्रेरक विचारों से पूरे विश्व को आत्मबंधु बनाया। श्री वाकिटि श्रीहरि पिछले 40 वर्षों से निरंतर जनसेवा में सक्रिय हैं और ग्रामीण विकास व युवा कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। इन्हीं सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस वर्ष का स्वामी विवेकानंद एक्सलेंस अवॉर्ड प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर मंत्री श्री वाकिटि श्रीहरि को अवॉर्ड, शॉल, पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम मेंटी. ए. मुरलीमोहन (राज्य सचिव, तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल), डॉ. रवीतेज चौहान (असिस्टेंट प्रोफेसर, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय), लायन डॉ. कोमटिरेड्डी गोपाल रेड्डी (पर्यावरणविद्), बी. वेंकटेश मुदिराज (कांग्रेस के वरिष्ठ नेता), जी. वेणुगोपाल (काउंसिल समन्वयक), बिच्चुकारी सूर्य सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने मंत्री को बधाई दी और सम्मानित किया।

किरण स्कूल का वार्षिकोत्सव भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बोडुप्पल स्थित किरण इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. श्रीनिवासा रेड्डी, विशेष अतिथि श्रीमती अश्विता वेमुगंटी बांसुरी, विद्यालय के चेयरमैन केवल चंद एवं श्रीमती किरण केवल चंद, मैनेजिंग डायरेक्टर रितेश तथा एकेडमिक डायरेक्टर रूपेश द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, देशभक्ति नृत्य, समूह गान, नाटक सहित विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों को भाव-विभोर कर दिया। विशेष रूप से हास्य पर आधारित नाटक को दर्शकों से भरपूर प्रशंसा मिली। मुख्य अतिथि डॉ. रेड्डी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं विशेष अतिथि श्रीमती अश्विता वेमुगंटी नंदूरी ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भक्तिमय माहौल में कथा सम्पन्न

श्री श्रृंग ऋषि भवन, बेगमबाजार (श्री राधाकृष्ण धाम) में गोलोकवासी श्री जेठमलजी एवं श्रीमती रामकंवरी देवी तिवारी की पावन स्मृति में मोतीलाल विष्णु गोपाल तिवारी परिवार द्वारा जारी श्रीमद् भागवत् कथा का रविवार, 11 जनवरी को समापन हो गया। खचाखच भरे कथा स्थल पर गणमान्य लोगों ने जहाँ तिवारी परिवार को सफल आयोजन की बधाई देते हुए उनका पुष्पहार आदि से सम्मान किया, वहीं तिवारी बंधुओं ने सहयोगियों को स्मृति चिह्न देकर आभार जताया।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा 30 राशन किट वितरित

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा हर माह की भांति जनवरी माह में भी जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को सहायता प्रदान करते हुए 30 राशन किट वितरित किए गए। यह सेवा कार्य हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर परिसर में सम्पन्न हुआ।संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी कि इस माह राशन किट के साथ संक्रांति पर्व को ध्यान में रखते हुए साड़ियाँ भी वितरित की गईं। पिछले आठ महीनों से संस्था द्वारा नियमित रूप से जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को राशन किट प्रदान किए जा रहे हैं।इस सेवा कार्य के प्रायोजक मंगतराय जी, रामकुमार जी परिवार के राधेश्याम जी गुप्ता, केदारनाथ जी अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार) एवं पुरुषोत्तम दास जी, सुरेश कुमार जी पिपड़िया (टंडन) रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्था ने आगामी फरवरी माह से राशन किट की संख्या बढ़ाकर 40 करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए नवंबर माह में राशन किट के साथ कंबल वितरित किए गए थे, दिसंबर माह में स्वेटर बांटे गए तथा जनवरी माह में संक्रांति पर्व के अवसर पर साड़ियाँ वितरित की गईं।इस अवसर पर उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने संस्था के इस सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में प्रायोजक राधेश्यामगुप्ता, श्रीमती यशोदा गुप्ता, सुरेश कुमार टंडन, संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला, रतन गुप्ता, श्रीमती संतोष अग्रवाल, सदस्य मुकेश केडिया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैलाश अग्रवाल एवं गायत्री अग्रवाल के परिवार द्वारा विशेष सेवा प्रदान की गई।

सेवा के प्रकल्प में हर व्यक्ति को जुड़ना चाहिए : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगतनारायण अग्रवाल ने रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान कहा कि सेवा कार्यों से समाज के हर वर्ग को जुड़ना चाहिए, तभी मानवता की सच्ची सेवा संभव हो सकती है।उन्होंने कहा कि आज के समय में जब सामाजिक संवेदनाएं कमजोर होती जा रही हैं, ऐसे में सेवा प्रकल्प समाज को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम बनते हैं। जरूरतमंदों की मदद करना केवल दान नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, और इसी विचारधारा के साथ राधे-राधे ग्रुप लगातार गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचा रहा है।

जगत नारायण अग्रवाल ने बताया कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से अन्नदान, भोजन वितरण तथा अन्य सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य समाज के कमजोर वर्ग को संबल देना है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस पुनीत कार्य से जुड़कर समाज सेवा में अपना योगदान दें।इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), भगतराम गोयल, जयप्रकाश सारडा, बबीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, वंश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुरेश सिंघल, गौरव गोयल, बरखा गोयल तथा रवि शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से सहयोग किया।

रिहायशी इलाके में कब्रिस्तान का विरोध

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एर्रागड्डा की गेटेड कम्युनिटीज़ के सैकड़ों निवासियों ने राज्य सरकार की उस प्रस्तावित योजना का विरोध किया, जिसमें इलाक़े में मुस्लिम क़ब्रिस्तान के लिए ज़मीन आवंटित करने की बात है।

कल्पतरु, ब्रिगेड सिटाडेल, वासवी बृंदावनम और जनप्रिया के निवासियों ने कहा कि वे क़ब्रिस्तान की स्थापना के ख़िलाफ़ नहीं हैं, लेकिन घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्र के बीचों-बीच इसे बनाने की योजना पर आपत्ति जताई। मामला हाल ही में जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान सामने आया, जब वक़्फ़ बोर्ड के ज़रिए ज़मीन आवंटित की गई। शुरुआती विरोध के बाद निवासियों ने हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया, जिसने स्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया।

कोर्ट में मामला विचारधीन

निवासियों ने आरोप लगाया कि मामला अदालत में होने के बावजूद अधिकारियों ने दूसरे गेट से प्रवेश कर 31 दिसंबर 2025 को ज़मीन की तैयारी शुरू कर दी। ब्रिगेड सिटाडेल के सी.हनुमंत नायडू ने कहा, हम तुरंत इकट्ठा हुए और समतल करने का काम रुकवाया। प्रस्तावित क़ब्रिस्तान से लगभग 5,000 फ़्लैट्स और निवासियों को असुविधा होगी। हम दृढ़ता से विरोध करते हैं और चाहते हैं कि सरकार अपना फ़ैसला वापस ले। बिना सलाह-मशविरे के फ़ैसले पर नाराज़गीनिवासियों ने शिकायत की कि सरकार ने उनसे सलाह-मशविरा किए बिना आगे बढी, जबकि उन्होंने आवास में भारी निवेश किया है। हम किसी समुदाय के ख़िलाफ़ नहीं हैं, लेकिन रिहायशी क्षेत्र के बीचों-बीच क़ब्रिस्तान नहीं चाहते, अन्य निवासी मधुसूदन ने कहा। ब्रिगेड सिटाडेल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वेंकटेश्वरुलू ने प्रस्ताव को अवैध और अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि सरकार फ़ैसला वापस लेने तक विरोध जारी रहेगा। एक अन्य निवासी सैयद ने जोड़ा, हम ख़ुद क़ब्रिस्तान के ख़िलाफ़ नहीं हैं, लेकिन चाहते हैं कि यह उपयुक्त जगह पर बने। मामला पहले ही कोर्ट में है, फिर भी लोग पिछले हिस्से से ज़मीन में घुसकर परेशानी पैदा कर रहे हैं।

श्री नामदेव विट्ठल समाज, हैदराबाद का बसंत पंचमी महोत्सव 23 जनवरी को

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री नामदेव विट्ठल समाज, हैदराबाद के तत्वावधान में आगामी 23 जनवरी को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर संत नामदेवजी महाराज का ज्ञानोदय दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा।

समाज के सचिव ओमप्रकाश पवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह आयोजन बंडलागुड़ा, हैदराबाद में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन के साथ-साथ समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान भी किया जाएगा।

इस संदर्भ में रविवार, 11 जनवरी को आयोजित समाज की बैठक में सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में ओमप्रकाश पाटनेचा को अध्यक्ष, जितेंद्र पाटनेचा को उपाध्यक्ष, कमल चौहान को कोषाध्यक्ष तथा ओमप्रकाश पंवार को सचिव पद पर मनोनीत किया गया।बैठक में महिला मंडल के लिए भी पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसमें श्रीमती गायत्री छीपा को महिला मंडल अध्यक्ष तथा श्रीमती ज्योति चौहान को सचिव पद पर मनोनीत किया गया।बैठक में समाज के वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य राजेंद्र छीपा, दीपक छीपा, कैलाश डूंगरी, कन्हैया लाल देवड़ा, मुकेश पाटनेचा, अक्षत चौहान एवं आर्यन छीपा उपस्थित रहे।

संक्रांति की भीड़ को कम करने के लिए हैदराबाद से और अधिक विशेष ट्रेनों की घोषणा की

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी संक्रांति त्योहार के कारण यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने रविवार को हैदराबाद और आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ले के बीच तीन और विशेष ट्रेनों की घोषणा की ।एससीआर ने रविवार को घोषणा की कि ये ट्रेनें चारलापल्ली स्टेशन और अनाकापल्ले के बीच संचालित की जाएंगी।ट्रेन संख्या 07479 अनाकापल्ले-चारलापल्ली 18 जनवरी को रात 10:30 बजे अनाकापल्ले से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 11:30 बजे चारलापल्ली पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07477 चारलापल्ली-अनाकापल्ले 19 जनवरी को रात 12:40 बजे चारलापल्ली से प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 9 बजे अनाकापल्ले पहुंचेगी।तीसरी ट्रेन (07478) 19 जनवरी को रात 10.30 बजे अनाकापल्ले से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 11.30 बजे चारलापल्ली पहुंचेगी।

इससे पहले, एससीआर ने हैदराबाद और सिरपुर कागजनगर के बीच चार विशेष ट्रेनों और हैदराबाद और विजयवाड़ा के बीच 10 विशेष ट्रेनों की घोषणा की थी।एससीआर ने अब तक विजयवाड़ा, काकीनाडा, मछलीपटनम, विशाखापत्तनम और आंध्र प्रदेश के नरसपुर सहित प्रमुख मार्गों पर 170 से अधिक विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए आंध्र प्रदेश से होकर 130 और विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी।

इस बीच, संक्रांति त्योहार के दौरान यात्रियों की संख्या में होने वाली भारी वृद्धि को देखते हुए, एस-सीआर ने यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए कई उपाय किए हैं।त्योहारों की अवधि के दौरान सिकंदराबाद स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन लगभग 2.20 लाख यात्रियों, लिंगमपल्ली स्टेशन पर 50,000 यात्रियों और चारलापल्ली स्टेशन पर 35,000 यात्रियों के आने की उम्मीद है।यात्रियों की बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए सिकंदराबाद स्टेशन पर टीटीई और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों की एक ग्राउंड ऑपरेशन टीम तैनात की गई है। सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं पर अतिरिक्त टीटीई और आरपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है।

तेलंगाना में 'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा अभियान आज से

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना पुलिस राज्य में सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को कम करने के उद्देश्य से 12 जनवरी से ङ्गअराइव अलाइवफ नामक राज्यव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी हैदराबाद के कोटला विजयभास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम में इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ करेंगे।

पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने रविवार को बताया कि त्यौहारों की छुट्टियों को छोड़कर यह अभियान 13 जनवरी से 24 जनवरी तक कुल 10 दिनों तक पूरे राज्य में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों को काफी हद तक कम करना है।

सड़क सुरक्षा को जन-आंदोलन बनाने का लक्ष्य

डीजीपी ने कहा कि ङ्गअराइव अलाइवफ अभियान का लक्ष्य तेलंगाना के प्रत्येक नागरिक के मन में सड़क सुरक्षा के महत्व को दृढ़ता से स्थापित करना है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर निचले स्तर के कर्मचारियों तक सभी पुलिस कर्मियों को इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि यह अभियान विशेष रूप से हेलमेट न पहनने (विशेषकर पीछे बैठने वाले यात्रियों), आगे और पीछे सीट बेल्ट का उपयोग न करना, वाहन चलाते समय

मोबाइल फोन का प्रयोग, शराब पीकर वाहन चलाना, गलत दिशा में ड्राइविंग, सिग्नल जंप करना, स्टॉप लाइन पार करना, राजमार्गों पर ऑटो में अधिक भार भरना, मीटर व वर्दी नियमों का उल्लंघन, हाई बीम लाइट का उपयोग तथा बाईं ओर से ओवरटेकिंग जैसी खतरनाक आदतों पर केंद्रित होगा।

जिला से गांव स्तर तक व्यापक क्रियान्वयन

यह अभियान जिला स्तर पर पुलिस आयुक्त या जिला एसपी के नेतृत्व में, सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के सहयोग से लागू किया जाएगा। मंडल स्तर पर एसडीपीओ, सर्कल स्तर पर सीआई और एसआई तथा गांवों में सरपंच की अध्यक्षता में गठित ग्राम यातायात सुरक्षा समितियों के माध्यम से इसे प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा।

डीजीपी ने बताया कि इस अभियान में छात्रों, युवाओं, मशहूर हस्तियों, गैर सरकारी संगठनों, कॉरपोरेट जगत, मीडिया, जन प्रतिनिधियों, सभी सरकारी विभागों और न्यायपालिका की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एनसीसी प्रतिनिधियों, ऑटो चालकों, ट्रैक्टर मालिकों एवं अन्य वर्गों को भी शामिल किया जाएगा।

विशेष विषयों पर होंगे जागरूकता कार्यक्रम

इस 10 दिवसीय अभियान के दौरान रक्षात्मक ड्राइविंग, छात्र एवं युवा जागरूकता, ग्रामीण सड़क सुरक्षा, महिलाओं और परिवार की सुरक्षा, शराब पीकर वाहन चलाने के प्रति शून्य सहिष्णुता, मीडिया व मशहूर हस्तियों की भागीदारी, कॉरपोरेट एवं परिवहन क्षेत्र तथा स्वयंसेवी संगठनों पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस प्रमुख शिवधर रेड्डी ने बताया कि ग्राम सभाओं, शैक्षणिक संस्थानों, ऑटो-रिक्शा, आरटीसी बसों, निजी परिवहन सेवाओं, कैब सेवाओं, मॉल, बाजारों, रायथु बाजारों, सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, कंपनियों, कारखानों, धार्मिक संगठनों, एसईआरपी और एमईपीएमए समूहों के सहयोग से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि जनता के सहयोग से सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए मिलकर कार्य करें और तेलंगाना को देश में सड़क सुरक्षा के लिए एक आदर्श राज्य बनाएं।

अत्तापुर में श्री श्याम निशान यात्रा की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम मित्र मंडल, अत्तापुर के तत्वावधान में आगामी 27 फरवरी को आयोजित की जाने वाली भव्य श्री श्याम निशान यात्रा की तैयारियों को लेकर आज रामबाग राम मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

यह सभा मंडल के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निशान यात्रा को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर निशान यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया एवं संतोष अग्रवाल ने बताया कि सभा में यात्रा से संबंधित अनेक कार्यों की जिम्मेदारी श्याम प्रेमी कार्यकर्ताओं को सौंपी गई है।

एकल वेशभूषा की जिम्मेदारी सोहनलाल नेहरा, उमेश नालपुरिया, श्याम अग्रवाल सहित अन्य कार्यकर्ताओं को दी गई है, जबकि शेष व्यवस्थाओं के लिए भी अलग-अलग कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपे गए हैं। सभा के दौरान श्री श्याम मित्र मंडल के अनेक श्याम प्रेमी कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने यात्रा को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से सहयोग करने का संकल्प लिया।

साइबर ठगों ने जेडी लक्ष्मीनारायण की पत्नी को बनाया निशाना, 2.58 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सीबीआई के पूर्व संयुक्त निदेशक (जेडी) और आईपीएस अधिकारी वीवी लक्ष्मीनारायण की पत्नी ऊर्मिला साइबर अपराधियों की ठगी का शिकार हो गईं। स्टॉक मार्केट में निवेश के टिप्स देने के नाम पर साइबर ठगों ने उनसे 2.58 करोड़ की ठगी की है।

व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा, फर्जी ट्रेडिंग एक्सपर्ट बनकर लूटा

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, नवंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में ऊर्मिला को एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप संदेश मिला। संदेश में कहा गया कि यदि वे उनके बताए अनुसार स्टॉक मार्केट में निवेश करेंगी तो बहुत कम समय में अधिक मुनाफा कमा सकती हैं। इस पर विश्वास करते हुए ऊर्मिला ने 29 नवंबर को अपने पति वीवी लक्ष्मीनारायण के नंबर को मस्टॉक मार्केट प्रॉफिट गाइड एक्सचेंज 20फ नामक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा।दिनेश सिंह नामक व्यक्ति ने आईआईटी मुंबई ग्रेजुएट और अमेरिका में पीएचडी होने का दावा करते हुए ग्रुप में शामिल होते ही बातचीत शुरू की। दिनेश ने खुद को ट्रेडिंग ट्रेनर बताया और कहा कि वह आईआईटी मुंबई

से ग्रेजुएट है और अमेरिका से पीएचडी किया है। उसने यह भी दावा किया कि उसकी मस्टॉक मार्केट ट्रेजर हंटिंग सीक्रेट्सफ नामक पुस्तक जल्द ही बाजार में आने वाली है।

500% मुनाफे का लालच देकर 2.58 करोड़ ट्रांसफर करवाए

दिनेश और उसकी सहयोगी प्रियसखी नामक महिला ने ग्रुप में फर्जी स्क्रीनशॉट्स पोस्ट करके दिखाया कि उनके टिप्स से लोगों को भारी मुनाफा हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि यदि सामूहिक रूप से निवेश किया जाए तो 5-6 सप्ताह में 500% मुनाफा मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि वे सेबी से मान्यता प्राप्त मोकिन्ले नामक कंपनी के माध्यम से ब्रोकरेज सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और इसके लिए कुछ नकली दस्तावेज़ भी भेजे।ऊर्मिला ने ऐपल ऐप स्टोर से मएमसीकेएआई ईवाई सीएमफ नामक एप्लिकेशन डाउनलोड किया और ट्रेडिंग अकाउंट खोला। दिनेश की बातों पर विश्वास करते हुए उन्होंने 24 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 के बीच कुल 19 किश्तों में 2.58 करोड़ ट्रांसफर किए। इसके लिए उन्होंने अपने पास मौजूद सोने को गिरवी रखकर लोन भी लिया।

विथड्रॉल ऑप्शन नहीं मिला तो समझ में आई ठगी

ट्रेडिंग अकाउंट में निवेश और मुनाफा दिखाया गया, लेकिन विथड्रॉल का ऑप्शन नहीं मिला। जब और पैसे निवेश करने से मना किया तो ठगों ने धमकी दी कि अब तक का पैसा भी डूब जाएगा।

तब उन्हें समझ में आया कि वे ठगी का शिकार हो गई हैं और उन्होंने तुरंत साइबर क्राइम पोर्टल में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस जांच जारी, म्यूल अकाउंट्स की तलाश

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि साइबर ठगों ने पैसों को म्यूल अकाउंट्स में ट्रांसफर किया है और उनकी पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

रामचंद्र राव को स्वामी विवेकानंद एक्सीलेंस अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 11 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधान परिषद सदस्य एवं तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने विश्व मंच पर सनातन धर्म की महानता का उद्घोष किया था। वे स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती के अवसर पर तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की ओर से तारनाका स्थित उनके आवास पर आयोजित सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे।

एन. रामचंद्र राव ने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श बनाएं तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास में सक्रिय योगदान देते हुए एक प्रेरणादायी जीवन व्यतीत करें।

इस अवसर पर तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने युवाओं से भ्रष्टाचार, अराजकता, अवैध गतिविधियों एवं सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय पर्यावरणविद एवं प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. लायन कोमटिरेड्डी गोपाल रेड्डी ने कहा कि आने वाले भारत की सशक्त नींव युवा शक्ति पर ही आधारित है और युवाओं की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पिछले 45 वर्षों से छात्र एवं युवा संगठनों में निरंतर सेवा, एक प्रमुख उच्च न्यायालय अधिवक्ता के रूप में हजारों लोगों के लिए कानून एवं न्याय संबंधी जागरूकता शिविरों का आयोजन, तथा भारतीय जनता पार्टी में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए विधान परिषद सदस्य से लेकर वर्तमान में प्रदेश अध्यक्ष बनने तक की उनकी अमूल्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए एन. रामचंद्र राव को स्वामी विवेकानंद एक्सीलेंस अवार्ड-2026 प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष तेलंगाना राज्य से केवल एक ही व्यक्ति को दिया जाने वाला यह प्रतिष्ठित पुरस्कार एन. रामचंद्र राव को प्रदान किया गया।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 51212002029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.